

शहरी व्यवस्था, स्वच्छता एवं सुंदरीकरण को लेकर उपायुक्त द्वारा नगर परिषद कार्यों की समीक्षा

नवप्रदेश/गुमला: उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में नगर परिषद, गुमला के कार्यों की व्यापक समीक्षा की गई। बैठक में नगर क्षेत्र की समग्र स्वच्छता, सुंदरीकरण, व्यापारिक व्यवस्थापन, अतिक्रमण मुक्त शहर अभियान, राजस्व सुधार एवं जनसुविधाओं के सुदृढ़ीकरण से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि नगर परिषद क्षेत्र में संचालित सभी गतिविधियों को विधिसम्मत एवं सुव्यवस्थित रूप से लागू किया जाए, ताकि आम नागरिकों को सहज एवं स्वच्छ नागरिक सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें।

बैठक में दुकानों के फेस-वाइज व्यवस्थित संचालन, सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण हटाने और नियमित एन्क्रोजमेंट ड्राइव के संचालन पर बल दिया गया। उपायुक्त ने निर्देशित किया कि सड़क पर अवैध रूप से बालू एवं निर्माण सामग्री रखकर आवागमन बाधित करने वालों तथा सड़क घेरने वालों पर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। शहर में सौंदर्यीकरण को गति देते हुए झाड़ियों की सफाई, ट्री-ट्रिमिंग, लाइटिंग व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण एवं रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए।



व्यापारिक व्यवस्था में पारदर्शिता लाते हुए ट्रेड लाइसेंस, प्रॉपर्टी टैक्स, पेयजल उपयोग बिल एवं अन्य राजस्व लक्ष्यों की समयबद्ध वसूली पर जोर दिया गया तथा नगर परिषद के आयोग के लिए कार्य कर रहे

तीसरी पार्टी के कार्यों के मूल्यांकन की सतत समीक्षा करने के निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने बस स्टैंड परिसर में बिना अनुमति चिकेन विक्री कर रहे दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई का

आदेश दिया। अनुमण्डल पदाधिकारी-सह-प्रशासक नगर परिषद के स्तर से दुकानदारों के साथ बैठक कर नियम पालन हेतु चेतावनी दी गई है और भारतीय न्याय संहिता (इटर) के अंतर्गत सार्वजनिक उपद्रव की कार्यवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। निदेशानुसार सभी अवैध दुकानदारों को नोटिस निर्गत कर पर्यटन भवन के पीछे निर्धारित स्थल पर व्यवसाय संचालित करने का आदेश जारी किया गया है।शहर में संचालित सभी छात्रावास, होटल एवं बैंकवट हॉल को पंजीकरण एवं अनुपालन समीक्षा के क्रम में ऐसे

संस्थानों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं उपायुक्त ने कहा कि जिले का शहरी विकास जनसहभागिता एवं संगठित तरीके पर आधारित है। इसलिए किसी भी प्रकार की अनियमितता, अतिक्रमण या स्वच्छता में लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सदर अनुमण्डल पदाधिकारी, नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी, सिटी मैनेजर सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

उपयुक्त गुमला ने तकनीकी विभागों के साथ विशेष समीक्षात्मक बैठक की

लंबित कार्यों के शीघ्र निष्पादन के निर्देश

नवप्रदेश/गुमला: उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में जिले के सभी तकनीकी विभागों के अधिकारियों एवं अभियंताओं के साथ विशेष समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य विकास एवं निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर लंबित परियोजनाओं के शीघ्र निष्पादन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करना था।बैठक में आर ई ओ विभाग के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा की गई। पीएम जनमन के तहत धरती आवा का 61 रोड सहित सभी परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा हुई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि पुराने सभी



योजनाओं को जल्दी पूर्ण किया जाए।एन आर ई पी, आर सी ई पी एवं आर ई ओ तथा बिल्डिंग डिवीजन, के लंबित निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति प्रस्तुत की गई। उपायुक्त ने छोटे-छोटे निर्माण प्रोजेक्ट को समयसीमा में पूर्ण करने का निर्देश देते हुए लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों पर शा-कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश

दिए।जिला परिषद संबंधित योजनाओं पर चर्चा के क्रम में यूनाइटेड फंड एवं डीएमएफटी के अंतर्गत चल रहे कार्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। छोटे-छोटे कार्य को इस माह के अंत तक पूर्ण करने का लक्ष्य रच दिया गया। एम आई विभाग के अंतर्गत बची हुई परियोजनाओं पर चर्चा हुई। रायडीह में स्टैंडवम निर्माण कार्य की स्थिति की

समीक्षा करते हुए नए कार्यों की स्वीकृति हेतु प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने कहा कि सभी तकनीकी विभागों को समयबद्ध तरीके से योजनाओं की पूर्ति गुणवत्ता पूर्ण रूप से सुनिश्चित करनी होगी। जिले के विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

24 वां मनोज मेमोरियल फूटबॉल टूर्नामेंट व हाफ मैराथन दौड़ का हुआ आयोजन

नवप्रदेश/राहे। प्रखंड के सताकी गांव में 24 वां मनोज मेमोरियल फूटबॉल टूर्नामेंट व हाफ मैराथन दौड़ का आयोजन गुरुवार को किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परिषद सदस्य बादल महतो एवं भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज के द्वारा फ़ीता काट कर किया गया।बालक वर्ग के 5 किमी मैराथन में प्रथम स्थान खेलगांव निवासी जानकी कुमार को तीन हजार, द्वितीय स्थान बीईटी मेसरा निवासी संजय

महतो को ढाई हजार, एवं तृतीय स्थान कोकालगाम, सिल्ली निवासी प्रताप महतो को दो हजार राशि देकर पुरस्कृत किया गया ।वहीं बालिका वर्ग में 3 किमी की दूरी रखी गई थी जिसमें प्रथम स्थान गाड़ीगांव निवासी पूजा सिंह को दो हजार रूपए, द्वितीय स्थान बूटी निवासी रितु कुमारी को पंद्रह सौ रूपए तथा तृतीय स्थान ईचागढ़ निवासी ललिता कुमारी को एक हजार रूपए की राशि देकर पुरस्कृत किया। वहीं मनोज स्पोर्टिंग



क्लब द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें शामिल थीं। फाइनल मुक़ाबला एस आरसी जाराटेली और जूनियर ब्रदर्स जाराटेली टीम के बीच खेला गया। जिसमें जूनियर ब्रदर्स जाराटेली एक गोल से विजेता बना। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि सताकी पंचायत के मुखिया पांडु मुंडा और विशिष्ट अतिथि पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि संजय स्वांसी थे। विजेता टीम को 25,000 रुपये और उपविजेता टीम को 20,000

रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गयी। कार्यक्रम का संचालन धनु नाग ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष यशपाल महतो, उपाध्यक्ष किरीटी कुमार महतो , पशुपतिनाथ महतो, दुर्लभ महतो, राजेन्द्र नाथ महतो, नीलकांत महतो, भक्तिपद महतो, कल्याणी कुमारी, वार्ड सदस्य ममता देवी,सुरेंद्र महतो,मेघनाथ महतो, राकेश महतो,मदन महतो, किशोर, पंकज आदि मौजूद थे।

आईएचएम राँची में कार्यकारी विकास केंद्र एवम बालिका छात्रावास विस्तारीकरण कार्य का शिलान्यास

नवप्रदेश/मांडर: मांडर के ब्राम्बे स्थित आईएचएम में गुरुवार को महत्वकांक्षी कार्यकारी विकास केंद्र एवम बालिका छात्रावास विस्तारीकरण कार्य का शिलान्यास किया गया।

इस शिलान्यास कार्यक्रम में माननीय पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की मंत्री श्री सुदिव्य कुमार सोनु एवम कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिरकी मुख्य अतिथि तथा श्री मनोज कुमार, सचिव, पर्यटन विभाग, श्रीमती विजया जाधव, निदेशक, पर्यटन निदेशालय एवम संस्थान के प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। शिलान्यास कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के सभागार में मुख्य अतिथियों एवम विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रच्वलनएवं छत्रों के गणेश वंदना से हुई।

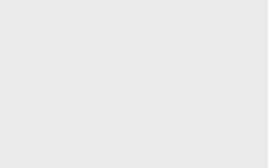
इस अवसर पर माननीय पर्यटन मंत्री श्री सुदिव्य कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि आईएचएम झारखंड पर्यटन का ब्लू आईड बेबी है और राज्य में पर्यटन की दृष्टि से तेजी से उभरता हुआ संस्थान है और भविष्य में यह संस्थान झारखंड के पर्यटन उद्योग के लिए कुशल प्रोफेशनल तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने छत्रों को उत्साह,



अनुशासन और नवीन सोच के साथ आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया। साथ उन्होंने इस बात पर विशेष जोर देते हुए कहा कि झारखंड ही ऐसा राज्य जो अपने संस्कृति से लगाव बाकी राज्यों से कहीं ज्यादा रखता है।

इस अवसर माननीय कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिरकी ने अपने संबोधन में कहा कि खाद्य संस्कृति, स्थानीय व्यंजनों और कृषि संसाधनों के संरक्षण एवं प्रोत्साहन में आईएचएम राँची ने महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने छत्रों को स्थानीय उत्पादों के नवाचार, पोषण एवं सतत विकास को अपनाने की प्रेरणा दी। संस्थान के प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार ने कहा आज का दिन हम सभी के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि हम आईएचएम रांची के विकास की एक नई और महत्वपूर्ण शुरुआत जिसका सपना लंबे समय से था एवं छत्रों के सर्वांगीण विकास के

लिए साक्षी बन रहे हैं। सभागार सह कार्यकारी विकास केंद्र का भूमि पूजन केवल एक परंपरा नहीं है, बल्कि यह नई ऊर्जा, नए विचारों और नए संकल्पों का प्रतीक है। संस्थान का यह नया निर्माण न केवल भौतिक विस्तार होगा, बल्कि यह हमारे शिक्षा प्रणाली, प्रशिक्षण क्षमता और भविष्य की संभावनाओं का विस्तार भी होगा। साथ ही संस्थान की अनेकों उपलब्धियों को साझा करते हुए बताया की हमारा लक्ष्य है कि भविष्य के आतिथ्य लीडरों को आधुनिक तकनीक, व्यवहारिक कौशल और वैश्विक स्तर की गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान कर सकें, ताकि वे आतिथ्य क्षेत्र में उत्कृष्ट पहचान बना सकें। माननीय मंत्रियों के कर कमलों द्वारा कार्यकारी विकास केंद्र एवम बालिका छात्रावास विस्तारीकरण कार्य का भूमि पूजन विधि विधि-विधान से सम्पन्न हुआ।



एक नजर

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान,डायट, गुमला में एक दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया



गुमला। जिले के 11 प्रखण्ड के 25 विद्यालयों के विद्यार्थी एवं शिक्षक शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ डायट प्राचार्य एवं संकाय सदस्यों, शिक्षकों द्वारा सामूहिक रूप से किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन डायट संकाय सदस्य कुमार सुन्दरम भारद्वाज ने किया। निर्णायक मंडल में डायट संकाय सदस्य कुमार सुन्दरम भारद्वाज, डॉ रंजना सिंह एवं सतीश कुमार पाण्डेय रहे। कार्यक्रम का समापन जिला शिक्षा पदाधिकारी कविता खलखो द्वारा प्रमाण -पत्र वितरण एवं विजयी टीम को ट्रॉफी देने के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में मॉडल स्कूल रायडीह ने प्रथम स्थान, राजकीयकृत उत्कर्मित उच्च विद्यालय,सिलम, रायडीह ने द्वितीय स्थान तथा मॉडल स्कूल, घाघरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में डायट के सभी शिक्षणेत्र कर्मचारियों का भी सहयोग रहा। जिला शिक्षा पदाधिकारी महोदया ने कहा कि विद्यार्थियों का कार्यक्रम में भाग लेना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उनकी ज्ञिज्ञक और संकोच दूर होता है।

चान्हो में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान, स्वदेशी अपनाने का आह्वान



चान्हो। भाजपा रांची ग्रामीण जिला द्वारा गुरुवार को प्रभा पुंज पब्लिक स्कूल, चान्हो में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान तथा वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रमकर्ताओं ने चान्हो मंडल में स्वदेशी अपनाओ संपर्क अभियान भी चलाया। कार्यक्रम में भाजपा युवा नेता सन्नी टोपो ने वंदे मातरम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य के लिए स्वदेशी उत्पादों का उपयोग अत्यंत जरूरी है। पूर्व विधायिका गंगोत्री कुजूर ने भी स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने पर जोर दिया। संपर्क अभियान में लोगों से स्थानीय उत्पादों के उपयोग, छोटे उद्योगों के समर्थन और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को अपनाने की अपील की गई। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष सुधाकर चौबे, नेता सतीश साह, महिला मोर्चा अध्यक्ष नेहा सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ब्राउन शुगर के कारोबार मामले में चार अभियुक्त गए जेल



गुमला मादक पदार्थों के कारोबार व सेवन पर रोक लगाने के लिए पुलिस प्रशासन ने गंभीरता दिखाते हुए बुधवार की रात दो स्थानों पर छापामारी कर आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया. और पूछताछ के बाद ब्राउन शुगर के कारोबार से जुड़े चार लोगों को पुलिस ने गुरुवार को जेल भेज दिया जबकि पूछताछ के बाद दो युवकों को छोड़ दिया गया. मिली जानकारी के अनुसार ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री की गुप्त सूचना के आधार पर गुमला थाना की पुलिस ने देर रात लगभग साढ़े आठ बजे फसिया पंचायत के लक्ष्मण नगर में मनीष नायक के मकान की तलाशी ली . मकान के एक कमरे में तीन युवक बैठे थे . सबकी तलाशी ली गई . तलाशी में सागर कुमार के पास से सात ग्राम, मनीष नायक के पास से 03 ग्राम और चंदन कुमार के पास से 10 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया. पूछताछ पर ब्राउन शुगर का खरीद बिक्री का अपराध स्वीकार किया. वहीं गुमला थाना की पुलिस ने बुधवार की मध्य रात्रि गुमला बाजार टांड से तीन युवकों को गिरफ्तार किया. तलाशी लेने पर मो ईरशाद अंसारी के पास से 24 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया. इसके साथ अन्य युवक मो शाहिद व मो अली हसन की तलाशी ली गई. ब्राउन शुगर के कारोबार में इनकी सलिपा नहीं होने के प्रथम दृष्टया में पूछताछ के बाद पुलिस ने छोड़ दिया जबकि ब्राउन शुगर के चार कारोबारी को पुलिस ने जेल भेज दिया

स्कूल वाहन जांच अभियान में बड़ी कार्रवाई, एक वाहन जब्त

गुमला उपायुक्त के निदेशानुसार स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सघन वाहन जांच अभियान गुरुवार, संत चार्ल्स पब्लिक स्कूल के पास की गई, जिसमें जिला परिवहन पदाधिकारी और मोटर यान निरीक्षक मौजूद रहे। अभियान के दौरान परिवहन नियमों के उल्लंघन के चलते एक वाहन को जब्त कर लिया गया, और कई वाहन चालकों तथा अभिभावकों को कड़ी चेतावनी दी गई। साथ ही बिना हेलमेट आए अभिभावकों का कड़ा ऑनलाइन चालान,जांच अभियान के दौरान सबसे बड़ी सख्ती सुरक्षा नियमों के पालन को लेकर बरती गई। जिला परिवहन पदाधिकारी ने स्कूल आए उन सभी अभिभावकों पर तुरंत कार्रवाई की जो अपने बच्चों को लेने या छोड़ने बिना हेलमेट पहने आए थे। इन सभी परिजनों का ऑनलाइन चालान किया गया।अधिकारियों ने एक बार फिर दोहराया कि सिर की सुरक्षा सर्वोपरि है, और अभिभावकों को जुमानें से नहीं, बल्कि दुर्घटना से बचने के लिए हेलमेट पहनना चाहिए। प्राइवेट गाड़ियों को कर्मशियल बनाने की अंतिम चेतावनी डीटीओ ने ऐसे सभी वाहन चालकों को सख्त चेतावनी देते हुए कर्मशियल नंबर (पीला नंबर प्लेट) लगवाने के लिए अगले माह तक का समय दिया है।

कार्यालय, कार्यपालक अभियंता, एन0 आर0 ई0 पी0, सिमडेगा

अतिअल्पकालीन पुनः ई-निविदा आमंत्रण सूचना (2nd Call)

ई-निविदा संख्या –08/2025-26/NREP/SIMDEGA

दिनांक – 03.12.2025

1. कार्य का विवरण :-

क्र0	प्रखण्ड का नाम	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि		परिमाण विपत्र की राशि (रूपये में)	अग्रघन की राशि (रूपये में)	कार्य अवधि
			अंक में (लाख में)	अक्षर में			
1	सिमडेगा	सिमडेगा प्रखण्ड अन्तर्गत डिट्टीटोली कब्रिस्तान पश्चिम से कुल तक पी0सी0सी0 निर्माण।	3.42795	तीन लाख बयालीस हजार सात सौ पचासबे।	750	7000	60 Days
2	Date of publication of Bid on Website		:- 06.12.2025 at 10:00 AM				
3	Mode of Submission of Tender		:- Online Through www.jharkhandtenders.gov.in				
4	Bid submission start date		:- 06.12.2025, 10:00 AM onwards				
5	Last date and Time of Online submission of Bid		:- 12.12.2025 by 03:00 PM				
6	Bid Opening Date and Time		:- 13.12.2025 at 04:00 PM				
7	Tender inviting Authority		:- Executive Engineer, N.R.E.P., Simdega				

विस्तृत जानकारी वेबसाइट www.jharkhandtenders.gov.in तथा कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यापालक अभियंता
एन0 आर0 ई0 पी0 सिमडेगा

PR 367711 (Simdega)25-26*D

विस्तृत जानकारी वेबसाईट www.jharkhandtenderders.gov.in तथा कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यापालक अभियंता
एन0 आर0 ई0 पी0 सिमडेगा

नवप्रदेश/गुमला: खरीफ विपणन मौसम 2025-26 में धान अधिप्राप्ति कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में किसानों के पंजीकरण, सत्यापन तथा धान अधिप्राप्ति केन्द्रों के संचालन से संबंधित सभी प्रावधानों की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त द्वारा स्पष्ट निर्देश दिया गया कि किसानों का पंजीकरण ई-उपार्जन पोर्टल पर समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए। अब तक 12,000 किसानों का पंजीकरण किया जा चुका है, जबकि लगभग 60,000 किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिन किसानों का पूर्व में पंजीकरण हो चुका है, उनके सत्यापन की प्रक्रिया त्वरित गति से पूर्ण की जाएगी ताकि कोई भी पात्र किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य के लाभ से वंचित न रहे।बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी-सह-जिला अबंधक, गुमला द्वारा विभागीय पत्रों के आलोक में यह बताया गया कि अधिप्राप्ति केन्द्रों का चयन धान उत्पादक क्षेत्रों के अनुरूप



किया गया है तथा उनकी नियमित जाँच एवं सत्यापन सुनिश्चित किया जाएगा। धान अधिप्राप्ति केन्द्रों पर आवश्यक भौतिक सुविधाएँ, सुरक्षित भण्डारण व्यवस्था, पूर्व बकाया रहित स्थिति एवं नियमित अंशेक्षण की पुष्टि अनिवार्य रूप से की जाएगी। जिला सहकारिता पदाधिकारी द्वारा 24 चयनित लैम्पस/पैक्स की सूची प्रस्तुत की गई, जिनकी कार्यप्रणाली नियमानुकूल पाई गई। समिति द्वारा इन सभी केन्द्रों पर प्रखण्ड स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यवेक्षक एवं दण्डाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है।क्षान क्रय प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाने हेतु यह निर्देश दिया गया कि किसानों को धान बिक्री के लिए क्रमवार एसएमएस भेजकर ही बुलाया जाएगा तथा

एक किसान से अधिकतम 200 क्विंटल धान ही अधिप्राप्त किया जाएगा, ताकि बड़ी संख्या में किसानों को लाभ मिल सके। धान की गुणवत्ता, वजन तथा सभी दस्तावेजों का सत्यापन ई-पांस मशीन के माध्यम से ही किया जाएगा और इस प्रक्रिया में अधिप्राप्ति केन्द्र के अध्यक्ष/सचिव तथा प्रतिनियुक्त पर्यवेक्षक की संयुक्त भूमिका सुनिश्चित रहेगी। मिल प्रतिनिधि की उपस्थिति में ही धान उठाव की प्रक्रिया संपन्न होगी तथा समय पर भुगतान की कार्रवाई की जाएगी।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सभी अधिप्राप्ति केन्द्रों की नियमित जाँच प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी द्वारा की जाएगी। जिला सहकारिता पदाधिकारी एवं जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा निरीक्षण की समीक्षा निरंतर की जाएगी तथा निरीक्षण

प्रतिवेदन साप्ताहिक रूप से जिला आपूर्ति कार्यालय को उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही प्रखण्ड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में प्रखण्ड स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक प्रत्येक 20 दिनों के भीतर आयोजित कर प्रगति की समीक्षा की जाएगी। ई-उपार्जन पोर्टल पर किसानों के पंजीकरण एवं सत्यापन से संबंधित दायित्व अंश्वल अधिकारियों एवं प्रखण्ड कृषि पदाधिकारियों द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि किसानों को उनका अधिकार दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा धान अधिप्राप्ति का पूरा अभियान जनहित एवं पारदर्शिता की भावना के साथ संचालित किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदार पदाधिकारी एवं लैम्पस/पैक्स से जुड़े व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में, अपर समाहर्ता गुमला, सहकारिता पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी कृषि एवं अन्य सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जेजे कॉलेज में संचालित इग्नू में पुनः पंजीयन शुरू

नवप्रदेश, कोडरमा। इग्नू में जनवरी 2026 शैक्षणिक सत्र में पुनः पंजीकरण की तिथि 15 जनवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। इच्छुक छात्र और छात्राएं स्नातक, स्नातकोत्तर, पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा के कोर्स में ऑनलाइन और ऑडीएल में निश्चित तिथियों में पुनः पंजीयन करा सकते हैं। इह जानकारी जेजे कॉलेज में संचालित इग्नू अध्ययन केंद्र की समन्वयक डॉ निक्कहत परवीन ने दिया।

पीएम श्री जीएमएस ग्राम विकास सिल्ली में अतिरिक्त साइंस लैब भवन का शिलान्यास

सिल्ली। गुरुवार दिनांक 04 दिसंबर 2025 को पीएम श्री जीएमएस ग्राम विकास सिल्ली में झारखंड शिक्षा परियोजना की तरफ से प्रदत्त विद्यालय के लिए एक अतिरिक्त साइंस लैब भवन का शिलान्यास सिल्ली के विधायक अमित कुमार महतो की गरिमामयी उपस्थिति में मो मीणा देवी के कर-कमलों द्वारा सम्पन्न किया गया। विधायक अमित कुमार महतो ने विद्यालय के बच्चों के साथ बातचीत की और उन्हें अस्ट्रे से पढ़ाई करने की सलाह दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य सुभांशु रंजन प्रमाणिक द्वारा माननीय विधायक को एक पौधा भेंट दिया गया तथा विद्यालय परिवार द्वारा आभार प्रकट करते हुए उन्हें उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। विद्यालय परिवार की तरफ से खासकर बच्चों के द्वारा उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गई। आज के इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य सुभांशु रंजन प्रमाणिक के अलावा बरहो सिंह महतो, धिरेंद्र कुमार महतो, अर्चना चौधरी, राजेंद्र प्रसाद बड़ाइक, नवीन कुमार तथा विद्यालय की संयोजिका एवं सभी रसोईया मौजूद रहे।

चान्हो में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान, स्वदेशी अपनाने का आह्वान

चान्हो। भाजपा रांची ग्रामीण जिला द्वारा गुरुवार को प्रभा पुंज पब्लिक स्कूल, चान्हो में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान तथा हार्वेद मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रमों में चान्हो मंडल में स्वदेशी अपनाओ संपर्क अभियान भी चलाया। कार्यक्रम में भाजपा युवा नेता सन्नी टोप्पो ने वंदे मातरम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य के लिए स्वदेशी उत्पादों का उपयोग अत्यंत जरूरी है। पूर्व विधायिका गंगोत्री कुजुर ने भी स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने पर जोर दिया। संपर्क अभियान में लोगों से स्थानीय उत्पादों के उपयोग, छोटे उद्योगों के समर्थन और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को अपनाने की अपील की गई। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष सुधाकर चौबे, नेता सतीश साह, महिला मोर्चा अध्यक्ष नेहा सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विधायक ने बादल ट्रेडर्स का किया उद्घाटन

नवप्रदेश/चौपारण। चतरा रोड पर स्थित बादल ट्रेडर्स (छड़ सीमेंट दुकान) का बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने उदघाटन किया। संचालक सुबोध यादव ने अतिथियों को ब्रुके देकर स्वागत किया। विधायक ने संचालक से कहा कि आपका व्यापार खुब फले - फुले और नई क़ाबइयों को छुए। उन्होंने खुबोध को उज्जवल भविष्य और सफल व्यापार के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं दी। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चन्द्रशर्मा,भाजपा नेता राजदेव यादव,भरत सिंह, सुमन सिंह, पूर्व मुखिया पहलवान उर्फ भुनेश्वर यादव,अशोक केशरी, दया सिंह, मनोज सिंह, विनोद सिंह, सहित अन्य

सारथी उत्थान सेवा ट्रस्ट के नए कार्यालय का हुआ भव्य उद्घाटन
चालकों की सुरक्षा व सहायता के लिए ट्रस्ट करेगा कार्य
नवप्रदेश/चौपारण। बुधवार को चतरा रोड स्थित सुमन सिंह के मकान में सारथी उत्थान सेवा ट्रस्ट के नए कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक निरंजन प्रसाद सिंह तथा विशिष्ट अतिथि चौपारण-2 के जिप सदस्य रवि शंकर अकेला एवं मुखिया प्रतिनिधि विनोद कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर कार्यालय का शुभारंभ किया। इससे पूर्व ट्रस्ट के सदस्यों ने पूजा-अर्चना कर नई शुरुआत के लिए विधिविधान पुरे किए।उद्घाटन समारोह में मुख्य ट्रस्टी राजकुमार सिंह, अध्यक्ष गौतम कुमार सिंह, सचिव रामसागर सिंह, उपाध्यक्ष चंदन कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष ओमकार कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ, माला एवं शॉल देकर सम्मान किया।ट्रस्ट से जुड़े सदस्यों ने बताया कि संगठन का मुख्य उद्देश्य वाहन चालकों को सुरक्षा, सहायता और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। ट्रस्ट की सदस्यता के लिए हवी वाहन लाइसेंस अनिवार्य होगा तथा वार्षिक शुल्क 1500 रुपये निर्धारित किया गया है। साथ ही प्रत्येक सदस्य वालक के नाम पर 10 लाख रुपये का बीमा करारा जाएगा। दुर्घटना की स्थिति में वालक या उसके परिवार को आर्थिक सहायता दी जाएगी।मुख्य अतिथि पूर्व विधायक निरंजन प्रसाद सिंह ने कहा कि यह ट्रस्ट न केवल चालकों की सुरक्षा में सहाक होगा बल्कि समाजसेवा के अन्य क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं जिप सदस्य रवि शंकर अकेला ने कहा कि नए कार्यालय के शुभारंभ से ट्रस्ट की कार्यणाली और अधिक सुदृढ़ होगी। कार्यक्रम में मकान मालिक सह उप मुखिया प्रतिनिधि सुमन सिंह, ट्रस्टी सदस्य परशुराम सिंह, हृदय सिंह, अमित कुमार सिंह, बटी कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

चौपारण के 26 पंचायतों में विकास कार्य ठप

नवप्रदेश/चौपारण। झारखंड सरकार द्वारा बीते दो वर्षों से पंद्रहवीं वित्त आयोग की राशि जारी न किए जाने का सीधा असर चौपारण प्रखंड के 26 पंचायतों पर पड़ा है। पंचायतों में विकास कार्य लगभग पूरी तरह बंद हो चुके हैं। चौपारण मुखिया संघ अध्यक्ष बीरेंद्र रजक ने कहा कि पंचायतें वास्तव में गाँव की सरकार होती हैं, लेकिन फंड न मिलने के कारण आज यह सरकार केवल कानाजों तक सिमटकर रह गई है।उन्होंने बताया कि टाइड और अनटाइड गाँवों में मंदों में एक भी किस्म न आने से पंचायतों का खजाना सूख गया है, जबकि गाँवों में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। कई टोले में वापकल महीनों से खराब पड़े हैं। नालियों के अभाव में हल्की बारिश में भी कीचड़ और गंदा पानी घरों तक घुस जाता है। ग्रामीण सड़कों की हालत इतनी जर्जर है कि कई जगह पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।मुखिया संघ अध्यक्ष ने कहा कि पीसीसी सड़क, नली-गली, फेब्र बर्लोक, कचरा प्रबंधन और सफाई कार्य बीता में ही रुक गए हैं, जिससे ग्रामीणों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। रात में गाँव की गलियों अंधेरे में डूब जाती हैं क्योंकि अधिकांश पंचायतों में स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं। पंचायत भवन से लेकर सामुदायिक स्थल तक मरम्मत के अभाव में बदहाल हो चुके हैं। वहीं प्रभाण सड़क निर्माण और कब्रिस्तान की घेराबंदी जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी अंधर में पड़े हैं।उन्होंने बताया कि ग्रामीण रोज शिकायत लेकर पंचायत प्रतिनिधियों के पास पहुँचते हैं, लेकिन फंड नहीं होने से समाधान असंभव बन गया है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी और पंचायत प्रतिनिधियों के प्रति अविश्वास लगातार बढ़ रहा है। बीरेंद्र रजक ने राज्य सरकार से पंद्रहवीं वित्त की लंबित राशि अविलंब जारी करने की मांग की, ताकि पंचायतों में ठप पड़े विकास कार्य पटरी पर लौट सकें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो मुखिया संघ बड़े आंदोलन का विकल्प भी अपना सकता है।

ईएसएल स्टील लिमिटेड और आईओसीएल के बीच पीएनजी आपूर्ति के लिए समझौता

बोकारो। ईएसएल स्टील लिमिटेड ने अपने बोकारो संयंत्र में सीमित परिवचालन गतिविधियों के लिए पाइपड नेचुरल गैस (पीएनजी) आपूर्ति हेतु इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया है। हस्ताक्षर समारोह में आईओसीएल के कार्यकारी निदेशक मनोज के. शर्मा और एसएल लिमिटेड अमिया कुमार बेहरा तथा ईएसएल स्टील लिमिटेड के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक रवीश शर्मा और मुख्य वित्तीय अधिकारी आनंद नंदू उपस्थित रहे। समझौते पर अपनी बात रखते हुए रवीश शर्मा, डिस्ट्री सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक, ईएसएल स्टील लिमिटेड ने कहा कि आईओसीएल के साथ यह साझेदारी संयंत्र में महत्वपूर्ण परिवचालन कार्यों के लिए अधिक विश्वसनीय और कुशल ऊर्जा उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। एलपीजी के स्थान पर पीएनजी जैसे स्वच्छ और अधिक टिकाऊ ईंधन के उपयोग से हम परिवचालन उत्कृष्टता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रहे हैं।

स्कूलों में तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान का दीवार लेखन अनिवार्य, बीडीओ गोमिया ने दिए निर्देश

बोकारो। उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देशानुसार गुरुवार को गोमिया प्रखंड के सभी स्कूल प्राचार्यों के लिए टॉफी गाइडलाइन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं गुरु गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी गोमिया महादेव कुमार महतो की अध्यक्षता में आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुरुआत बीपीओ इकबाल अख्तर ने शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा के साथ की। इसके बाद जिला परामर्शो मो. असलम ने प्राचार्यों को टॉफी गाइडलाइन के तहत विद्यालय को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए आवश्यक 9 बिंदुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि स्कूल के मुख्य प्रवेश द्वार पर हल्लाकू मुक्त शिक्षण संस्थानन्ह का दीवार लेखन अनिवार्य रूप से किया जाए। साथ ही स्कूल की चारदीवारी से 100 मीटर दूरी तक तंबाकू मुक्त क्षेत्र का चिह्नंकन भी सुनिश्चित करना होगा। प्रशिक्षण के अंत में बीडीओ महादेव कुमार महतो ने सभी प्राचार्यों को निर्देश दिया कि प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द स्कूलों के मुख्य द्वार पर तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान का चिन्ह अंकित करा लें और संबंधित कार्यों को निष्पत्ति समय में पूरा करें। उन्होंने शिक्षकों के साथ सावित्रीबाई फुले की शिक्षा संबंधी चाराधार, विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने और आगामी मैट्रिक परीक्षा की तैयारी को लेकर भी विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि मो. असलम, जिला परामर्शों एनटीसीपी छोटेलाल दास एवं गोमिया प्रखंड के सभी स्कूलों के प्राचार्य उपस्थित थे।

हरी झंडी दिखाकर जेलकेएम केंद्रीय अध्यक्ष सह डुमरी विधायक ने पद यात्रा की शुरुआत की

नव प्रदेश विजय कुमार

चंदवारा। छात्र अधिकार यात्रा की शुरुआत हरा झंडा दिखाकर किए जेलकेएम केेंद्रीय अध्यक्ष एवं डुमरी विधायक जयराम महतो. पदयात्रा डुमरी के (चिरैया मोड़) विनोद बिहारी महतो चौक से गुरुवार को शुरुआत हुई. यह पदयात्रा जीटी रोड बगोदर, विष्णुगढ़, हजारीबाग, रामगढ़ और ओरमांझी होते हुए विधानसभा धरनास्थल, रांची तक पहुंचेगी. 180 किलोमीटर की दूरी छह दिनों में तय करेगी. आज छात्र छात्रवृत्ति



से वॉचित हैं. गरीब छात्रों के लिए यह एक संजीवनी है. छात्र पढ़ाई छोड़ने की नौबत आ चुकी है.

सरकारी कार्यालयों में कर्मचारी और अधिकारियों का अभाव है. मेरे झारखंड के लगभग सभी पद प्रभार

में चल रहे है. इन रिक्त पदों पर

सरकार को अविलंब नियुक्ति करनी चाहिए. मेरे युवा साथी सड़क पर हैं.

पोषण और प्रगति का संगम: जेएसएलपीएस ने शुरू की बर्ड लेयर फार्मिंग यूनिट

नव प्रदेश संवाददाता/सतगावां। प्रखण्ड के सुदूरवर्ती क्षेत्र ग्राम राजाबर में गुरुवार को झारखंड स्टेट लावलीहुड प्रमोशन सोसाईटी जेएसएलपीएस (आई एफ सी) एक उत्तम कुमार के सहयोग से 100 बर्ड लेयर फार्मिंग यूनिट की शुरुआत अनीता कुमारी महिला (एस एच जी सदस्य) द्वारा 100बर्ड



लेयर फार्मिंग यूनिट की शुरुआत की गई।इस यूनिट से स्थानीय स्तर पर अंडा उत्पादन बढ़ेगा और महिला समूह की आय में महत्वपूर्ण वृद्धि होने की उम्मीद है।आई ई एफ एंकर उत्तम कुमार ने बताया कि इस यूनिट से प्रति माह लगभग 5000 तक की आय होने की संभावना है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जेएसएलपीएस टीम द्वारा प्रोजेक्ट शुरू होने से पहले पोल्ट्री प्रबंधन और लेयर यूनिट संचालन से संबंधित आवश्यक ट्रेनिंग भी दी गई। जेएसएलपीएस के बीपीएम सुधीर कुमार और सीएनएफ प्रतिनिधियों ने यूनिट का निरीक्षण करते हुए,अनीता कुमारी और उनके समूह को शुभकामनाएं दीं।उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से ग्रामीण महिलाओं को स्वयंरोजगार के नए अवसर मिलते हैं और गाँव में आजीविका की मजबूत व्यवस्था बनती है। गाँव के स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि इससे राजाबर क्षेत्र में डेयरी और पोल्ट्री गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

उपायुक्त ऋतुराज द्वारा पॉलीटेक्निक कॉलेज, बागीटांड में चल रहे आवासीय पठन. पाठन कार्यक्रम का किया गया औचक निरीक्षण



नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। आगामी माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में कोडरमा जिला के छात्र-छात्राओं के प्रदर्शन की और बेहतर करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन, कोडरमा द्वारा कोडरमा स्थित पॉलीटेक्निक कॉलेज, बागीटांड में चलाए जा रहे आवासीय पठन.पाठन कार्यक्रम का आज उपायुक्त ऋतुराज द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उपायुक्त महोदय द्वारा संबंधित अधिकारियों व कर्मिणण को निर्देश दिया गया कि कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को सिलेबस के अनुसार पूरी तैयारी कराई जाए और उनके बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध कराया जाए। सभी विषयों के क्वेश्चन बैंक बना कर हॉस्टल के बच्चों एवं जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में भी शेरार करना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त हॉस्टल में रह रहे बच्चों को समय से खाना, गर्म पानी, लाइट की व्यवस्था व अन्य सभी सुविधाओं का ध्यान रखने का भी निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त उपायुक्त महोदय द्वारा चल रहे क्लास का भी निरीक्षण किया गया एवं बच्चों से हो रही पढ़ाई का फीडबैक एवं पढ़ाई से संबंधित कई टिप्स भी दिए गए। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम व अन्य संबंधित मौजूद रहे।

छात्र अधिकार पदयात्रा में अर्जुन रजवार शामिल

बोकारो। जेलकेएम द्वारा पांच सप्ती मांगों के समर्थन में गुरुवार को डुमरी से रांची तक 180 किलोमीटर तक छात्र अधिकार पदयात्रा में चंदनकियारी के प्रत्याशी रहे और जेलकेएम के केेंद्रीय महासचिव अर्जुन रजवार शामिल हुए। गुरुवार को आरम्भ इस यात्रा में अर्जुन रजवार पूरी,180 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। पदयात्रा की शुरुआत

जेलकेएम के केेंद्रीय अध्यक्ष सह डुमरी विधायक जयराम महतो ने चिरैया मोड़ स्थित विनोद बिहारी महतो के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर- के किया। साथ ही विधायक ने कार्यकर्ताओं संग चिरैया मोड़ से डुमरी चौक तक पदयात्रा में शामिल होकर सदस्यों को गंतव्य की ओर रवाना किया। अर्जुन रजवार ने यात्रा

ऐतिहासिक यात्रा है जिसमें छात्रों की अधिकार मांगी गई है। पदयात्रा डुमरी से शुरू होकर बगोदर, विष्णुगढ़, हजारीबाग, रामगढ़, ओरमांझी होकर 6 दिनों में विधानसभा धरना स्थल रांची तक पहुंचेगी। जिन मांगों को लेकर आयोजित है, उसमें खतियान आधारित स्थानीय नीति एवं नियोजन नीति अविलंब लागू करने, छात्रों के लंबित

छात्रवृत्ति का तत्काल भुगतान करने, जेपीएससी/ जेएसएससी/जेटेट की सभी लंबित परीक्षाओं के परिणाम को शीघ्र प्रकाशित करने, झारखंड सरकार द्वारा प्रति वर्ष नियमित परीक्षा कैलेंडर जारी कर उसका अनुपालन सुनिश्चित करने तथा राज्य के सभी सरकारी विभागों के रिक्त पदों को अविलंब भरने की प्रक्रिया प्रारंभ करने की मांग शामिल है।

बोकारो में बन सकेगा स्मार्ट सिटी, जिला प्रशासन और बीएसएल ने बढ़ाया कदम

बोकारो। बोकारो वासियों का स्मार्ट सिटी का सपना जल्द साकार होने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। जिला प्रशासन और बीएसएल प्रबंधन ने संयुक्त रूप से परियोजना पर कार्य शुरू कर दिया है। गुरुवार को उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में उपायुक्त आवासीय कार्यालय के गोपनीय शाखा कक्ष में इस संघर्ष में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने बीएसएल प्रबंधन को लगभग 600 एकड़ भूमि स्मार्ट सिटी निर्माण के लिए आवंटित करने का प्रस्ताव दिया। इस पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए बीएसएल प्रबंधन ने प्रारंभिक तौर पर गंगा डैम और बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन के बीच स्थित खाली क्षेत्र को स्मार्ट सिटी के लिए उपलब्ध करने पर सहमति जताई। बीएसएल के सीजीएम कुंदन कुमार को एक सप्ताह के भीतर सहमति पत्र जिला प्रशासन को सौंपने का निर्देश दिया गया है।

ग्रामीणों को सुरक्षा नहीं, बस सरकारी पैसों की हुई बबार्दी

पुलिस प्रशासन की खुली पोल! बजरंग बली मोड़ का बीट पोस्ट बना कबाड़खाना

नवप्रदेश (विजय कुमार)

चंदवारा। चंदवारा थाना क्षेत्र के बजरंग बली मोड़ पर पुलिस द्वारा स्थापित बीट पोस्ट अब जनता के लिए व्यर्थ ढांचा बनकर रह गया है। यह बीट पोस्ट जिस उद्देश्य से बनाया गया था। यानी स्थानीय लोगों को त्वरित सुरक्षा प्रदान करना और अपराध पर नकेल कसना उस उद्देश्य की पूर्ति में यह पूरी तरह विफल साबित हो रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह बीट पोस्ट अब ग्रामीणों के लिए किसी



काम का नहीं रह गया है, बल्कि यह अब एक तरह का कबाड़खाना या निष्क्रिय झोपडी बनकर रह गया

है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए संवेदनशील और व्यस्त स्थानों पर बीट पोस्ट स्थापित

किए जाते हैं, ताकि पुलिस की उपस्थिति बनी रहे। लेकिन बजरंग बली मोड़ के इस पोस्ट की स्थिति

में विधानसभा में रहूँगा. सड़क से

सदन तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी. इस पदयात्रा में केेंद्रीय सचिव एवं

प्रत्याशी कृष्णा यादव वरीय उपाध्यक्ष मनोज यादव देवेंद्रनाथ महतो मोतीलाल महतो पूजा महतो दिनेश साहू अर्जुन रजवार दीपक रवानी लीलावती महतो उदय मेहता महेंद्र प्रसाद संजय महतो बिहारी महतो रोहित पासवान एवं भारी

संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पदयात्रा की प्रमुख मांगें.. 1. खतियान आधारित स्थानीय नीति एवं नियोजन नीति अविलंब

लागू की जाए.

2. छात्रों को लंबित छात्रवृत्ति का तत्काल भुगतान किया जाए.

3. जेपीएससी/जेएसएससी की सभी लंबित परीक्षाओं के परिणाम शीघ्र प्रकाशित किए जाएं।

4. झारखंड सरकार प्रति वर्ष नियमित परीक्षा कैलेंडर जारी करे और उसके अनुपालन को सुनिश्चित किया जाए।

5. राज्य के सभी सरकारी रिक्त पदों को अविलंब नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए. संघर्ष जारी रहेगा।

कसमार के गर्री और झरमुंगा में मछर घनत्व सर्वे मलेरिया नियंत्रण के लिए सूर्योदय से पहले घर-घर जाकर मच्छरों का संग्रह

कसमार प्रखंड के गर्री और झरमुंगा गांव में गुरुवार की सुबह स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मच्छर जनित रोगों की रोकथाम के उद्देश्य से पोस्ट एनोफीलीज मोरिक्टा डेनसिटी सर्वे किया। यह अभियान क्षेत्रीय मलेरिया पदाधिकारी, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल हजारीबाग के निदेश पर चलाया गया। आधिकारिक टीम सूर्योदय से पहले गांव के अलग-अलग घरों में पहुंची और वहां पाए जा रहे मच्छरों के नमूने संग्रह किए। जिला बीबीडी कार्यालय बोकारो से पहुंचे बीबीडी सलाहकार डॉ. आशीष कुमार ने बताया कि संग्रहित नमूने हजारीबाग स्थित क्षेत्रीय मलेरिया कार्यालय भेजे जाएंगे। वहां कुमार, राजेश कुमार और देवराज कुमार शामिल रहे।

अधिक सक्रिय हैं और उसके आधार पर आगामी कार्य योजना तैयारी की जाएगी। मालूम हो कि इसी क्षेत्र में सितंबर माह में प्री-एनोफीलीज सर्वे भी किया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि मच्छरों की प्रजाति और घनत्व की सटीक जानकारी मिलने से मलेरिया, फाइलेरिया एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम अधिक प्रभावी तरीके से की जा सकती है। अभियान में एमटीएस शैलेश ठाकुर, एम्पीडब्ल्यू अविनाश रंजन, मिहिर रजवार, सहिया सुलेखा देवी, संगीता देवी तथा हजारीबाग से पहुंचे टीम सदस्य प्रभु राम, सुरेश कुमार यादव, इरशाद हुसैन, उमेश कुमार, राजेश कुमार और देवराज कुमार शामिल रहे।

इलिवसर इंग्लिश स्कूल का ओरमो में भूमिपूजन, 2026-27 सत्र से शुरू होगी पढ़ाई

कसमार/कसमार प्रखंड के ओरमो पंचायत में गुरुवार को इलिवसर इंग्रिश स्कूल के निर्माण कार्य की विधिवत शुरुआत भूमि पूजन के साथ हुई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पंडित इंदजीत पांडेय द्वारा पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। इस दौरान विद्यालय के निदेशक डॉ अशोक कुमार देव, सचिव डॉ सुभमा कुमारी, पंचायत प्रतिनिधि और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद थे। भूमिपूजन के पश्चात उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए निदेशक डॉ अशोक कुमार देव ने बताया कि विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से नामांकन प्रारंभ किया जाएगा। पहले चरण में कक्षा 1 से कक्षा 7 तक पढ़ाई शुरू होगी, वहीं अगले ही वर्ष कक्षा 12 तक शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य ग्रामीण विद्यार्थियों को ऐसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, जिससे वे ऊंचे संस्थानों में प्रवेश लेकर बेहतर करियर बना सकें। नए विद्यालय की स्थापना से ओरमो एवं आसपास के गांवों में उसाह का वातावरण बन गया है। स्थानीय लोगों का मानना है कि उच्च स्तरीय शिक्षा की सुविधा उपलब्ध होने से बच्चों को बेहतर भविष्य के अवसर मिलेंगे और दूर के शहरों पर निर्भरता कम होगी। कार्यक्रम में डॉ कुमार हिट्गुमी, पेटरवार स्थित पीएनबी शाखा प्रबंधक वीरेंद्र चौधरी, उपमुखिया लक्ष्मी देवी, पेंसस प्रतिनिधि मनोज करमाली, वार्ड सदस्य केलाश करमाली, विजय करमाली, दिलीप करमाली, संतोष कुमार, बोधन राम करमाली, उत्तम करमाली, संतोष करमाली, ओमकाश करमाली, भागीरथ करमाली, विशेश्वर करमाली, प्रीति कुमारी, रिशु सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

डोमचांव: पीएम आवास (शहरी) 1.0 में सुस्ती पर बड़ी कार्रवाई, 280 लाभुकों को नोटिस जारी

नव प्रदेश संवाददाता/डोमचांव। नगर पंचायत डोमचांव क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 के अंतर्गत अब तक आवास निर्माण पूरा नहीं करने वाले 280 लाभुकों पर विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए नोटिस जारी किया है। जानकारी देते हुए नगर पंचायत डोमचांव के प्रशासक शशु प्रसाद कुशवाहा ने बताया कि पीएम आवास योजना (शहरी) 2.0 शीघ्र प्रारंभ होने वाली है, जिसके महेंतनर पुरानी योजना 1.0 को 31 दिसंबर 2025 को समाप्त करने की घोषणा कर दी गई है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि योजना की अंतिम तिथि से पहले सभी लाभार्थियों के लिए अपना आवास निर्माण इर हाल में पूरा करना अनिवार्य है। यदि कोई लाभुक समय सीमा के भीतर निर्माण पूरा नहीं करता है, तो शेष कार्य उसे अपने निर्जी कोष से पूरा करना होगा। साथ ही, ऐसे मामलों में विभागीय नियमों के तहत विधिक एवं दंडात्मक कार्रवाई भी की जा सकती है। प्रशासक शंभु प्रसाद कुशवाहा ने बताया कि बार . बार निर्देश देने के बावजूद कई लाभुकों ने निर्माण कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं की है। इसी कारण 280 लाभार्थियों को नोटिस जारी कर अंतिम चेतावनी दी गई है। उन्होंने सभी लंबित आवेदधारकों से समय रहते निर्माण पूरा करने की अपील की है, ताकि भविष्य में किसी तरह की कार्रवाई से बचा जा सके।

पैसों की हुई बबार्दी

चौंकाने वाली है: न पुलिस, न पदाधिकारी: ग्रामीणों के अनुसार, इस बीट पोस्ट पर न तो कोई सिपाही बैठता है और न ही थाना का कोई पदाधिकारी आता है। यह हमेशा खाली रहता है। फायदा शून्य: जब पोस्ट पर पुलिसकर्मी मौजूद ही नहीं हैं, तो दुर्घटना या अपराध की स्थिति में ग्रामीणों को कोई त्वरित सहायता नहीं मिल पाती है। इस कारण, क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही आपराधिक वारदातों (चोरी, मारपीट) को रोकने में यह पोस्ट कोई भूमिका नहीं निभा रहा है। सरकारी संपत्ति की बबार्दी: एक महत्वपूर्ण स्थान पर सरकारी पैसे से बना भवन, जिसका उपयोग जनसुरक्षा के लिए होना

था, अब निष्क्रिय पड़ा है। यह सीधे-सीधे सरकारी संसाधनों की बबार्दी है। जनता का सीधा आरोप है कि बीट पोस्ट का निष्क्रिय रहना न सिर्फ जनता के बीच पुलिस की छवि को खराब करता है, बल्कि अपराधियों को यह स्पष्ट संकेत भी देता है कि पुलिस की उपस्थिति सिर्फ कागजों तक सीमित है ' वहीं ग्रामीणों ने बताया कि जब इस पोस्ट को बनाया गया था, तो हमें लगा कि अब सुरक्षा बेहतर होगी। लेकिन यहाँ कोई आता ही नहीं है। यह सिर्फ एक खाली कमरा है। उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा, कि अगर इसका उपयोग नहीं करना था, तो इसे बनाने की क्या जरूरत थी।



हंसगुल्ले



श्यामू: डाक्टर अंकल, मैं आजकल अपने आप से बातें करता हूँ।
डाक्टर: कभी-कभी ऐसा हो जाता है, पर इससे दिक्कत क्या है ?
श्यामू: दिक्कत तो कोई ख़ास नहीं, पर कभी-कभी मैं खुद को इतना ज्यादा बोर कर देता हूँ कि सिर दर्द हो जाता है।

अध्यापक: हेमंत, आज जब मैं कक्षा में पढ़ा रहा था तो मुझे लगा कि तुम किसी के साथ बातें कर रहे हो।

छात्र: सर, आपसे गलती हुई है। मैं नींद में कभी नहीं बोलता।

बेटा (अपने दुकानदार पिता से): बापू, मुझे हिसाब में 100 में से 80 नंबर मिले।

दुकानदार:(नाराज होते हुए): नालायक, हम तो 100 से 150 बनाते हैं और तूने 20 रुपए का घाटा करवा दिया।

अध्यापक (छात्र से): बेटा, मेरा चश्मा लाकर दो, ताकि मैं तुम्हें यह सवाल बता सकूँ।

छात्र: लेकिन वह तो मैंने एक अंधे को दे दिया।

अध्यापक (गुस्से से): क्यों ?

छात्र: गुरुजी, कल आपने ही तो कहा था कि अंधों पर दया किया करो।

पिता जी (पुत्र से): डरो मत बेटे, चिंता की कोई बात नहीं। डॉक्टर ने कहा है कि तुम जल्दी अच्छे हो जाओगे।

बेटा: वो तो ठीक है पिताजी, पर मैं जिस ट्रक से टकराया था, उस पर लिखा था, फिर मिलेंगे।

राजू (मां से): मम्मी, मम्मी...

मां: हां, बोलो बेटे।

राजू: पापा को सड़क पार करने में डर लगता है क्या ?

मां: नहीं बेटा।

राजू: तो फिर सड़क पार करते समय मेरा हाथ क्यों पकड़ लेते हैं।

गोलू (पुलिस से): आप लोग अकसर कुत्ता लेकर क्यों घूमते हैं ?

पुलिस वाला : क्योंकि कुत्ता चोर को पकड़ता है।

गोलू(आश्चर्य से): तो फिर आप क्या करते हैं ?

पुलिस वाला: अरे भाई, कुत्ते को तो हम ही पकड़े रहते हैं न।

कौआ और लकड़हारा

एक बार की बात है कि एक गांव में एक गरीब लकड़हारा रहता था, वह प्रतिदिन जंगल से लकड़ी काट कर लाता और उन्हें बेचकर अपना और अपने परिवार का पेट पालता था। लकड़हारा बहुत गरीब लेकिन

ईमानदार, दयालु और अच्छे चरित्र वाला आदमी था। वह हमेशा दूसरों के काम आता और बेजबान जानवरों और पक्षियों आदि का भी ज्वाल रखता था।

एक दिन जंगल में लकड़ी इकट्ठा करने के बाद वह काफी थक गया और एक छाया दार पेड़ के नीचे

कहानी



सुस्ताने के लिए लेट गया, लेकिन जैसे ही उसकी नजर ऊपर पड़ी उसके रोंगटे खड़े हो गए। उसने क्या देखा कि एक सांप पेड़ पर बने हुए घोंसले की ओर बढ़ रहा था, इस घोंसले में कौवे के बच्चे थे जो सांप के डर से चीं-चीं कर रहे थे। बच्चों के मां बाप दोनों दाना चुगने कहीं दूर गए थे। दयालु लकड़हारा अपनी थकान भूल कर फौरन उठ बैठा और कौवे के बच्चों को सांप से बचाने के लिए पेड़ पर चढ़ने लगा। सांप ने खतरा भांप लिया और घोंसले से दूर भागने लगा। उसी बीच कौवे भी लौट आए, लकड़हारे को पेड़ पर चढ़ा देखा तो वह समझे कि जरूर उसने बच्चों को मार दिया होगा। वह गुस्से में काओं...काओं... चिल्लाने लगे और लकड़हारे को चोंच मार-मार कर अधमरा कर दिया। बेचारा लकड़हारा किसी तरह जान बचाकर नीचे उतरा और चैन की सांस ली। लेकिन जब कव्वे अपने घोंसले में गए तो बच्चे वहां दुबके हुए बैठे थे, बच्चों ने मां बाप को सारी बात बता दी और तभी उन्होंने देखा कि सांप भी पेड़ से उतर कर भाग रहा है। अब कौवे को अपनी गलती का एहसास हुआ। वह बहुत शर्मिंदा हुए। कौवे लकड़हारे का शुक्रिया अदा करना चाहते थे, कव्वे ने घोंसले में रखा वास्तविक मोती का कीमती हार जो उन्हें कुछ ही दिन



लगे। इस तरह कव्वे अपने हथियार बच्चों की जान बचाने पर दयालु लकड़हारे को धन्यवाद कर रहे हैं, गरीब लकड़हारा भी कीमती हार पाकर बहुत खुश हुआ और उसने मन ही मन में अल्लाह का शुक्रिया अदा किया। जब लकड़हारा

लकड़हारे को पेड़ पर चढ़ा देखा तो वह समझे कि जरूर उसने बच्चों को मार दिया होगा। वह गुस्से में काओं काओं चिल्लाने लगे और लकड़हारे को चोंच मार-मार कर अधमरा कर दिया बेचारा लकड़हारा किसी तरह जान बचाकर नीचे उतरा और चैन की सांस ली....

लकड़ियों का गड्ढा सिर पर उठा कर अपने गांव की ओर चला तो कव्वे भी उसके ऊपर काओं काओं करते उड़ रहे थे, लेकिन अब चोंच मारने के लिए नहीं बल्कि दूर कर अलविदा करने के लिए।

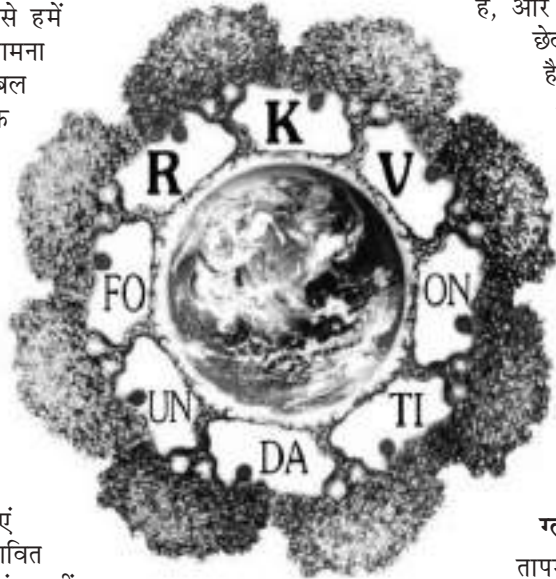
ग्लोबल वार्मिंग को समझें!!!!

गर्मियां बढ़ने लगी हैं। गर्मी से बचने के लिए लोग एसी, फ्रिज कूलर आदि कूलिंग मशीनों का प्रयोग करते हैं। इससे उन्हें गर्मी से तो राहत मिल जाती है लेकिन इन कूलिंग मशीनों से निकलने वाली गैसों से वातावरण पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इन गैसों को क्लोरोफ्लोरो कार्बन गैसों कहते हैं। इन गैसों के दुष्प्रभाव से हमें ग्लोबल वार्मिंग का सामना करना पड़ रहा है। ग्लोबल वार्मिंग का मतलब है कि पृथ्वी लगातार गर्म होती जा रही है। तो वैश्विक तापमान में वृद्धि हो रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर इस पर रोक न लगाई गई, पृथ्वी पर जीवन संकट में पड़ सकता है। तापमान के बढ़ने से आने वाले दिनों में सूखा बढ़ेगा, बाढ़ की घटनाएं बढ़ेंगी और मौसम प्रभावित होगा। ठंड के दिनों में ठंड नहीं पड़ेगी और गर्मी के दिन लम्बे हो जाएंगे।

क्या होगा असर

ग्लोबल वार्मिंग का असर दिखने भी लगा है। तापमान के बढ़ने से

ग्लेशियर पिघल रहे हैं और रेगिस्तान बढ़ते जा रहे हैं। कहीं असामान्य बारिश हो रही है, तो कहीं असमय ओले पड़ रहे हैं। जाहिर सी बात है गर्मियां ज्यादा होंगी, तो मच्छर ज्यादा होंगे और बीमारियों के बढ़ने के आसार होंगे। ग्लेशियरों के लगातार पिघलने के



पानी के पानी के स्रोत में कमी होगी। वैज्ञानिकों की मानें तो इस परिवर्तन के पीछे ग्रीन हाउस गैसों की मुख्य भूमिका है, जिन्हें

सीएफसी या क्लोरो फ्लोरो कार्बन गैसों भी कहते हैं। इनमें कार्बन डाई ऑक्साइड है, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड गैसों आती हैं।

कैसे काम करती हैं

ग्रीन हाउस गैसों

उद्योगों के विस्तार से ग्रीन हाउस गैसों वातावरण में बढ़ती जा रही हैं, और इससे ओजोन परत में छेद का दायरा भी बढ़ रहा है। ओजोन की परत सूरज और पृथ्वी के बीच एक कवच की तरह है। ओजोन परत ऐसा कवच है, जिससे सूरज की अल्ट्रा वायलेट किरणें हम तक नहीं पहुंच पातीं। जिस वजह से हम तमाम तरह के त्वचा रोगों से बचे रहते हैं।

क्या कारण है

ग्लोबल वार्मिंग का

तापमान में आए दिन जो बढ़ोत्तरी सुनने को मिल रही है। इसके पीछे तेजी से उद्योगों का बढ़ना भी एक कारण है। हमने अपने आवास के लिए जिस तरह से जंगलों को तेजी से काटा है,

तापमान बढ़ने लगा है। ऐसे में लोग एसी और फ्रिज की मदद से अपने आपको चिल रखने की जुगत में लग गए हैं। लेकिन एसी और फ्रिज से हमारे वातावरण को काफी नुकसान हो रहा है। इन कूलिंग उपकरणों से क्लोरोफ्लोरो कार्बन गैसों उत्सर्जित होती हैं, जिससे ग्लोबल वार्मिंग की समस्या हो रही है। जानें कैसे ?

वह भी नुकसान पहुंचा रहा है। पेट्रोलियम पदार्थों के धुंए से होने वाला प्रदूषण इन्हीं कारणों में शामिल है। हम एसी और फ्रिज से अपने को ठंडा तो रख लेते हैं। लेकिन क्लोरोफ्लोरो कार्बन गैसों से उत्सर्जित होती हैं। इसलिए इनका प्रयोग जरूरत के हिसाब से करना होगा, ताकि गैसों का उत्सर्जन कम से कम हो।

क्या होगा असर

वैज्ञानिकों के अनुसार इस समय दुनिया का औसत तापमान 15 डिग्री सेंटीग्रेड है और आने वाले दिनों में इसमें और भी वृद्धि हो सकती है। जब तापमान के बढ़ने से ग्लेशियर पिघलेंगे तो समुद्र का जल स्तर बढ़ेगा। और समुद्री इलाकों के आस-पास रहने वालों को परेशानी होगी। सूनामी जैसी

आपदाओं के आने पर ज्यादा जानमाल का नुकसान होगा।

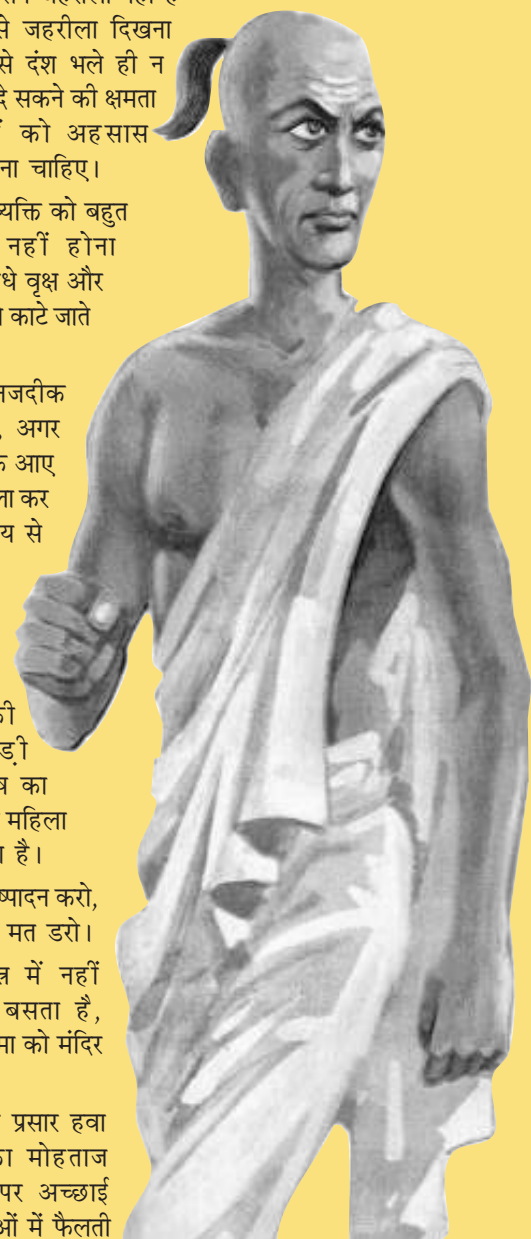
ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के उपाय

ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए फ्रिज, एसी का प्रयोग कम से कम करना होगा। क्योंकि मुख्य रूप से सीएफसी यानी क्लोरोफ्लोरो कार्बन गैसों का उत्सर्जन इन्हीं से होता है। औद्योगिक चिमनियों से निकले वाले धुंए में कार्बन-डाई-ऑक्साइड होती है, जो गर्मी बढ़ाती है। इनमें प्रदूषण रोकने के उपाय करने होंगे। सीएनजी चालित वाहनों के प्रयोग को बढ़ावा देना होगा। इंडस्ट्री से निकलने वाले कचरे को फिर से रिसाइकल करने की कोशिश करनी होगी। जंगलों की कटाई पर रोक लगानी होगी। ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने होंगे। तब जाकर थमगी ग्लोबल वार्मिंग।

चाणक्य के 10 अमर वाक्य

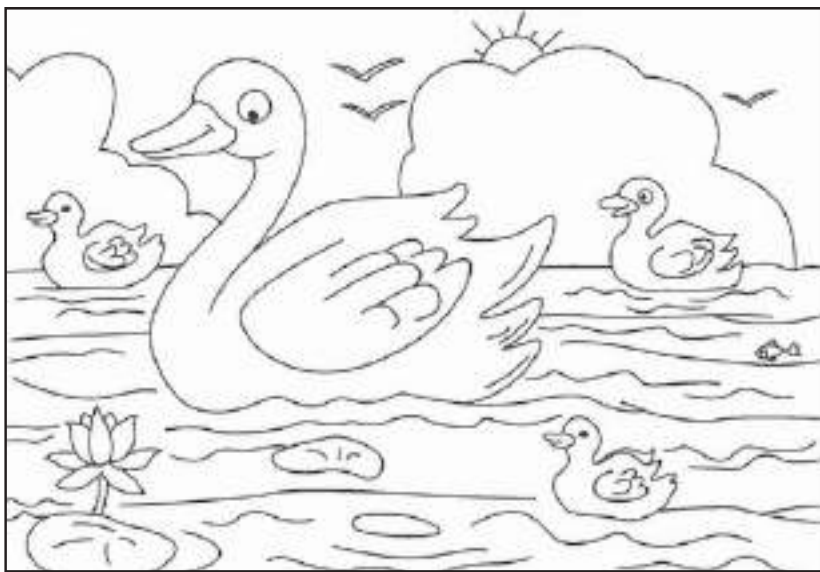
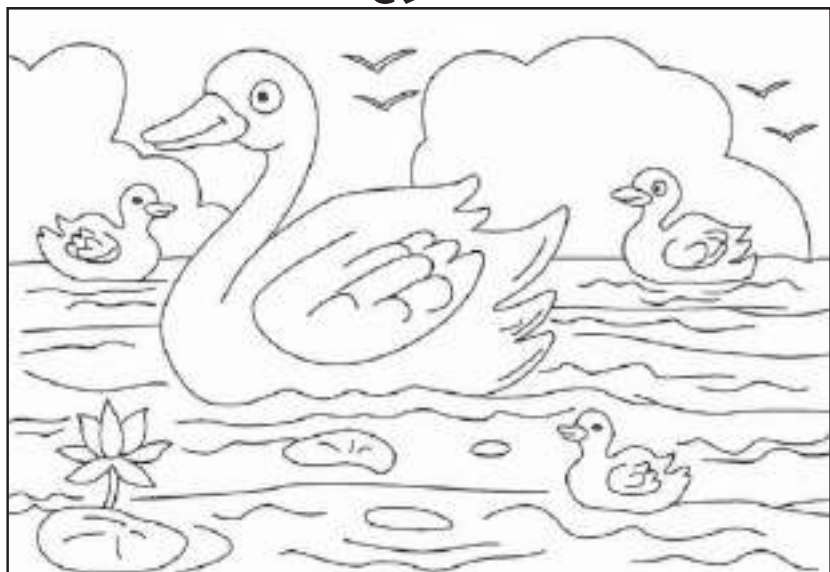
दोस्तों क्या तुम जानते हो कि दुनिया का सबसे महान अर्थशास्त्री कौन है। जी हां वह हैं हिंदुस्तान के गौरव आचार्य चाणक्य। आचार्य चाणक्य की ही नीतियां आज भी बड़े-बड़े अर्थशास्त्री उपयोग करते हैं। उनके इतिहास पर भारत को गर्व है। चाणक्य एक महान शिक्षक, प्रखर राजनीतिज्ञ एवं अर्थशास्त्रकार थे। आपके लिए प्रस्तुत हैं आचार्य चाणक्य के पंद्रह अमर वाक्य।

- हर मितता के पीछे कोई स्वार्थ ज़रूर होता है, यह कड़वा सच है।
- दूसरों की गलतियों से सीखो, अपने ही ऊपर प्रयोग करके सीखने को तुम्हारी आयु कम पड़ेगी।
- व्यक्ति अपने आचरण से महान होता है जन्म से नहीं।
- अगर कोई सर्प जहरीला नहीं है तब भी उसे जहरीला दिखना चाहिए। वैसे दंश भले ही न दो पर दंश दे सकने की क्षमता का दूसरों को अहसास करवाते रहना चाहिए।
- किसी भी व्यक्ति को बहुत ईमानदार नहीं होना चाहिए। सीधे वृक्ष और व्यक्ति पहले काटे जाते हैं।
- भय को नजदीक न आने दो, अगर यह नजदीक आए इस पर हमला कर दो यानी भय से भागो मत इसका सामना करो।
- दुनिया की सबसे बड़ी ताकत पुरुष का विवेक और महिला की सुन्दरता है।
- काम का निष्पादन करो, परिणाम से मत डरो।
- ईश्वर चित्र में नहीं चरित्र में बसता है, अपनी आत्मा को मंदिर बनाओ।
- सुगंध का प्रसार हवा के रख का मोहताज होता है, पर अच्छाई सभी दिशाओं में फैलती है।



अंतर ढूंढो

दोनों चित्रों में आपको दस अंतर ढूढ़कर बताने हैं।



मुनीर का क्या होगा?

पाकिस्तान के तनाव, संकट और विस्फोटक हमलों के सिलसिले अभी थमे नहीं हैं। फिलहाल यह अच्छी खबर सामने आई है कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जिंदा हैं। उनसे 20 मिनट की मुलाकात के बाद बहिन डॉ. उज्मा खानुम ने पुष्टि की कि उनकी सेहत ठीक लगती है, लेकिन उन्हें मानसिक प्रताड़ना दी जा रही है। उन्हें लगभग पूरा दिन जेल के सेल में बंद, अकेले रखा जाता है। किसी से कोई बातचीत नहीं, लिहाजा इमरान बहुत गुस्से में हैं। इन हालात के लिए उन्होंने आसिम मुनीर को दोषी करार दिया है। बहरहाल पाकिस्तान की सियासी, फौजी, हुकूमती पटकथा यहीं समाप्त नहीं होती, बल्कि यहां से नया मोड़ लेती है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ही संसद में 27वां संविधान संशोधन पारित कराया था और फील्ड मार्शल मुनीर के लिए ह्यचीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस (सीडीएफ) का नया पद सृजित किया था। मुनीर को पाकिस्तान का ह्यनया तानाशाह बनाने की प्रक्रिया थी, क्योंकि संविधान संशोधन के बाद उन्हें राष्ट्रपति से भी ताकतवर बनाया जाना था। उन्हें सेनाओं का ह्यनया सुप्रीम कमांडर भी बनाया जाना था। उनके खिलाफ कोई अदालती, कानूनी केस दायर नहीं किया जा सकता, ऐसी छूट भी उन्हें दी जानी थी, लेकिन मुनीर प्रश-त्सनिक तौर पर ह्यतानाशाहह्ण एक सरकारी अधिसूचना जारी होने के बाद ही बन पाते। प्रधानमंत्री शहबाज और उनके बड़े भाई, पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने खेला कार दिया। मुनीर यह खेला समझ नहीं पाए अथवा इससे बड़ा खेला उन्होंने सोच रखा है! मुनीर सेना प्रमुख के पद से 29 नवंबर को रिटायर हो गए और सीडीएफ की अधिसूचना जारी नहीं हुई, क्योंकि प्रधानमंत्री शहबाज बहरीन, यमन के प्रवास के बाद लंदन चले गए। वहां तीन दिन रहे। कहा जाता है कि वहां उन्होंने अपने मेडिकल टेस्ट कराए। पाकिस्तान लौटे, तो लाहौर में उतरे और बड़े भाई नवाज के साथ गुप्तगू की। उसी दौरान मुनीर को लेकर रणनीति तय की गई, क्योंकि ह्यतानाशाहह्ण बनाने की आलोचना दुनिया भर में हो रही है। यह मामला संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के स्तर पर उठाया गया। रूस और चीन ने भी आगाह किया, क्योंकि वे किसी भी कीमत पर अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत को हटा कर अमरीका का दोबारा हस्तक्षेप नहीं चाहते। चूंकि मुनीर विधिवत रूप से रिटायर हो गए और नई नियुक्ति तय नहीं हुई, लिहाजा संवैधानिक और सरकारी तौर पर मुनीर आज किसी भी पद पर नहीं हैं। प्रधानमंत्री शहबाज इस्लामाबाद भी लौट आए, लेकिन मंगलवार रात्रि तक उन्होंने सीडीएफ की फाइल पर दस्तखत नहीं किए थे, लिहाजा अधिसूचना भी जारी नहीं की जा सकी। प्रधानमंत्री ने मुनीर से मुलाकात भी नहीं की। क्या इसके मायने साफ हैं कि मुनीर के ह्यतानाशाहह्ण बनने के मंसूबे अधर में ही लटक कर रह गए हैं? पाकिस्तान के अनुभवौ पत्रकारों और हुकूमत के अंदरूनी जानकारों के दावे हैं कि अब नवाज श-रीफ प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं।

उपचुनावों में उनकी पार्टी ने छह में से 5 सीटें जीत ली हैं। नवाज ने मुनीर की नई नियुक्ति के लिए शर्त रखी है कि इमरान खान को खत्म किया जाए अथवा देशनिकाला देकर विदेश जाने को बाध्य किया जाए, ताकि उनके प्रधानमंत्री बनने का रास्ता निष्कंटक हो सके। मुनीर का कहना है कि यह इतना आसान नहीं है। इमरान को तोड़ना लगभग असंभव है। हालांकि उसके खिलाफ कई और मामले ऐसे हैं, जिनमें लंबी सजा हो सकती है। इमरान के समर्थन में पाकिस्तान की अवाम का सैलाब किस कदर सडकों पर है, यह शरीफ भाई और मुनीर दोनों ही पक्ष देख रहे हैं। ऐसे में इमरान का बाल भी बांका किया गया, तो पाकिस्तान में आग और हिंसा के बेकाबू हालात होंगे। गृहयुद्ध के आसार बने ही हुए हैं।

नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक-वर्नर हाइजेनबर्ग

संजय गोस्वामी

वैज्ञानिक वर्नर हाइजेनबर्ग का जन्म 5 दिसंबर, 1901 को वुर्जबर्ग में हुआ था। वे डॉ. ऑगस्ट हा-इजेनबर्ग के बेटे थे। उनके पिता बाद में म्यूनिख यूनिवर्सिटी में मिडिल और मॉडर्न ग्रीक भाषाओं के प्रोफेसर बने। उनका एक शौक क्लासिकल म्यूजिक व एक जाने-माने पियानिस्ट थे। 1937 में हाइजेनबर्ग ने एंलिजाबेथ शूमाकर से शादी की। उनके सात बच्चे थे, और वे म्यूनिख में रहते थे। शायद उनके असर की वजह से ही हाइजेनबर्ग ने कहा था, जब जापानी फिजिसिस्ट युकावा ने उस पार्टिकल की खोज की जिसे अब मेसॉन के नाम से जाना जाता है और उ-के लिए ह्मेसोट्रॉनह शब्द सुझाया गया था, कि ग्रीक शब्द ह्मेसोसह्न में ह्र३१ह नहीं है, जिसके नतीजे में ह्मेसोट्रॉनह नाम बदलकर ह्मेसनह हो गया। वर्नर कार्ल हाइजेनबर्ग एक जर्मन थ्योरेटिकल फिजिसिस्ट थे, जो क्वांटम मैकेनिक्स की थ्योरी के मुख्य पायनियर में से एक थे और दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जर्मन न्यूक्लियर प्रोग्राम के एक मुख्य साइंटिस्ट थे। हा-इजेनबर्ग ने 1925 में अपना प्रसिद्ध उमदेउतुंग (वोइ३३ल्लें) पत्र प्रकाशित किया, जिसने क्वांटम यांत्रिकी के मैट्रिक्स फॉर्मूलेशन की नींव रखी। यह पत्र पुराने क्वांटम सिद्धांत की एक प्रमुख पुनर्व्याख्या थी। हाइजेनबर्ग 1920 तक म्यूनिख के मैक्सप्लियन स्कूल में गए, फिर वे सोमरफेल्ड, विएन, ग्रिंमहाइम और रोसेंथल से फिजिक्स पढ़ने के लिए म्यूनिख यूनिवर्सिटी गए। 1922-1923 की सर्दियों में वे मैक्स बॉर्न, फ्रैंक और हिल्बर्ट से फिजिक्स पढ़ने के लिए गोटिंगेन गए। 1923 में उन्होंने म्यूनिख यूनिवर्सिटी से ढ़.ऊ की ओर फिर गोटिंगेन यूनिवर्सिटी में मैक्स बॉर्न के असिस्टेंट बन गए, और 1924 में उन्होंने उसी यूनिवर्सिटी से वेनिया लेजेंडी की डिग्री हासिल की। 1924 से 1925 तक उन्होंने रॉकफेलर ग्रांट के साथ, नील्स बोहर के साथ कोपेनहेगन यूनिवर्सिटी में काम किया, और 1925 की गर्मियों में गोटिंगेन लौट आए। 1926 में उन्हें नील्स बोहर के अंडर कोपेनहेगन यूनिवर्सिटी में थ्योरेटिकल फिजिक्स का लेक्चरर अपॉइंट किया गया और 1927 में, जब वे सिर्फ 26 साल के थे, उन्हें लीपजिग यूनिवर्सिटी में थ्योरेटिकल फिजिक्स का प्रोफेसर अपॉइंट किया गया। 1929 में

वे यूनाइटेड स्टेट्स, जापान और इंडिया के लेक्चर टूर पर गए। हाइजेनबर्ग को क्वांटम मैकेनिक्स में हा-इजेनबर्ग अनसर्टेनिटी प्रिंसिपल बनाने के लिए सबसे ज्यादा जाना जाता है, जो कहता है कि कोई भी एक ही समय में सबएंटॉमिक पार्टिकल की पोजिशन और मोमेंटम दोनों को ठीक से नहीं जान सकता है। उन्होंने 1925 में मैट्रिक्स का इस्तेमाल करके क्वांटम मैकेनिक्स का एक वर्शन भी बनाया, जिसके लिए उन्हें 1932 में फिजिक्स का नोबेल प्राइज मिला। इसके अलावा, उन्होंने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी के न्यूक्लियर रिसर्च को लीड करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अनसर्टेनिटी प्रिंसिपल: यह प्रिंसिपल एक बुनियादी लिमिट तय करता है कि फि -जिकल प्रॉपटीज के कुछ जोड़े, जैसे पोजिशन और मोमेंटम, एक साथ कितनी सटीकता से जाने जा सकते हैं। अनिश्चितता का सिद्धांत क्वांटम मैकेनिक्स में एक बुनियादी कॉन्सेप्ट है जो बताता है कि एक पार्टिकल की पोजिशन और मोमेंटम जैसी कुछ कॉम्प्लिमेंट्री फिजिकल प्रॉपटीज के जोड़ों को एक साथ कितनी सटीकता से जाना जा सकता है, इसकी एक सीमा होती है। एक प्रॉपटी को जितना ज्यादा सटीक रूप से मापा जाता है, दूसरी प्रॉपटी उतनी ही कम सटीक रूप से जानी जा सकती है; उदाहरण के लिए, किसी पार्टिकल की पोजिशन का सटीक माप उसके मोमेंटम में ज्यादा अनिश्चितता लाता है। यह सिद्धांत मैटर की वेव-पार्टिकल डुअलिटी के कारण है और एक को जितना ज्यादा सटीक रूप से मापा जाएगा, दूसरा उतना ही कम सटीक हो सकता है। क्वांटम मैकेनिक्स: हा-इजेनबर्ग क्वांटम मैकेनिक्स के क्षेत्र में एक पायनियर थे, जिन्होंने 1925 में मैट्रिक्स का इस्तेमाल करके इसका एक मुख्य फॉर्मूलेशन डेवलप किया। उनके काम ने मॉडर्न फिजिक्स की ज्यादातर नींव रखी। नोबेल प्राइज: क्वांटम मैकेनिक्स में उनके योगदान के लिए उन्हें 1932 में फिजिक्स का नोबेल प्राइज दिया गया था। दूसरे विश्व युद्ध की रिसर्च: उन्होंने बर्लिन में कैसर विल्हेम इंस्टीट्यूट फॉर फिजिक्स को लीड किया, जो दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी के न्यूक्लियर रिसर्च प्रोग्राम में शामिल था। उन्होंने जानबूझकर एंटॉमिक बम प्रोजेक्ट को किस हद तक धोमा किया, यह ऐतिहासिक बहस का विषय है। 1941 में उन्हें बर्लिन यूनिवर्सिटी में फिजिक्स का

प्रोफेसर और वहाँ कैसर विल्हेम इंस्टीट्यूट फॉर फिजिक्स का डायरेक्टर अपॉइंट किया गया। दूसरे विश्व युद्ध के आखिर में उन्हें और दूसरे जर्मन फि-जिसिस्ट को अमेरिकी सैनिकों ने कैदी बनाकर इंग्लैंड भेज दिया, लेकिन 1946 में वे जर्मनी लौट आए और अपने साथियों के साथ मिलकर गॉटिंगेन में इंस्टिट्यूट फॉर फिजिक्स को फिर से बनाया। 1948 में इस इंस्टिट्यूट का नाम बदलकर मैक्स प्लैंक इंस्टिट्यूट फॉर फिजिक्स कर दिया गया। 1948 में हाइजेनबर्ग फॉर फिजिक्स के लिए इंग्लैंड के कैम्ब्रिज में लेक्चर देने के लिए रुके, और 1950 और 1954 में उन्हें यूना-इटेड स्टेट्स में लेक्चर देने के लिए बुलाया गया। 1955-1956 की सर्दियों में उन्होंने स्कॉटलैंड की सेंट एंड्रयूज यूनिवर्सिटी में गिफोर्ड लेक्चर दिए, ये लेक्चर बाद में एक किताब के तौर पर पब्लिश हुए। 1955 के दौरान हाइजेनबर्ग मैक्स प्लैंक इंस्टिट्यूट फॉर फिजिक्स को म्यूनिख ले जाने की तैयारियों में बिजी थे। इस इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर रहते हुए, वे इसके साथ म्यूनिख चले गए और 1958 में उन्हें म्यूनिख यूनिवर्सिटी में फिजिक्स का प्रोफेसर अपॉइंट किया गया। तब उनके इंस्टीट्यूट का नाम बदलकर मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर फिजिक्स एंड एस्ट्रोफिजिक्स कर दिया गया था। उनकी नई थ्योरी सिर्फ उसी पर आधारित थी जिसे देखा जा सकता है, यानी एटम से निकलने वाले रेडिएशन पर। उन्होंने कहा, हम हमेशा किसी इलेक्ट्रॉन को किसी खास समय पर स्पेस में कोई पोजीशन नहीं दे सकते, न ही उसके ऑर्बिट में उसका पंछा कर सकते थे, इसलिए हम यह नहीं मान सकते कि नील्स बोहर द्वारा बताए गए ग्रहों के ऑर्बिट असल में मौजूद थे। मैकेनिकल क्वांटिटी, जैसे पोजीशन, वेलोसिटी, वगैरह को आम नंबरों से नहीं, बल्कि ह्मेट्रिसेसह नाम के एब्स्ट्रेक्ट मैथमेटिकल स्ट्रक्चर से दिखाया जाना चाहिए और उन्होंने अपनी नई थ्योरी मैट्रिक्स इक्वेशन के हिसाब से बनाई। बाद में हाइजेनबर्ग ने अपना मशहूर अनिश्चितता का सिद्धांत बताया, जो यह बताता है कि एक मोबाइल पार्टिकल की पोजीशन और मोमेंटम तय करने में जरूरी तौर पर गलतियाँ होतीं थे, जिनका प्रोडक्ट क्वांटम कॉन्स्टेंट से कम नहीं हो सकता और, हालाँकि ये गलतियाँ इंंसानी पैमाने पर बहुत कम थे, लेकिन एटम की स्ट-डी में इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। 1957

के बाद से हाइजेनबर्ग प्लाज़ा फिजिक्स और थर्मोन््यूक्लियर प्रोसेस की समस्याओं पर काम करने में दिलचस्पी रखते थे, और जिनेवा में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ एटॉमिक फिजिक्स के साथ मिलकर भी बहुत काम किया। वह कई सालों तक इस इंस्ट-िट्यूट की साइंटिफिक पॉलिसी कमेटी के चेयरमैन रहे और बाद में भी इस कमेटी के सदस्य बने रहे। जब वह 1953 में अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फाउंडेशन के प्रेसिडेंट बने, तो उन्होंने इस फाउंडेशन की पॉलिसी को और बढ़ाने के लिए बहुत कुछ किया, जो दूसरे देशों के साइंटिस्ट को जर्मनी बुलाना और उन्हें वहाँ काम करने में मदद करना था। 1953 से उनका अपना थ्योरेटिकल काम एलिमेंट्री पार्टिकल्स की यूनिफाइड फील्ड थ्योरी पर केंद्रित था, जो उन्हें एलिमेंट्री पार्टिकल्स की फिजिक्स को समझने की कुंजी लगती है।

कई मेडल और प्राइज के अलावा, हाइजेनबर्ग को यूनिवर्सिटी ऑफ बुम्सेल्स, टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी कार्ल्स्रूए और हाल ही में (1964) यूनिवर्सिटी ऑफ बुडापेस्ट से डॉक्टरेट की ऑनरेरी डिग्री मिली; उन्हें ऑर्डर ऑफ मेरिट ऑफ बवेरिया और ग्रैंड क्रॉस फॉर फेडरल सर्विसेज विद स्टार (जर्मनी) भी मिला है। वह रॉयल सोसाइटी ऑफ लंदन के फेलो और नाइट ऑफ द ऑर्डर ऑफ मेि-रट (पीस क्लास) थे। वह इसके मेंबर थे गोटिंगेन, बवेरिया, सैक्सनी, प्रशिया, स्वीडन, रोमानिया, नॉर्वे, स्पेन, नीदरलैंड्स, रोम (पॉटिफिकल), जर्मन एकेडमी डेर नेचुरफोर्सचन लियोपोल्डिना (हाले), एकेडेमिया देई लिंसेई (रोम), और अमेरिकन एकेडमी ऑफ साइंसेज की एकेडमीज ऑफ साइंसेज के। 1949-1951 के दौरान वह ड्यूश फोर्सचुंसराट (जर्मन रिसर्च काउंसिल) के प्रेसिडेंट थे और 1953 में वह अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फाउंडेशन के प्रेिडेंट बने। वर्नर हाइजेनबर्ग की मौत 1 फरवरी, 19७१ को हुई थी। हाइजनबर्ग का नाम हमेशा उनकी क्वांटम मैकेनिक्स की थ्योरी से जुड़ा रहेगा, जो 1925 में पब्लिश हुई थी, जब वे सिर्फ 23 साल के थे। इस थ्योरी और इसके इस्तेमाल के लिए, जिससे खासकर हाइड्रोजन के एलेट्रोॉमिक रूपों की खोज हुई, हाइजनबर्ग को 1932 का फिजिक्स का नोबेल प्राइज दिया।

स्वयंसेवा वह सॉफ्टवेयर जो दुनिया को क्रैश होने से बचाता है

दिलीप कुमार पाठक

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा हर साल 5 दिसंबर को स्थापित अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस स्वयंसेवकों के महत्वपूर्ण, निस्वार्थ योगदान को स्वीकार करने और उसे बढ़ावा देने का एक वैश्विक अवसर है।

समाज में स्वयंसेवा की आवश्यकता और महत्व से हम सभी भली-भाँति परिचित हैं। जब कोरोना महामारी, विनाशकारी बाढ़, भूकंप जैसी भीषण आपदाएं आती हैं, तब सरकारी तंत्र के साथ-साथ स्वयंसेवक ही तत्काल राहत की बागडोर संभालते हैं। वे अग्रिम र्षक्ति में खड़े होकर समाज की सामूहिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हैं, क्योंकि कोई भी सरकार अकेले हर चुनौती का सामना प्रभावी ढंग से नहीं कर सकती। स्वयंसेवा केवल संकटकालीन प्रतिक्रिया तक ही सीमित नहीं है; यह सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करती है, हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाती है और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह नागरिकों में जिम्मेदारी की भावना जागृत करती है और मानवीय एकजुटता का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण है।

यह पहल स्वयंसेवा के माध्यम से समग्र मानवता की बेहतरी के लिए बदलाव लाने की सामूहिक क्षमता की एक याद दिलाती है। यह विशेष दिन उन अनगिनत

व्यक्तियों को सम्मानित करता है जो निस्वार्थ सेवा के लिए अपना बहुमूल्य समय समाज एवं मानवता के लिए समर्पित करते हैं। कई चुनौतियों और बाधाओं के बावजूद, वे अक्सर बिना किसी प्रचार या पहचान के अपना महत्वपूर्ण कार्य जारी रखते हैं। ये सभी स्वयंसेवक समाज के उत्थान के लिए अथक प्रयास करते हैं, और यह उल्लेखनीय है कि अधिकांश स्वयंसेवक अवैतनिक होते हैं, मतलब उन्हें इसके लिए कोई वेतन नहीं मिलता, बस समाज प्रेम का एक जज्बा होता है’

उनके कार्यों में विविधता शामिल है, जैसे जानवरों को बचाना, बुजुर्गों की सहायता करना, गरीबों की मदद करना और वॉचतों को शिक्षित करना। विश्व स्तर पर, एक अरब से भी अधिक लोग अपने समुदायों को बेहतर बनाने के लिए अपना समय, प्रतिभा और ज्ञान का योगदान देते हैं। स्वयंसेवक समाज के हर स्तर और क्षेत्र में मौजूद हैं – वे वॉचत बच्चों और वयस्कों को व्यावहारिक देखभाल प्रदान करने से लेकर जटिल तकनीकी और कानूनी मुद्दों पर विशेषज्ञ सलाह देने तक, हर तरह से मदद करते हैं। हर व्यक्ति अपने साथ कुछ अनूठा कौशल और अनुभव लेकर आता है, जिससे सामूहिक प्रयास और मजबूत होते हैं। संयुक्त राष्ट्र की

उप महासचिव ने इस विशेष दिन पर स्वयंसेवकों के अमूल्य योगदान के लिए उनका धन्यवाद किया और कहा कि वे विकास चुनौतियों और आम भलाई के लिए ठोस और व्यावहारिक समाधान लेकर आते हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा वैश्विक स्तर पर स्वयंसेवकों द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदानों को औपचारिक रूप से मान्यता देने वाली पहली संस्था थी। मानवीय प्रयासों और सतत आर्थिक व सामाजिक विकास में स्वयंसेवा की शक्ति को स्वीकार करते हुए, महासभा ने 17 दिसंबर 1985 को एक ऐतिहासिक प्रस्ताव 40/212 अपनाया। इस प्रस्ताव के परिणामस्वरूप, हर साल 5 दिसंबर को आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के रूप में नामित किया गया। यह दिवस स्वयंसेवकों से जुड़े संगठनों और व्यक्तिगत स्वयंसेवकों को स्वयंसेवा के महत्व को बढ़ा-वा देने, सरकारों को इन प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के स्वयंसेवकों के समर्पण को पहचानने का अवसर प्रदान करता है। सरकारों, नागरिक समाज संगठनों और संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक कार्यक्रम जैसे संस्थानों ने स्वयंसेवाी कार्य के महत्व के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस वैश्विक उत्सव का

उद्देश्य दुनिया भर के लाखों स्वयंसेवकों को श्रद्धांजलि देना है, जो गरीबी, असमानता और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अपना बहुमूल्य समय और प्रयास स्वेच्छ से समर्पित करते हैं। नतीजतन, आज दुनिया भर में एक अरब से अधिक लोग सक्रिय रूप से विभिन्न स्तरों (स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) पर स्वेच्छ से अपनी सेवाएँ दे रहे हैं, जिससे समुदायों में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

स्वयं सेवा से जुड़े लोगों का उद्देश्य बहुत विशाल है, जो बेहतर दुनिया के लिए संकल्पित है, जैसे गरीबी समाप्त करना, सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा स्थापित करना, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, महिलाओं को मतदान का अधिकार प्रदान करना, शिशु मृत्यु दर को कम करना, मातृ स्वास्थ्य को बेहतर बनाना, एचआ-ईवी/एड्स, मलेरिया, डेंगू और अन्य गंभीर बीमारियों के प्रसार को रोकना, साथ ही पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करना। हम सभी को उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार करना चाहिए और उन्हें उचित सम्मान मिलना चाहिए। उनका काम दूसरों को खुश करता है और हमें सुरक्षित रखता है। हम इस दिन इन सामाजिक चेतना सम्पन्न एवं समाज के लिए संकल्पित लोगों का सम्मान करते हैं।

दमघोंटू हवा पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती- अब नियमित सुनवाई से जुड़ेगी दिल्ली की सांसों की लड़ाई

कातिलाल मांडोत

दिल्ली एनसीआर की हवा इन दिनों सिर्फ प्रदूषित नहीं, बल्कि जीवन पर सीधा आक्रमण करती हुई महसूस हो रही है। ऐसे विषाक्त माहौल में आखिरकार सुप्रीम कोर्ट ने कठोर रुख अपनाया है। अदालत ने यह साफ कर दिया कि प्रदूषण को लेकर औपचारिक लिस्टिंग या प्रतीकात्मक सुनवाई से काम नहीं चलने वाला। अब इस मामले में नियमित और लगातार सुनवाई होगी, ताकि समस्या की तह तक जाकर समाधान के रास्ते खोजे जा सकें। मगर अदालत का यह सख्त स्वर भी इस

कड़वे सच को खारिज नहीं करता कि प्रदूषण किसी एक आदेश से खत्म होने वाला संकट नहीं है। जैसा कि सीजेआई ने कहा-कोई आदेश दें और अगले दिन साफ हवा मिल जाए, ऐसा नहीं हो सकता। इस टिप्पणी में पूरे संकट का सार छिपा है। समस्या सबको पता है, पर समाधान शासन, प्रशासन और वैज्ञानिकों के ठोस कदमों पर निर्भर है। दिल्ली की हवा का हाल इस समय भयावह स्तर पर है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, गुरुवार को राजधानी का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स 349 रहा। यह स्तर सीधे तौर पर हृद्यंभीरह्ण श्रेणी में आता है।

इसका अर्थ है कि हवा में मौजूद जहरीले कण शरीर के हर हिस्से पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। पिछले कुछ वर्षों में नवंबर, दिसंबर अब त्योहारों और सर्दियों की शुरुआत का मौसम नहीं रह गया, बल्कि प्रदूषण की चरम स्थिति का संकेत बन चुके हैं। इस बार भी हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि लोग घघों के भीतर कैद होने को मजबूर हो गए हैं।

ताजा सर्व बताते हैं कि लगभग 76 प्रतिशत लोग लगातार घरों में दुबके हुए हैं, क्योंकि बाहर निकला जाना अब स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ जैसा महसूस होता है। 80 प्रतिशत नागरिकों को लगातार खांसी,

गले में जलन, थकान, सांस में भारीपन और आंखों में चुभन जैसी समस्याएँ हो रही हैं। इन दिक्कतों के कारण 69 प्रतिशत लोग कम से कम एक बार डॉक्टर के पास जा चुके हैं। यह स्थिति किसी अस्थायी परेशानी का संकेत नहीं बल्कि एक व्यापक स्वास्थ्य आपदा का चित्रण है। एक ऐसी आपदा जिसे सुप्रीम कोर्ट ने भी स्वास्थ्य आपातकाल कहकर संबोधित किया है।

सबसे गंभीर पहलू यह है कि लोग दिल्ली को छोड़ने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। 80 प्रतिशत लोग मानते हैं कि अगर स्थिति ऐसी ही बनी

रही तो उन्हें शहर छोड़ना पड़ सकता है, और 37 प्रतिशत लोग तो राजधानी से बाहर प्रॉपर्टी तलाशना भी शुरू कर चुके हैं। महानगर की अर्थव्यवस्था, रोजगार बाजार और सामाजिक संरचना पर इसका दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। देश की राजधानी अगर नागरिकों को सुरक्षा नहीं दे पाए, तो यह न केवल प्रशासनिक विफलता है बल्कि भविष्य के शहरी भारत के लिए एक बड़ी चेतावनी है। दिल्ली की खराब हवा केवल वयस्कों या बुजुर्गों के लिए ही हानिकारक नहीं है। यह आने वाली पीढ़ियों को जन्म से पहले ही अपने दुष्प्रभावों में घेर रही है।

(चितन-मनन)



अपना दृष्टिकोण

एक कन्या ने अपने पिता से कहा, मैं किसी पुरातत्वविद् से विवाह करना चाहती हूँ। पिता ने पूछा, क्यों? कन्या बोली, पिताजी! पुरातत्वविद् ही एक ऐंसा व्यक्ति होता है जो पुरानी चीजों को ज्यादा मूल्य देता है। मैं भी ज्यों-ज्यों पुरानी होती जाऊंगी, बूढ़ी होती जाऊंगी, मेरा मूल्य भी बढ़ता जाएगा। वह मेरे से नफरत भी नहीं करेगा। पुरातत्वविद् यह नहीं देखता कि वस्तु कितनी सुन्दर है, कितनी असुन्दर है। वह इतना देखता है कि वस्तु कितनी पुरानी है। यह उसके मूल्यांकन की दृष्टि होती है।

कहने का अर्थ यह कि मूल्यांकन का अपना-अपना दृष्टिकोण होता है। मूल्यांकन का हमारा भी एक दृष्टिकोण है। अध्यात्म की साधना करने वाले व्यक्ति का अपना एक दृष्टिकोण होता है मूल्यांकन का और वह उसका स्वयं का दृष्टिकोण होता है, किसी से उधार लिया हुआ नहीं। उसका दृष्टिकोण बदले, चरित्र बदले। वह पुराना हीन रहे, नया बने। पुरानेपन का आग्रह छूटे। साधना में पुरातत्वविद् की दृष्टि काम नहीं देती। वहां नयेपन का आयाम खुलता है और सदा नया बना रहने की आकांक्षा बनी रहती है।

प्रत्येक समझदार आदमी का प्रयत्न सप्रयोजन होता है। ध्यान की साधना करने वाले व्यक्ति का साध्य है-रूपान्तरण दृष्टि का रूपान्तरण, चरित्र का रूपान्तरण। अहं को अहंम्में बदलना। अहं और अहंम् में केवल एक मात्रा का अन्तर है। साधक अहं को छोड़कर अहंम्बनना चाहता है। एक मात्रा का अर्जन करना है। अहम्पर ऊर्ध्व र लगे, ऐसा प्रयत्न करना है। तब साधना सफल हो जाती है।

रेहला में अवैध बालू लदा एक ट्रैक्टर जब्त

विश्रामपुर पलामू जिले के पदाधिकारियों के निर्देशानुसार रेहला पुलिस इन दिनों अवैध उत्खनन के खिलाफ सघन अभियान चला रही है.इसी अभियान के दौरान बुधवार की रात पुलिस ने अवैध बालू लदा एक ट्रैक्टर जब्त किया है.थाना प्रभारी गुलशन बिरुआ ने बताया कि अग्रेत कार्रवाई के लिये इसकी लिखित सूचना खनन विभाग को दे दिया गया है.इस संबंध में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है.जब्त ट्रैक्टर मायापुर के सुजीत गुप्ता का बताया जा रहा है

गारु में मतदाता सूची मैपिंग एवं नाम खोजने पर प्रशिक्षण आयोजित

गारु। प्रखंड सभागार गारु में 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग तथा मतदाता नाम खोजने से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी के निर्देश में आयोजित इस प्रशिक्षण में सभी BLO एवं BLO सुपरवाइजर शामिल हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारी द्वारा पीपीटी के माध्यम से मतदाता सूची के मिलान, सुधार प्रक्रिया तथा वृथ स्तर पर किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही मैपिंग प्रक्रिया को सही तरीके से पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए सभी BLO अपने-अपने क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाताओं के नाम, पते एवं अन्य विवरणों की जांच सुनिश्चित करें, ताकि मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे।

35 दिन बाद भी नाबालिग बच्चों के परिवार को मुआवजा नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण- प्रतुल शाह देव

चंदवा। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने रक्सी गांव की उस हर्दयविदारक घटना का जिक्र किया जिसमें धर्मराज प्रजापति के दो मासूम बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हो गई थी। दोनों बच्चे अपनी दादी को बचाने की कोशिश में खुद जीवन गंवा बैठे–यह घटना साहस, त्याग और दर्द की मिसाल है।प्रतुल शाहदेव ने बताया कि उन्होंने 30 अक्टूबर को रक्सी गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी। उस समय तक सरकार की ओर से एक रुपया तक की सहायता नहीं मिली थी। उन्होंने कहा कि दुखद यह है कि आज 35 दिन बीत जाने के बाद भी इस परिवार को मुआवजे की राशि नहीं मिल सकी है। परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत ही बदतर है। परिजनों को अभी भी मुआवजा की राशि का इंतजार है। प्रतुल ने कहा कि इस संबंध में उन्होंने वरीय पदाधिकारी से भी बात की थी लेकिन अभी तक कोई परिणाम नहीं निकला है।

चंदवा अंचल से ही फाइल को बढ़ाने में भारी विलंब हुआ

चंदवा। प्रतुल शाहदेव ने कहा कि एक तरफ दो मासूम अपनी दादी को बचाने में शहीद हो जाते हैं, दूसरी तरफ सरकार का सिस्टम 35 दिन बाद भी जागने का नाम नहीं ले रहा। लंबे समय तक चंदवा के अंचल कार्यालय ने ही इस फाइल को आगे नहीं बढ़ाया था। जाहिर है इसमें कोई कमिशन की राशि मिलने वाली नहीं थी तो सरकारी व्यवस्था सुस्त हो गई।चंदवा के अंचल अधिकारी का यह आलम है कि वह जनहित के मुद्दों पर भी सुनवाई नहीं करते।प्रतुल ने कहा कि सरकार और प्रशासन गरीब परिवारों के हक को लटकाना बंद करे। मुआवजा तुरंत उपलब्ध कराए,अन्यथा भाजपा इस मुद्दे को सड़क से सदन तक जोरदार तरीके से उठाएगी।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मजदूर की मौत,

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल पुलिस जांच में जुटी

बालूमाथ संवाददाता बालूमाथ थाना क्षेत्र के बालूमाथ मैक्लुस्कीगंज मुख्य मार्ग पर सीरम गांव के पास बुधवार देर रात एक अज्ञात वाहन की चोट में आने से एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान बालूमाथ थाना क्षेत्र के बालू ग्राम अंतर्गत बहेरा टोला निवासी 32 वर्षीय सुखदेव उरांव, पिता रायसहाय उरांव के रूप में हुई।घटना की जानकारी मिलते ही मुरपा पिकेट प्रभारी होसेंग डांग अपनी टीम के साथ रात में ही मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर थाना परिसर ले आए। मृतक के चाचा शिवू उरांव ने बताया कि सुखदेव सीरम और आसपास के क्षेत्रों में मजदूरी करता था। बुधवार रात वह काम खत्म कर अपने एक रिश्तेदार के घर लौट रहा था, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।मृतक अपने पीछे तीन छोटे-छोटे बच्चों दो पुत्र और एक पुत्री को छोड़ गया है। अचानक हुई इस घटना से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार ने गुरुवार सुबह बताया कि शव को अंतिम परीक्षण के लिए लातेहार भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से देर रात गुजरने वाले वाहनों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि दुर्घटना में शामिल वाहन और चालक का पता लगाया जा सके।

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के बीच स्टेटर का वितरण, ठंड से मिलेगी राहत, बच्चों में खुशी की लहर

बालूमाथ संवाददाता बढ़ती ठंड के बीच बालूमाथ प्रखंड के समेकित बाल विकास परियोजना द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को गर्म कपड़े उपलब्ध कराने की पहल शुरू कर दी गई। इसी क्रम में बालूमाथ भाग 4 अंतर्गत एक आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका प्रियंका देवी एवं सहायिका समुंद्री देवी द्वारा बच्चों के बीच स्टेटर का वितरण किया गया।स्टेटर वितरण कार्यक्रम में मुखिया नरेश लोहरा की उपस्थित विशेष तौर पर रही। उनके हाथों बच्चों को स्टेटर प्रदान किए गए। स्टेटर पाकर छोटे-छोटे बच्चे चेहरे पर मुस्कान लिए। काम्नी खुश नजर आए। बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावक भी इस पहल से संतुष्ट दिखे, क्योंकि सर्द मौसम में इससे बच्चों को ठंड से राहत मिलेगी।सेविका प्रियंका देवी ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र में नामांकित सभी बच्चों को आवश्यकताानुसार गर्म कपड़े उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि ठंड के कारण कोई बच्चा स्वास्थ्य संबंधी परेशानी का शिकार न हो। सहायिका समुंद्री देवी ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता है, और समय-समय पर उन्हें आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाती है।मुखिया नरेश लोहरा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के पोषण और देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।स्टेटर वितरण के बाद बच्चों के बीच उत्साह देखने लायक था। बच्चे स्टेटर पहनकर खुशी-खुशी घर लौटे।

बाइक दुर्घटना में युवक की मौत, पुलिस जांच में जुटी गांव में मातम

बालूमाथ संवाददाता बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत बालूमाथ मरूप मुख्य मार्ग पर कोटा टांड के समीप स्कूटी बाइक दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सुरेंद्र भागत उम्र 18 वर्ष पिता मुहंशवर भगत, निवासी घोरा टोला, पंचायत बालू के रूप में हुई है। वह बालू उच्च विद्यालय का इंटरमीडिएट छात्र बताया जा रहा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक बालूमाथ से मेला देखकर तेज गति से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान कोटा टांड के मोड़ पर उसकी स्कूटी अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया,जहां डॉ. अशोक कुमार ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।सूचना पाकर बालूमाथ पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार भेजने की तैयारी शुरू की है। घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है

लातेहार के कारगिल पार्क में नौसैनिक दिवस मनाया गया, वीर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

लातेहार। जिला मुख्यालय स्थित थाना चौक के पास कारगिल पार्क में बुधवार को नौसैनिक दिवस उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। प्रत्येक वर्ष 4 दिसंबर को भारतीय नौसेना के शौर्य, पराक्रम और 1971 के भारतव्यापक युद्ध में दिखाई गई अदम्य वीरता को सम्मान देने हेतु यह दिवस पूरे देश में मनाया जाता है। इसी क्रम में लातेहार में भी समारोह का आयोजन किया गया। कारगिल पार्क परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने सैनिक स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर वीर जवानों को नमन किया। इसके बाद नौसैनिक दिवस की शुभकमनाएं देते हुए केक काट गया और भारतीय नौसेना की गौरवशाली परंपरा को याद किया गया। कार्यक्रम में पूर्व नाविक मुरारी प्रसाद शर्मा (वर्तमान में पंजाब नेशनल बैंक में मैनेजर), बैरनाथ शर्मा, पी. उपाध्याय, डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, योग गुरु बलराम सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी ने भारतीय नौसेना के अनुशासन, समर्पण और देश की सुरक्षा सीमाओं की सुरक्षा में उनके अतुलनीय योगदान को रेखांकित किया।

दत्तात्रेय जयंती पर मानव सेवा की मिसाल, प्रेरणा परमार्थ आश्रम की रेहला इकाई ने किया जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण

जरूरतमंदों के चेहरों

पर लौटी मुस्कान,

ब्रह्मलीन भैया सुधीर

जी के सेवा-संस्कारों

को किया नमन

नवप्रदेश/विश्रामपुर, पलामू दत्तात्रेय जयंती के पावन अवसर पर प्रेरणा परमार्थ आश्रम की रेहला इकाई के द्वारा गरीब और जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भीषण ठंड के बीच इस सेवा कार्य ने स्थानीय जरूरतमंद लोगों को बड़ी राहत दी।

वितरण समारोह का आयोजन रेहला शिवतार ड्रेडर्स परिसर में किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत गुरु दत्तात्रेय,अधोरेश्वर अवधुत भगवान राम,गुरुपद संभव रामजी व किन्नाराम जी महाराज की विशेष पूजा-अर्चना करते हुए ब्रह्मलीन श्रद्धेय सुधीर भैया के त्रिपुण पर पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित कर की गई। वितरण समारोह का उद्घाटन पुर्व



स्वास्थ्य मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी, बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह, शिक्षाविद राजेश्वर पांडेय आदि ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता आश्रम के रेहला शाखा अध्यक्ष रंजीत सिंह व संचालन अमित कुमार सिंह बाबुल ने किया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने कहा कि यह पहल केवल सामग्री वितरण नहीं, बल्कि मानवता और परोपकार की भावना को आगे

बढ़ाने का कार्य है। सभी ने ब्रह्मलीन भैया सुधीर को श्रद्धा से याद करते हुए कहा कि उनकी सेवा की विरासत आज भी आश्रम के हर कार्य में जीवित है। आश्रम के पदाधिकारियों ने बताया कि सेवा के कार्य भैया सुधीर जी की प्रेरणा से निरंतर रूप से जारी हैं। दत्तात्रेय जयंती पर हर वर्ष जरूरतमंदों तक अधिक से अधिक सहायता पहुंचाने का संकल्प लिया जाता है। कंबल पाकर लाभुकों के चेहरों पर राहत और संतोष की झलक दिखाई दी।

लातेहार में डीसीपीओ/PCPNDT व क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट की समीक्षा बैठक, निजी अस्पतालों को नियम पालन का सख्त निर्देश

नवप्रदेश/लातेहार। उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद की अध्यक्षता में गुरुवार को PCP-NDT एवं क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट (CEA) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी निजी अस्पतालों की कार्यपालनी की समीक्षा करते हुए उन्हें निर्धारित मानकों के अनुरूप, पारदर्शी तरीके से सेवाएं संचालित करने का सख्त निर्देश



दिया गया। उप विकास आयुक्त ने साफ कहा कि PCPNDT अधिनियम एवं क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट के प्रावधानों का पालन करना अनिवार्य है और इसमें

लातेहार की बालक-बालिका वॉलीबॉल टीम गोड्डा रवाना

नवप्रदेश/लातेहार। झारखंड वॉलीबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में गोड्डा जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित 23वीं झारखंड राज्य बालकछ्बालिका जूनियर वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए लातेहार जिला की बालक और बालिका टीम गुरुवार को गोड्डा के लिए रवाना हुई। यह प्रतिযোগिता 5 से 7 दिसंबर 2025 तक आयोजित की जाएगी। लातेहार जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के सचिव प्रवीण मिश्रा ने बताया कि टीम लातेहार से यात्री बस द्वारा रांची के लिए रवाना हुई, जहां से खिलाड़ी रांचीझगोड्डा इंटरसिटी एक्स्प्रेस के माध्यम से गोड्डा पहुंचेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिला टीम इस चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करेगी और लातेहार का नाम रोशन करेगी। लातेहार जिला जूनियर बालक टीम में शामिल खिलाड़ी–कप्तान कन्हैया पांडेय, उपकप्तान अनुराग कुमार, तथा टीम सदस्य आशुतोष कुमार ठाकुर, विवेक कुमार, सोनू कुमार, मोहम्मद फैजान, रौनक दसौधी, आकाश केम्केड्डा, सागर भुइयां, युवराज सिन्हा और अंशु राज कुजूर शामिल हैं। वहीं जूनियर बालिका टीम की कप्तान कुमन रजनी कुमारी संभालेंगी, जबकि उपकप्तान आभा कुमारी होंगी। टीम में शिल्पा कुमारी, रिकी कुमारी, सना आलिया, ईशा कुमारी, अनुराधा कुमारी और रिद्धिमा को शामिल किया गया है।

लातेहार में जिला स्तरीय पुनर्वास समिति की बैठक, दो आत्मसमर्पित उग्रवादियों को पुनर्वास पैकेज की अनुशंसा



नवप्रदेश/लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव की संयुक्त अध्यक्षता में बुधवार को जिला स्तरीय पुनर्वास समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उग्रवादियों के प्रत्यार्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न सुविधाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य रूप से आत्मसमर्पित नक्सलियों को

समाज की मुख्यधारा से जोड़ने, उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करने तथा उनके परिवारों को आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने के विषय पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही आत्मसमर्पित उग्रवादियों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने एवं परिवारों को दैनिक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित कराने की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

प्रत्यर्पण व पुनर्वास से संबंधित

सभी कार्यों के क्रियान्वयन, लॉबित मामलों के निराकरण एवं आवश्यक कार्रवाई पर विभागीय अधिकारियों द्वारा बिंदुवार जानकारी प्रस्तुत की गई। समीक्षा के उपरांत समिति ने दो आत्मसमर्पित उग्रवादियों को पुनर्वास पैकेज देने की अनुशंसा की। बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, मंडल कारा अधीक्षक, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा कोषांग की समीक्षा बैठक हुई संपन्न



नवप्रदेश/लातेहार उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा कोषांग की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की प्रगति, लॉबित मामलों के निपटारे, लाभुकों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने तथा सेवा वितरण की गुणवत्ता में सुधार से संबंधित बिंदुओं की समीक्षा की गई। बैठक में उपायुक्त को वर्तमान में संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं, राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना (एनएफबीएस), झारखण्ड मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना, वृद्धा पेंशन, विकलांग पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन व अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत लाभुकों को दिए जा रहे लाभ की जानकारी दी गई। इस संबंध में उपायुक्त ने निर्भयित रूप से लाभुकों को पेंशन के लाभ से आच्छादित करने तथा बचे हुए लाभुकों के आधार एवं डीएलसी पेंशन स्वीकृतियों एवं आधाररुख्खाता सीडिंग से जुड़े मामलों का त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि दिव्यांगजन, वृद्धजन एवं निराश्रितों हेतु योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में कोई लापरवाही न हो। बैठक में प्रभारी पदाधिकारी सामाजिक सुरक्षा कोषांग सह उप निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती मेरी मड़की एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी उपस्थित थे।

एलसीएमसीएच में पित्त की नली व थैली के पथरी का हुआ सफल ऑपरेशन

बिश्रामपुर में पहली

बार किया गया ऐसा

जटिल ऑपरेशन

नवप्रदेश/बिश्रामपुर पलामू

बिश्रामपुर के नावाडीह कला स्थित लक्ष्मी चंद्रवंशी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में गुरुवार को पित्त की नली (CBD) व पित्त की थैली के पथरी का सफल ऑपरेशन किया गया.मालूम हो कि सिलदा खुर्द गांव निवासी यदुनी राम की 66 वर्षीय पत्नी शारदा देवी पेट के असहनीय दर्द से पीड़ित थी.कई



नामी गिरामी अस्पतालों में उसने जांच व उपचार कराया,लेकिन वह ठीक नहीं हुयी.फिर वह एलसीएमसीएच में अपनी परेशानी लेकर पहुंची.जिसके बाद यहां के चिकित्सकों ने उसका गहन जांच किया.जांच में स्पष्ट हुआ कि उसेके पित्त नली (Common Ble Duct) में पथरी फंसी हुई थी.जिससे सफल ऑपरेशन में सर्जन डॉ.राहुल सिंह, डॉ.मुकेश,डॉ.अंकित के अलावा एनेस्थीसिया टीम के डॉ.बशिष्ठ नारायण सिंह,नीरज कुमार मिश्रा,डॉ. विकास सहित अन्य



प्रक्रिया अपनाकर ऑपरेशन कर पित्त नली व थैली में फंसी पथरी को सफलतापूर्वक निकाला.इस सफल ऑपरेशन में सर्जन डॉ.राहुल सिंह, डॉ.मुकेश,डॉ.अंकित के अलावा एनेस्थीसिया टीम के डॉ.बशिष्ठ नारायण सिंह,नीरज कुमार मिश्रा,डॉ. विकास सहित अन्य

ओ.टी.असिस्टेंट शामिल थे.ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति सामान्य है और स्वास्थ्य में भी तेजी से सुधार हो रहा है.हॉस्पिटल प्रबंधन ने बताया कि शारदा देवी का केस काफी जटिल था,क्योंकि पित्त नली में पथरी फंसी होने से पीलिया लगातार बढ़ रहा था. सर्जिकल टीम ने समय रहते सही निर्णय लेते हुये सफल ऑपरेशन कर उसकी जान बचा ली.बिश्रामपुर में पहली बार इस तरह का जटिल ऑपरेशन सफलता पूर्वक हुआ है.

संक्षिप्त समाचार

जडेजा की धीमी बल्लेबाजी से हारे : इरफान पठान रायपुर

पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि दूसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम की हार का कारण अनुभवो बल्लेबाज रविन्द्र जडेजा की धीमी बल्लेबाजी रही है। भारतीय टीम ने इस मैच में दक्षिण अफ्रीका को 359 रनों का लक्ष्य दिया था पर इसके बाद भी वह इसे बचा नहीं पायी। पठान ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका अफ्रीका ने 39 से 49 ओवरों के बीच कसी हुई गेंदबाजी की, जिससे भारतीय टीम 370 तक नहीं पहुंच पायी। इरफान के अनुसार 15 से 20 रन और बनते तो शायद परिणाम अलग होता। उन्होंने कहा कि जडेजा ने धीमी बल्लेबाजी की है। जडेजा ने सातवें नंबर पर आने के बाद 27 गेंदों में केवल 24 रन बनाए। उन्होंने कप्तान केएल राहुल के साथ छठे विकेट के लिए 54 गेंदों में 69 रन बनाये थे। इरफान ने कहा, राहुल ने अच्छा फिनिश किया। उन्होंने एक और कप्तानी पारी खेली। उनका अच्छा फिनिश करना जरूरी थी, अगर वो नहीं होता तो इतने रन भी भारत के नहीं बनते। मेरे हिसाब से जो जडेजा की पारी ठीक नहीं थी। उन्होंने 27 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाए। भारतीय टीम के अधिकतर बल्लेबाजों ने 100 के स्ट्राइक रेट से ज्यादा बनाये पर जडेजा ने 88 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। जिस प्रकार के वह बल्लेबाज हैं उसमें ये आंकड़ा सही नहीं है। जडेजा का रवैया आक्रमक नहीं रहा। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका ने शुरू में संभलकर खेलने के बाद आक्रामक रुख दिखाया। दक्षिण अफ्रीका ने 49.2 ओवर में ही 359 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। साउथ अफ्रीका की ओर से एडेन मार्करस ने 110 जबकि मैथ्यू ब्रीट्जके ने 68 और डेवाल्ड ब्रेविस ने 54 रन बनाये।

यह मैच अविश्वसनीय था, भारत के खिलाफ खेलना मुश्किल : टेंबा बावुमा

रायपुर,

साउथ अफ्रीकी कप्तान टेंबा बावुमा ने भारत के विरुद्ध दूसरे वनडे मैच में 4 विकेट से जीत पर खुशी जताई है। उन्होंने इस मुकाबले को अविश्वसनीय बताते हुए स्वीकारा है कि भारतीय टीम के खिलाफ खेलना मुश्किल होता है। भारत ने शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में 5 विकेट खोकर 358 रन बनाए। भारतीय टीम के लिए विराट कोहली ने 102 रन बनाए, जबकि ऋतुराज गायकवाड़ ने 105 रन की पारी खेली। इनके अलावा, कप्तान केएल राहुल ने नाबाद 66 रन बनाए। इसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम ने 49.2 ओवरों में जीत हासिल कर ली। इस टीम के लिए सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करस ने 110 रन बनाए, जबकि मैथ्यू ब्रीत्जके ने 68 रन की पारी खेली। इनके अलावा, देवाल्ड ब्रेविस ने 54 रन टीम के खाते में जोड़े। सीरीज में 1-1 से बराबरी के बाद साउथ अफ्रीकी कप्तान टेंबा बावुमा ने कहा, मैं मुकाबला जीतकर खुश हूं। इस मैच से पहले हम सोच रहे थे कि गेंद से कैसे बेहतर हो सकते हैं। बल्ले से हमें आगे बढ़कर अच्छा खेलना था। एडेन और ब्रीत्जके के साथ पार्टनरशिप शानदार थी। वांश ने काफी परिपक्वता दिखाते हुए मुकाबले को खत्म किया। उन्होंने कहा, यह मैच अविश्वसनीय था। मुझे लगता है कि यह एक रिकॉर्ड चेज था। इसने दिखाया कि इस भारतीय टीम के खिलाफ खेलना कितना मुश्किल है। मैं एडेन के साथ क्रीज पर आया, वह बॉल को हिट कर रहे थे और मैं उनके साथ साझेदारी की कोशिश कर रहा था। हम इससे आत्मविश्वास हासिल कर सकते हैं। इसे एक रोमांचक सीरीज बना सकते हैं। जब कप्तान से पूछा गया कि क्या यह साउथ अफ्रीका की बेस्ट प्लेइंग इलेवन है, तो इसके जवाब में बावुमा ने कहा, ये निश्चित रूप से आपके बेस्ट प्लेयर हैं। खिलाड़ियों के बीच हाई लेवल का कॉम्पिटिशन है। इसी तरह गेंदबाजों के लिए भी है। इस तरह के प्रदर्शन हमें बेहतर बनाते हैं।

रन तभी मायने रखते हैं जब आप मैच जीतते हैं, पहले वनडे में हार के लिए मैं जिम्मेदार था: मार्क्रम रायपुर,

दक्षिण अफ्रीका को भारत के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट से रोमांचक जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले एडेन मार्क्रम ने कहा कि रन बनाना तभी मायने रखता है जब टीम जीतती है और वह पहले वनडे में मामूली अंतर से मिली हार के लिए खुद को जिम्मेदार मानते हैं। मार्क्रम ने 110 रन की शानदार पारी खेली जिससे दक्षिण अफ्रीका 359 रन के लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहा। भारत ने रांची में खेला गया पहला वनडे 17 रन से जीता था। मार्क्रम ने बुधवार को मैच के बाद पत्रकारों से कहा, रन तभी मायने रखते हैं जब आप मैच जीतते हैं। ईमानदारी से कहूँ तो कम से कम मेरे लिए तो यही मायने रखता है। अगर हम आज हार जाते तो मैं पिछले मैच की तरह ही दुखी होता। जीत हासिल कर- के मुझे वास्तव में बहुत खुशी हुई है। उन्होंने पहले मैच का जिक्र करते हुए कहा, मुझे लगता है कि पहले मैच में शुरूआत में ही तीन विकेट गिर जाने के कारण ही हम जीत हासिल नहीं कर पाए और इसके लिए मैं खुद को जिम्मेदार मानता हूं। दूसरे वनडे में मार्क्रम के शतक के बाद डेवाल्ड ब्रेविस ने 54 रन और मैथ्यू ब्रीट्जके ने 68 रन बनाए, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने चार गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। मार्क्रम ने कहा, ऐसा लग रहा था कि जैसे हम फिर से पहले वाला मैच खेल रहे हैं। श्रृंखला बराबर करने के बाद दक्षिण अफ्रीका अब शनिवार को विशाखापत्तनम में होने वाले तीसरे और अंतिम वनडे मैच को जीत कर श्रृंखला अपने नाम करने की कोशिश करेगा जिससे टी20 विश्व कप और वनडे विश्व कप से पहले टीम का मनोबल बढ़ेगा। मार्क्रम ने इस बारे में कहा, अभी इन टूर्नामेंट में काफी समय है लेकिन विश्वास और आत्मविश्वास संभवतः दो चीजें हैं जिन्हें आप एक टीम के रूप में हासिल कर सकते हैं। बड़े लक्ष्य हासिल करने से टीम को यह आत्मविश्वास मिलता है और भविष्य में ऐसी स्थिति में होने पर हम कह सकते हैं कि हमने पहले ऐसा किया है और फिर से ऐसा कर सकते हैं।

लिविंगस्टोन की आतिशी पारी से अबूधाबी नाइटराइडर्स ने शारजाह वॉरियर्स को हराया

शारजाह। लियाम लिविंग्स्टोन ने शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में 38 गेंदों पर 82 रन की तूफानी पारी खेली, जिससे अबूधाबी नाइटराइडर्स ने विश्व आईप्लेटडी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में शा-रजाह वॉरियर्स को 39 रन से हराया। लिविंगरस्टोन ने अपनी पारी में दो चौके और आठ छक्के लगाए जिससे नाइटराइडर्स चा विकेट पर 233 रन का विशाल स्कोर खड़ा करने में सफल रहा। यह लीग के इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इसके जवाब में वॉरियर्स की टीम नौ विकेट पर 194 रन ही बना पाई। लिविंग्स्टोन को बीच के ओवरों में शेफरेन रदरफोर्ड (27 गेंदों पर 45 रन) से सहयोग मिला। इससे पहले एलेक्स हेल्स (19 गेंदों पर 32 रन) और अलीशान श-राफू (23 गेंदों पर 34 रन) ने टीम को तेज शुरूआत दिलाई। लिविंग्स्टोन ने पारी के अंतिम ओवर में ड्वेन प्रीटोरियस पर पांच छक्के जड़कर 33 रन बटोरें। वॉरियर्स के लिए आदिल राशिद एकमात्र सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 31 रन देकर दो विकेट लिए।

विराट संन्यास से वापसी का फैसला नहीं बदलेंगे : कैफ

नई दिल्ली

अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की शानदार बल्लेबाजी को देखते हुए प्रशंसकों और कई पूर्व क्रिकेटरों ने उन्हें फिर से टेस्ट क्रिकेट में वापसी की सलाह दी है हालांकि विराट ने साफ कर दिया है कि अब वह एकदिवसीय प्रारूप ही खेलेंगे।

वहीं पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने भी कहा है कि विराट को जितना वह जानते हैं उसके आधार पर कह सकते हैं कि वह अब संन्यास के फैसले को नहीं बदलेंगे। विराट ने इंग्लैंड दौर से पहले अचानक ही टेस्ट प्रारूप को अलविदा कहकर सबको हैरान कर दिया था। वहीं दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की 0-2 टेस्ट सीरीज हार के बाद कहा जा रहा था कि क्रिकेट बोर्ड कोहली को टेस्ट क्रिकेट में वापसी के लिए मना सकता है पर कैफ का मानना है कि कोहली एक बार जो तय कर लेते हैं उससे पीछे नहीं हटते। इसलिए उनकी वापसी अब नहीं हो सकती है। कैफ ने कहा कि विराट ऐसे खिला-ड़ियों में से एक है जो किसी फैसले पर पहुंचने



से पहले काफी सोच विचार करते हैं और एक बार फैसला लेते हैं तो उसपर अडिग रहते हैं। ये सही है कि कई खिलाड़ियों ने संन्यास से वापसी की है पर कैफ का माना है कि कोहली ऐसा कदम कभी नहीं उठाएंगे। कैफ ने कहा कि कोहली ने आईपीएल में आसीबी की कप्तानी छोड़ने के बाद उसे कभी दोबारा नहीं संभाला। जा

उनसे दोबारा कप्तानी संभालने को कहा गया तो उन्होंने युवा खिलाड़ी रजत पाटीदार को कप्तानी के लिए आगे बढ़ा दिया। वहीं क्रिकेट बोर्ड ने भी कहा है कि उसने विराट को संन्यास से वापसी के लिए नहीं कहा है। वह अब एक ही प्रारूप में खेलना चाहते हैं और बोर्ड उनके फैसले का सम्मान करता है।

अपने गेंदबाजी कौशल को निखारने मोर्कल और अर्शदीप से सलाह ले रहे हर्षित राणा

मुम्बई

युवा तेज तेज गेंदबाज हर्षित राणा भारतीय टीम में आने के बाद से ही टीम में अपनी जगह पक्की करने का प्रयास कर रहे हैं। हर्षित का सकारात्मक पक्ष ये है कि वह गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं हालांकि वह इस बार के लिए निशाने पर रहते हैं कि मुख्य कोच गंभीर का करीबी होने से उन्हे खेलने के अवसर मिल रहे हैं। वहीं इन आलोचनाओं पर ध्यान नहीं देते हुए हर्षित नई गेंद से अपने कौशल को सुधारने के लिए गेंदबाजी कोच मोने मोर्कल और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ काम कर रहे हैं। हर्षित ने कहा, नई गेंद से मैं मोर्ने (मोर्कल) के साथ बहुत अभ्यास कर रहा हूं और मैं अर्शदीप से बहुत बात करता रहता हूं। मुझे लगता है कि अर्शदीप के पास बहुत अनुभव है और वह अभ्यास के दौरान मेरी



मदद और मार्गदर्शन करते रहते हैं। पारी के 34वें ओवर के बाद एक गेंद के नियम को लेकर हर्षित ने कहा कि भारतीय टीम इस बात पर नजर रखती है कि दोनों गेंदों में से कौन सी गेंद अधिक पुरानी हो रही है जिससे कि उसे चुना जा सके। उन्होंने कहा, आजकल के क्रि-केट में गेंदबाज को इतनी मदद नहीं मिलती इसलिए यह नियम हमारे लिए बहुत सहायक है और वह हमेशा दिमाग में रहता है कि कौन सी गेंद पुरानी हो रही है। और हर कोई उस गेंद को चुनने में

शामिल होता है। हर्षित ने कहा कि अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा के टीम में रहने से भी उनको काफी कुछ सीखने को मिला है। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए और जाहिर है कि पूरी टीम के लिए बहुत बड़ी बात है क्योंकि अगर ऐसे अनुभवी खिलाड़ी मैदान और ड्रैसिंग रूम में आपके साथ रहते हैं तो टीम का माहौल बहुत अच्छा होता है। वहां तक कि अगर आप ड्रैसिंग रूम में हैं तो यह पूरी टीम के लिए एक खुशी का माहौल है।

बीसीसीसीआई की नाराजगी को देखते हुए विजय हजार ट्रॉफी में खेलने को तैयार हुए विराट नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि वह दिल्ली की ओर से आगामी विजय हजारें ट्रॉफी में खेलने को तैयार है। माना जा रहा है कि विराट ने ये फैसला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के दबाव में लिया है। इसका कारण है कि बोर्ड पहले एकदिवसीय के बाद उनके दिये बयान से नाराज था जिसको देखते हुए विराट को 15 साल के बाद इस घरेलू टूर्नामेंट में खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा है। वहीं पहले वह इसमें खेलने को तैयार नहीं थे। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई विराट के सार्वजनिक रूप से दिखे उस बयान से नाराज थी। उसके बाद ही उन्होंने घरेलू क्रिकेट खेलने का फैसला किया। विजय हजारें ट्रॉफी में दिल्ली की टीम अपना पहला मुकाबला 24 दिसंबर को आंध्र प्रदेश के खिलाफ खेलेगी। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में 135 रनों की मैच विजेता पारी खेलने के बाद कहा था कि मैं कभी भी बहुत ज्यादा तैयारी में भरोसा नहीं करता। मेरा पूरा क्रिकेट मानसिक है। जब तक मैं मानसि-क रूप से मजबूत महसूस करता हूं तो मैं खेल सकता हूं। उन्होंने कहा, मैंने 300 एकदिवसीय मैच खेल खेले हैं और 15-16 साल में काफी अधिक क्रिकेट खेला है। इसको देखते हुए मेरा मानना है कि अगर आप नेट में बिना कोई ब्रेक लिए डेढ़, दो घंटे खेल सकते हैं तब आप हर जरूरत को पूरी कर रहे हैं। कोहली के इसी बयान से बीसीसीआई भड़की हुई थी। उसने इससे पहले इन दोनों को घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी थी ताकि ये दोनों भारत की ओर से एकदिवसीय प्रारूप खेलने के लिए तैयार रहें। वहीं रोहित ने पहले ही कहा दिया था कि वह मुंबई की ओर से विजय हजारें ट्रॉफी खेलने के लिए लिए तैयार हैं।

स्टोक्स, मैकुलम सहित ये पांच हैं टेस्ट में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

मुम्बई

आम तौर पर टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाज छक्के और चौके पर अधिक ध्यान नहीं देते और उनका लक्ष्य संयमित क्रिकेट खेलना रहता है हालांकि कुछ बल्लेबाज टेस्ट में भी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं।

ताजा आंकड़ों के मुताबिक टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले शीर्ष-5 बल्लेबाजों की सूची में एक भी भारतीय बल्लेबाज को जगह नहीं मिली है। इस सूची में शीर्ष पर इंग्लैंड के कप्तान वेन स्टोक्स, जिन्होंने 2013 से अब तक खेले 115 मैचों में 136 छक्के लगाये हैं। आक्रामक बल्लेबाज स्ट्राइल और मैच समाप्त करवाने की उनकी क्षमता उन्हें आधुनिक युग का सबसे तेज टेस्ट बल्लेबाज बनाती है। वहीं न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैकुलम दूसरे स्थान पर हैं। 2004 से 2016 तक खेले गए 101 टेस्ट में उन्होंने 107 छक्के लगाए। मैकुलम अपने आक्राम अंदाज के लिए जाने



जाते हैं और उन्होंने ही टेस्ट क्रिकेट में शुरूआती ओवरों में तेजी से खेलने की शैली अपनायी थी जिसे अब वह इंग्लैंड के कोच के तौर पर अमल में ला रहे हैं। वहीं तेजी से खेलने के मामले में तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट हैं, जिनके नाम 100 छक्के शामिल हैं। वहीं चौथे स्थान पर न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी हैं, उन्होंने 107 टेस्ट मैचों में 98 छक्के लगाए हैं। वहीं पांचवें नंबर पर वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल हैं, जिन्होंने 103 टेस्ट में 98 छक्के लगाये हैं। गेल से इसी कारण विरोधी गेंदबाज खौफ में रहे हैं।

रोहित, विराट पर घरेलू क्रिकेट खेलने का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिये : एमएस के प्रसाद

मुम्बई

चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष एमएस के प्रसाद ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली पर घरेलू क्रि-केट खेलने का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिये।



प्रसाद ने ये बात भारतीय क्रि-केट बोर्ड (बीसीसीआई) को उसे निर्देश को लेकर कही है जिसमें बोर्ड ने केन्द्रीय अनुबंध वाले खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने का अनिवार्य बनाया है। केवल फिट नहीं होने पर ही खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट से बाहर रहने की अनुमति दी गयी है। ऐसे में माना जा रहा है कि विराट और रोहित आने वाले समय में विजय हजारें ट्रॉफी खेलते हुए दिख सकते हैं। वहीं प्रसाद का

मानना है कि बोर्ड को इन सीनियर खिलाड़ियों पर घरेलू मैच खेलने का दबाव नहीं डालना चाहिए। उन्होंने कहा कि रोहित और कोहली न सिर्फ टीम के अनुभवी खिलाड़ी हैं बल्कि युवा खिलाड़ियों से कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं बोर्ड का मानना है सभी अनुबंधित खिलाड़ी अवसर मिलने

पर घरेलू क्रिकेट खेलें, जिससे उनकी फिटनेस के साथ ही लय भी बनी रहेगी। इसी के बाद दिल्ली जिला क्रिकेट संघ ने कहा था कि विराट आगामी विजय हजारें ट्रॉफी में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा उसने रोहित के भी मुम्बई की ओर से मैदान पर उतरने की उम्मीद जतायी। इस नियम का उद्देश्य घरेलू स्तर पर

अश्विन बोले, इस बार ग्रीन पर आईपीएल नीलामी में लग सकती है सबसे बड़ी बोली

मुम्बई

स्पिरन रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि 16 दिसंबर को आबूधाबी में 2026 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र के लिए होने वाली नीलामी में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पर सबसे अधिक बोली लग सकती है।

ग्रीन फिट नहीं होने के कारण पिछले साल आईपीएल से बाहर थे। अश्विन के अनुसार आद्रे रस्सेल और ग्लेन मैक्सवेल के संन्यास के कारण ग्रीन ही अब सबसे बेहतर विदेशी ऑलराउंडर के तौर पर उलब्ध हैं, ऐसे में उनकी मांग बढ़ना तय है। अश्विन के अनुसार सभी फ्रेंचाइजियां ऐसे खिलाड़ी को लेना चाहेंगी जो तेज गेंदबाजी के साथ



ही मध्य क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर सके और ये सभी खुबियां ग्रीन में हैं। अश्विन ने कहा, ग्रीन के अलावा इस बार उनके साथी खिलाड़ी लियाम लिविंग्स्टोन के पास भी मोटी रकम हासिल करने का अवसर है। ग्रीन इस समय विश्व के बेहतरीन टी20 खिला-ड़ियों में शामिल हैं। एक अच्छे आक-्रामक बल्लेबाज होने के साथ ही वह 140 से अधिक की रफ्तार से

गेंदबाजी करते हैं। उनके प्रदर्शन में निरंतरता बनी रहती है। ग्रीन ने 40 से अधिक के औसत और तेज स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। इस ऑलराउंडर ने अब तक दो सही सत्र खेले हैं और 29 मैचों में 707 रन बनाये हैं इसके अलावा 16 विकेट लेकर दिखाया है कि वह एक मैच विजेता हैं। ग्रीन ने दबाव के बीच ही मैच विजेता पारियां खेली हैं।

हार्दिक के कारण मुश्ताक अली ट्रॉफी का बड़ौदा और गुजरात मैच स्थानांतरित



मुम्बई

ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को देखने उमड़ रही भीड़ के कारण आयोजकों ने बड़ौदा और गुजरात के बीच होने वाले सैयद मुश्ताक अली क्रिकेट ट्रॉफी के मैच को हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि बड़ौदा की ओर से खेल रहे हार्दिक को देखने के लिए टीम होटल, अभ्यास स्थल और टिकट काउंटरों के बाहर भारी तादाद में प्रशंसक आते जा रहे थे। ये संख्या सामान्य घरेलू मैचों की तुलना में कहीं अधिक थी जिसके कारण सुरक्षा संबंधी दिक्कतें आ रही थीं। एक आयोजक ने कहा, हार्दिक के प्रति प्रशंसकों में दिवानगी है। प्रशं-कों की संख्या हमारी उम्मीद से कहीं ज्यादा थी। ऐसे में सुरक्षित और सुचारु आयोजन तय करने के लिए मैच को राजीव गांधी स्टेडियम में स्थानांतरित किया गया। इस स्टेडियम में आम तौर पर अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल मैच होते हैं। इसमें बेहतर सुरक्षा व्यवस्था और उच्च क्षमता के कारण एकदम उमड़ी भीड़ को संभाला जा सकता है।

कम बजट और ज्यादा माइलेज वाली ये है पांच बाइक्स



नई दिल्ली

कम कीमत और ज्यादा माइलेज वाली बाइक्स की जरूरत को ध्यान में रखते हुए कई बाइक निर्माता कंपनियां लगातार ऐसे मॉडल पेश कर रही हैं। ऐसी ही बाइक है हीरो एचएफ डिलक्स जो लंबे समय से भरोसे की पहचान बनी हुई है। इसका 97.2सीसी इंजन 65 से 70 किलोमीटर प्रति लीटर तक माइलेज देता है और रोजाना के इस्तेमाल के लिए बेहद किफायती है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत लगभग 60,000 रुपये है। बजाज सीटी 110 एक्स उन लोगों के लिए है जिन्हें ऊबड़-खाबड़ सड़कों या ग्रामीण इलाकों से रोज गुजरना पड़ता है। 115सीसी इंजन वाली यह बाइक लगभग 65केएमपीएल का माइलेज देती है और मजबूत बॉडी, ऊंचा ग्राउंड क्लियरेंस तथा रफ-टफ डिजाइन इसे टिकाऊ बनाते हैं। इसकी कीमत 69,216 रुपये से शुरू होती है। टीवीएस स्पোর্ट माइलेज के लिए पसंदीदा मॉडल है। 110सीसी इंजन और हल्का डिजाइन इसे युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाते हैं। यह 70 केएमपीएल या उससे अधिक माइलेज दे सकता है और एक्स-शोरूम कीमत 66,000 रुपये है। हीरो स्प्लेंडर प्लस भारतीय बाजार की सबसे भरोसेमंद बाइक्स में से एक है। 97.2सीसी इंजन 65 से 70 केएमपीएल माइलेज देता है और रोजाना के उपयोग में लंबे समय तक टिकाऊ रहता है। इसकी कीमत लगभग 75,000 रुपये से शुरू होती है। बजाज प्लेटिना 100 आरामदायक राइड और शानदार माइलेज के लिए जानी जाती है। 100सीसी इंजन 70-75 केएमपीएल माइलेज देता है और कम्फर्टेक सस्पेंशन लंबी दूरी को भी सहज बनाता है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 67,808 रुपये है। ये पांच मॉडल कम बजट, बेहतरीन माइलेज और भरोसेमंद प्रदर्शन के लिए उपयुक्त विकल्प हैं।

नई रेसिंग-रेडी कार डिफेंडर डाकर डी7एक्स-आर पेश



नई दिल्ली

मशहूर ब्रिटिश ऑटोमेकर कंपनी लैंड रोवर ने अपनी नई रेसिंग-रेडी कार डिफेंडर डाकर डी7एक्स-आर पेश की है। इसकी डिजाइन भले ही प्रोडक्शन मॉडल डिफेंडर ओसीटीए से प्रेरित हो, लेकिन इसका रेसिंग-स्पेक सेटअप इसे पूरी तरह अलग और शक्तिशाली बनाता है। यह मॉडल खासतौर पर 2026 के डाकर रैली और डब्ल्यू2आरसी रैली-रेड सीजन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। डिफेंडर डाकर डी7एक्स-आर को रेगिस्तान, पहाड़ और कंठिन इलाकों के लिए तैयार किया गया है। इसमें 550 लीटर प्यूल टैंक, रैली-स्पेक बिलस्टेन सस्पेंशन, 35-इंच के बड़े ऑफ-रोड टायर और अधिक ग्राउंड क्लियरेंस शामिल हैं। सुरक्षा के लिए मजबूत रोल-केज और एडवांस्ड एयर कूलिंग सिस्टम के साथ ब्रेकिंग और गियरबॉक्स अपग्रेड इसे रेसिंग के लिए पूरी तरह सक्षम बनाते हैं। इस कार की सबसे दिलचस्प तकनीक इसका नया फ्लाइट मोड है, जो हवा में उछलने पर टॉर्क को तुरंत एडजस्ट करता है, जिससे लैंडिंग स्मूद होती है और ड्राइव-ट्रेन पर दबाव कम पड़ता है। एफआईए मानकों के अनुसार डिजाइन किए गए केबिन में रेसिंग सीट्स, हेड-अप डिस्ले और सभी जरूरी उपकरणों के लिए पर्याप्त जगह मौजूद है। ड्राइवर और को-ड्राइवर दोनों के लिए सुरक्षा और सुविधा से जुड़े एडवांस फीचर्स जोड़े गए हैं। लैंड रोवर का लक्ष्य है कि डिफेंडर ड-आकर डी7एक्स-आर 3 जनवरी 2026 से शुरू होने वाली डाकर रैली में पहली बार ट्रैक पर उतरे। कंपनी का मानना ​​है कि यह मॉडल न केवल उनके रेसिंग इतिहास को मजबूत करेगा, बल्कि ग्लोबल मोटस्पोर्ट्स में उनकी उपस्थिति को और बढ़ाएगा। नई डिफेंडर ड-आकर डी7एक्स-आर की रफ्तार, ताकत और उन्नत तकनीक इसे अपनी श्रेणी में एक अनोखा और चर्चित मॉडल बनाती है, जो रेसिंग दुनिया में लैंड रोवर की चुनौती को और मजबूती से पेश करती है। भारतीय रेसिंग प्रशंसकों में भी इस कार को लेकर उत्साह बढ़ रहा है, क्योंकि इसका डिजाइन, तकनीक और रेसिंग-फोकस्ड प्रदर्शन ब्रांड के लिए नई संभावनाएं खोलता दिख रहा है।

सोने के वायदा भाव में नरमी, चांदी में हल्की तेजी सोना 188 रुपए गिरकर 1,30,274, चांदी 269 रुपए तेज होकर 1,82,621 पर

नई दिल्ली

सोने-चांदी के वायदा बाजार में गुरुवार को कारोबार की शुरुआत तेज रुख के साथ हुई, हालांकि सत्र के आगे बढ़ने के साथ सोने के भाव पर दबाव देखने को मिला। घरेलू मल्टी कोमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का फरवरी वायदा कॉन्ट्रैक्ट 337 रुपये की मजबूती के साथ 1,30,799 प्रति 10 ग्राम पर खुला था, जबकि पिछले सत्र का बंद भाव 1,30,462 रुपए था। इस समय सोना 1,30,274 रुपए पर आ गया, जो शुरुआती स्तर से 188 रुपये की गिरावट दर्शाता है। दिन के दौरान इसने 1,30,799 रुपए का उच्च और 1,30,228 रुपए का निम्न स्तर छुआ। सोने ने इस वर्ष 1,31,699 रुपए का सर्वोच्च स्तर बनाया था। दूसरी ओर, चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 269 रुपये की तेजी के साथ 1,82,621 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,82,352 रुपये था। इस समय यह 2,45 रुपये की तेजी के साथ 1,82,597 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,82,697 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,82,021 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,84,743 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी मिले-जुले रुझान दिखाई दिए। कॉमेक्स पर सोना 4,234.50 डॉलर प्रति औंस पर खुलकर लगभग 4,223.10 डॉलर पर आ गया, जो लगभग 9.40 डॉलर की गिरावट दर्शाता है। इस वर्ष सोने का उच्चतम स्तर 4,398 डॉलर रहा है।

कारोबार

रांची, शुक्रवार, 05 दिसंबर 2025 10

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

आईटी, ऑटो, पीएसयू बैंक, फार्मा शेयरों में आया उछाल

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही आई टी सहित दिग्गज कंपनियां के शेयरों में खरीददारी हावी होने से दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 158.51 अंक बढ़कर 85,265.32 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 47.75 अंक ऊपर आकर 26,033.75 पर बंद हुआ । आज आईटी शेयरों में निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.41 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा ऑटो, पीएसयू बैंक, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल और रियल्टी शेयरों में भी तेजी रही। दूसरीओर एनजी,मीडिया, इन्फ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस लाल निशान में बंद हुआ।
लाजकैप



की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में सपाट कारोबार हुआ। ऐसे में अधिकतर शेयरयों में गिरावट रही ।
निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 15.85 अंक फिसलक

60,299.80 और निफ्टी स्मॉलकैप 41.60 अंक नीचे आकर 17,607.85 पर बंद हुआ।
सेंसेक्स पैक में टीसीएस,टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, भारती

आईआईटी प्लेसमेंट में उछाल, हेज फंड और ट्रेडिंग कंपनियों की भागीदारी बढ़ी

आईआईटी कानपुर को पहले दिन अब तक के सबसे ज्यादा 672 ऑफर

नई दिल्ली

देश के प्रमुख भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में 1 दिसंबर से शुरू हुए प्लेसमेंट सीजन में इस बार हेज फंड, प्रोप्राइटी ट्रेडिंग और एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग कंपनियों की बड़ी उपस्थिति देखने को मिल रही है।

सूत्रों के अनुसार छात्रों को 90 लाख रुपए से लेकर 3 करोड़ रुपये सालाना तक के आकर्षक पैकेज ऑफर किए जा रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित नई भूमिकाओं और उभरते क्षेत्रों के कारण कई आईआईटी इस साल नौकरी प्रोफाइल में विविधता लाने पर विशेष जोर दे रहे हैं, ताकि प्लेसमेंट केवल टेक कंपनियों और स्टार्टअप तक सीमित न रहे। आईआईटी रुड़की



में पहले स्लॉट के दौरान डीई शॉ, दा विंची डेरिवेटिव्स, एनके सिक्योरिटीज रिसर्च और रूब्रिक जैसी प्रमुख ट्रेडिंग कंपनियों ने छात्रों को ऑफर दिए। इसके साथ ही अमेजन, अमेरिकन एक्सप्रेस, एनवीडिया, क्वालकॉम, डेटाब्रिक्स, फिलिपकार्ट, जोमैटो (इटरनल) और गूगल जैसी बड़ी

टेक कंपनियां भी भर्ती प्रक्रिया में सक्रिय रूप से हिस्सा ले रही हैं। निवेश क्षेत्र की दिग्गज कंपनी स्व्वायरपॉइंट कैपिटल से भी आफर प्राप्त हुए हैं। आईआईटी के विभिन्न परिसरों को पहले दो दिनों में कुल 555 ऑफर मिले हैं, जिनमें कम से कम आठ अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं।

डॉलर बांड की मांग कमजोर! भारतीय कंपनियों का भरोसा अब रुपए पर

इस साल डॉलर में कर्ज लेने से बच रही हैं भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली

भारतीय कंपनियां इस साल डॉलर में कर्ज लेने से बच रही हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है अमेरिका में लगातार ऊंची चल रही ब्याज दरें और वैश्विक स्तर पर बढ़ता आर्थिक व भू-राजनीतिक तनाव।

ऐसे माहौल में कंपनियों को रुपये में कर्ज लेना अपेक्षाकृत सुरक्षित और सस्ता लग रहा है। यही कारण है कि रुपये बॉन्ड जार तेजी से बढ़ रहा है और 2025 में इसके नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार जब तक वैश्विक परिस्थितियां सामान्य नहीं हो जातीं और विदेशी ब्याज दरें ऊंची बनी रहती हैं, भारतीय कंपनियां रुपये-आधारित कर्ज को ही प्राथमिकता देंगी। बड़ी भारतीय कंपनियों से लेकर मल्टीनेशनल कंपनियां अब विदेशों की बजाय भारत के घरेलू बाजार से पूंजी जुटा रही हैं, क्योंकि यहां कर्ज उपलब्धता अधिक है और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव भी कम देखने को मिलता है। इस वर्ष अब तक 12.6 लाख करोड़ के रुपये बॉन्ड बिक चुके हैं, जबकि डॉलर में जारी बॉन्ड केवल 9 अरब डॉलर के



रहे, जो पिछले साल की तुलना में 32 फीसदी कम है। इससे रुपये बॉन्ड मार्केट की मजबूती साफ दिखाई देती है। इसी रुझान को देखते हुए विदेशी बैंक भी भारतीय रुपये बॉन्ड बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने में जुट गए हैं। हालांकि विदेशी बैंकों को एक्सिस बैंक, एचड-एफसी बैंक जैसे घरेलू दिग्गजों से कड़ी प्रतिस्पर्धा मिल रही है। इनके पास मजबूत जमा आधार, विस्तृत शाखा नेटवर्क और सरकारी बैंकों को मिलने वाला सरकारी समर्थन उन्हें और अधिक प्रभावी बनाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी बैंक अब समझ चुके हैं कि भारत में रुपये-आधारित कर्ज ही आगे बढ़ने का रास्ता है, लेकिन इसके लिए उन्हें भारतीय बैंकों से सीधी टक्कर लेनी होगी।

आंध्र प्रदेश सरकार ने अडाणी-गूगल एआई डेटा सेंटर के लिए 480 एकड़ जमीन आवंटित की

अमरावती,

आंध्र प्रदेश सरकार ने राज्य में एक गीगावाट क्षमता का एआई डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए गूगल की कंपनी रैडेन इन्फोटेक इंडिया के अधिसूचित भागीदार, अदाणी इंफ्रा (इंडिया) प्राइवेट लि. को विशाखापत्तनम और अनकापल्ली जिलों में 480 एकड़ जमीन आवंटित की है।

गूगल की इकाई ने पहले राज्य सरकार को सूचित किया था कि अदाणी इंफ्रा (इंडिया) प्राइवेट लि., अदाणी कॉनेक्स इंडिया प्राइवेट लि., अदाणी पावर इंडिया प्राइवेट लि., भारतीय एयरटेल लि., नेक्सट्रा डेटा लि. और नेक्सट्रा विजाग लि. (भारती एयरटेल की सहायक कंपनी) अधिसूचित भागीदार हैं।

रैडेन ने अनुरोध किया है कि आंध्र



प्रदेश औद्योगिक अवसंरचना निगम लिमिटेड (एपीआईआईसी) चिन्हित सभी तीन भूखंडों को प्राथमिक अधिसूचित भागीदार के रूप में अदणी इंफ्रा (इंडिया) को आवंटित कर सकता है। यह सर्वेक्षण

पूरा होने पर निर्भर है। दो दिसंबर को जारी आदेश में कहा गया है, सरकार प्रस्ताव की सावधानीपूर्वक जांच करने के बाद और मंत्रिपरिषद की 28 नवंबर 2025 की बैठक में दी गई मंजूरी के अनुसार विश-

एयरटेल, सन फार्मा, बीईएल, ट्रेट,आईटी-सी, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, एक्सिस बैंक, एचयूएल, पावर ग्रिड और एशियन पेंट्स के शेयरों में बढ़त रही जबकि मारुति सुजुकी,महिंद्रा बैंक, टाइटन, एसबीआई,आईसीआईसीआई बैंक, एचड-एफसी बैंक के शेयर गिरे हैं। इससे पहले आल सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद प्रमुख सूचकांकों ने तेजी पकड़ ली। सेंसेक्स की 84,987 अंकों पर गिरावट के साथ ही शुरुआत हुई। एनएसई का निफ्टी-50 भी कमजोर शुरुआत के साथ 25,981 पर खुला था। हालांकि, खुलने के कुछ ही देर बाद इसमें सुधार देखने को मिला। एशियाई बाजार- एशिया बाजारों में बॉल स्ट्रीट में रोजगार आंकड़ों के कारण बढ़त के बाद बाजारों में मिलाजुला रुख रहा।

इससे यह उम्मीद बढ़ी कि फेडरल रिजर्व अगले सप्ताह ब्याज दरों में कटौती कर सकता है।

जापान का बेंचमार्क निक्केई 225 इंडेक्स शुरुआती कारोबार में 0.3 फीसदी बढ़ा और टॉपिक्स इंडेक्स 0.33 फीसदी बढ़ा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.45 फीसदी गिरा, जबकि स्मॉल-कैप कोस्टेक 0.12 फीसदी उछला। अमेरिका में शेयर बाजार में बढ़त दर्ज की गई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की 9-10 दिसंबर की नीतिगत बैठक के दौरान ब्याज दरों में कटौती करने की संभावना 89 फीसदी पहुंच गई है। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एव-रेज में 0.86 फीसदी की बढ़त रही। एंडपी 500 में 0.30 फीसदी की वृद्धि हुई तथा नैस्डैक कंपोजिट में 0.17 फीसदी की वृद्धि हुई।

एप्पल ने क्यों किया सरकार के आदेश को मानने से इंकार.....तथा सुरक्षा बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली,

एप्पल कंपनी ने भारत सरकार के उस आदेश को मानने से साफ मना किया है जिसमें सभी नए स्मार्टफोन में संचार साथी नाम का सरकारी एप पहले से इंस्टॉल करना होगा। एप्पल कंपनी जल्द ही सरकार को अपनी आपत्ति लिखित में भेजेगी। संचार साथी एप को केद सरकार ने बनाया है ताकि चोरी हुए फोन को ट्रैक कर सके, उस ब्लॉक किया जा सके और गलत कामों में इस्तेमाल होने से रोका जा सके। केंद्र सरकार ने एप्पल, सैमसंग, शाओमी जैसी कंपनियों को चुपके से आदेश दिया था कि 90 दिन के अंदर सभी नए फोन में यह संचार साथी एप पहले से डाला जाए। पुराने फोन में भी अपडेट के जरिए यह एप डालना था। रिपोर्ट के मुताबिक, एप्पल का कहना है कि वह दुनिया के किसी भी देश में इस तरह का आदेश नहीं मानता। कंपनी को डर है कि ऐसा करने से उसके आईफोन की प्राइवेसी और सिक्योरिटी को बहुत नुकसान पहुंचेगा। एप्पल का पूरा सिस्टम (आईओएस) बहुत सख्ती से बंद होता है। कोई भी बाहर का एप उसमें गहराई तक घुस नहीं सकता। एप्पल को डर है कि अगर सरकारी एप को डालने से हैकर्स को मौका मिल सकता है। यूजर्स का निजी डेटा भी खतरे में पड़ सकता है। इसलिए एप्पल ने साफ मना किया। इस कारण है कि एप्पल की सिक्योरिटी को सबसे ज्यादा भरोसेमंद माना जाता है? एप्पल की प्राइवेसी पॉलिसी में लिखा है कि आईफोन यूजर्स से कैमरा, फोटो और फाइल देखने की इजाजत मांगी जाएगी। आदेश पर हंगामा होने के बाद दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि यह एप पूरी तरह वैकल्पिक है।

आईफोन 17 सीरीज का अपकमिंग मॉडल आईफोन 17ई चर्चा में

नई दिल्ली

स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी आईफोन 17 सीरीज का अपकमिंग मॉडल आईफोन 17ई अब चर्चा में है। इस फोन में आईफोन 16ई जैसा बड़ा नाँच नहीं होगा।

मायझायर्स द्वारा साझा किए गए कॉन्सेप्ट इमेजेज में दिखाया गया है कि आईफोन 17ई स्टैंडर्ड आईफोन 17 के सिंगल-कैमरा वर्जन जैसा ही डिजाइन होगा, लेकिन डिस्ले में बड़ा बदलाव दिखाई देगा। नया मॉडल डायनेमिक आइलैंड डिजाइन के साथ आएगा, जिससे फ्रंट पैनल अधिक मॉडर्न और ऐपल पोर्टफोलियो के साथ सामंजस्यपूर्ण दिखेगा। आईफोन 17ई में 6.1 इंच का स्टैंडर्ड पैनल होगा, जो 60एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करेगा। परफॉर्मेंस के लिहाज से यह हैडसेट नेक्स्ट-जेनरेशन ए19 चिपसेट से लैस होगा। हालांकि,



स्टैंडर्ड मॉडल से अलग इसे जीपीयू कोर कम कर परफॉर्मेंस और कीमत में संतुलन रखा गया है। यह डिवाइस पुराने आईफोन यूजर्स के लिए एक भरोसेमंद अपग्रेड विकल्प साबित हो सकता है, क्योंकि नए हार्डवेयर और आईओएस के संयोजन से लंबे समय तक स्मूद परफॉर्मेंस मिल सकती है। कस्टम सी। मॉडेम और एन। वायरलेस चिप के शामिल होने से डेटा ट्रांसफर स्पीड और एनजी एफिशिएंसी में सुधार होगा। अगर ये स्पेसिफिकेशन

सही साबित होते हैं, तो आईफोन 17ई बजट और फ्लैगशिप मॉडल के बीच की दूरी कम करते हुए यूजर्स के लिए एक भरोसेमंद और स्मार्ट विकल्प बन जाएगा। कैमरा फीचर्स में भी सुधार देखने को मिल सकता है।

सेलफ्री कैमरा 18 मेगापिक्सल सेंसर और सेंटर स्टेज सपोर्ट के साथ आ सकता है, जबकि रियर पैनल पर 48 मेगापिक्सल का वाइडएंगल कैमरा होने की संभावना है।

था।

सरकारी आदेश में कहा गया है कि यह परियोजना उन्हीं सटीक मानकों के अनुसार बनाई जाएगी, जिनसे सर्व, यूट्यूब और वर्कस्पेस जैसी गूगल सेवाएं संचालित होती हैं।

डेटा सेंटर की क्षमता आमतौर पर उसके द्वारा खपत की जाने वाली बिजली से मापी जाती है। विशाखापत्तनम में नियोजित एक गीगावाट (पूर्ण क्षमता संचालन पर 1000 मेगावाट बिजली की खपत) सुविधा से मुंबई की वार्षिक खपत के लगभग 50 प्रतिशत के बराबर बिजली का उपयोग होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री नायडू ने हाल ही में कहा था कि हालांकि गूगल ने पहले 10 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की थी, लेकिन यह बढ़कर 15 अरब डॉलर हो गया है।

गड़बड़ किए तो छोड़ दिए, अब कभी नहीं जाएंगे..., बिहार विधानसभा में विपक्षी विधायकों से बोले सीएम नीतीश

निरंकार भास्कर
नवप्रदेश/पटना। बिहार विधानसभा की कार्यवाही के चौथे दिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सदन को संबोधित किया। राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान सीएम नीतीश ने अपने संबोधन में राज्य सरकार द्वारा की जा रही कल्याणकारी कार्यों को गिनाया। इस दौरान सीएम नीतीश ने विपक्ष में बैठे विधायकों पर चुटकी

भी ली। सीएम नीतीश ने कहा कि वो दो बार उनके साथ गए थे लेकिन जब उनलोगों ने गड़बड़ किया तो उनका साथ छोड़ दिया। इसी के साथ सीएम नीतीश ने यह भी कहा कि वो अब उनके साथ नहीं जाएंगे।

दरअसल सदन में सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हम तो दो बार आपको साथ रखे हुए थे। उस वक हम कितना काम किए थे। आप तो



सबमें मेरा बात मान लेते थे। बाद में आप गड़बड़ किए तो हम छोड़

दिए। अब कभी नहीं जाएंगे। हम तो अब जो पहले से साथ हैं वहीं

'पुराना' तेजस्वी गायब! बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का नया अवतार'

रातभर चली शादी, सुबह 4 बजे विदाई से पहले दुल्हन ने किया ऐसा काम कि बन गई मिसाल

नवप्रदेश/निरंकार भास्कर
बिहार : बांका की संजना शमी ने शादी, विदाई और परीक्षा की तिहरी जिम्मेदारियां एक साथ निभाईं। सोमवार रात साँपटवेयर इंजीनियर सत्य प्रकाश शमी से उनकी शादी हुई। विवाह की रस्में देर रात तक चलीं, फिर भी नई दुल्हन संजना ने आराम करने के बजाय, अपनी पढ़ाई को प्राथमिकता दी। आगले ही दिन वह परीक्षा देने पहुंची। बाबटोल माहलै की संजना शमी ने अपनी लगन, हौसले और शिक्षा के प्रति समर्पण से समाज के लिए एक अનોखी मिसाल पेश की है। सोमवार की रात उसकी शादी साँपटवेयर इंजीनियर सत्य प्रकाश शमी के साथ पूरी रस्मों के साथ सम्पन्न हुई। देर रात तक चली शादी की परंपराओं के बाद जहां आमतेर पर दुल्हने आराम करती हैं, वहीं संजना ने अपनी प्रथमिकता पढ़ाई को देते हुए अपने ही दिन होने वाली परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी।शादी के मंडप से सीधे एर्राम हॉल मंगलवार सुबह उसकी मुंगेर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एलएलबी सेमेस्टर-4 की परीक्षा निर्धारित थी। शादी की अंतिम रस्में पूरी करते ही संजना सुबह चार बजे तैयार होकर सीधे



मंडप से परीक्षा देने निकल पड़ी। सुबह 10 बजे होने वाली परीक्षा के लिए वह समय पर कॉलेज पहुंच गई। परीक्षा के दौरान उनके पति सत्य प्रकाश शमी कॉलेज परिसर के बाहर इंतजार करते रहे और संजना के इस निष्पत्ि का पूरा समर्थन किया। एर्राम पर ररिसेशन की तैयारी परीक्षा समाप्त होते ही दोनों पटना के निकट स्थित अपने ससुराल के लिए रवाना हो गए, जहां शाम को शादी का ररिसेशन आयोजित था। संजना के पिता मनोज कुमार शमी, जो सार्वजनिक महाविद्यालय बांका में प्रोफेसर हैं, उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी बेटी के इस हौसले पर गर्व है। उन्होंने कहा कि शादी और परीक्षा दोनों जिम्मेदारियों को संतुलित करने का संजना का निष्पत्ि उसकी शिक्षा के प्रति गंभीरता को दिखाता है। हर बेटी में ऐसा ही जन्मा होना चाहिए। संजना की मां ललिता शमी भी अपनी बेटी की प्रतिबद्धता से बेहद खुश हैं। एलएलबी की परीक्षा देने गई थी संजना

मोतिहारी में युवक ने नेताओं को फिर दी गाली: सोशल मीडिया पर पोस्ट किया वीडियो; गिरफ्तारी के लिए पुलिस की छापेमारी

नवप्रदेश/मोतिहारी
घोड़ासहन थाना क्षेत्र के जगीरहा गांव निवासी राजेश यादव एक बार फिर सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी को लेकर सुर्खियों में हैं। युवक ने अपने फेसबुक अकाउंट से दूसरी बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और एलजेपी (आर) सुप्रिमो चिराग पासवान सहित कई प्रमुख नेताओं को अपमानजनक भाषा में गालियां देते हुए वीडियो पोस्ट किया है। वीडियो अपलोड होने के कुछ ही घंटों में यह तेजी से वायरल होने लगा, जिसके बाद पुलिस हरकत में

आ गई। थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि दूसरी बार आपत्तिजनक वीडियो सामने आने के बाद राजेश चौधरी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम भी गठित की है और लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

गांव से बाहर किसी निजी कंपनी में करता है काम

हालांकि, उसके गांव में छापेमारी के

जिला स्तरीय युवा उत्सव-2025 कला और संस्कृति का भव्य संगम

नवप्रदेश/बैतिया। कला संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार द्वारा जिला प्रशासन पश्चिम चम्पारण के तत्वाधान में 05 दिसंबर को आयोजित जिला स्तरीय युवा उत्सव-2025 युवाओं के लिए अपनी कला और प्रतिभा दिखाने का बड़ा अवसर लेकर आ रहा है। यह उत्सव बैतिया शहर अवस्थित बड़ा रमना स्थित गांधी सभागार में सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के नवोदित उभरते हुए और छिपी हुई प्रतिभाओं को एक ही मंच पर पहचान दिलाना है। वरीय उप समाहर्ता-सह-जिला सामान्य शाखा प्रभारी पदाधिकारी, श्रीमती नममा तबस्सुम ने बताया कि 5 दिसंबर को गांधी सभागार में होने वाला यह भव्य युवा उत्सव जिले में कला, संस्कृति और युवा ऊर्जा का विशेष संगम बनेगा। युवा उत्सव में समूह लोकगीत समूह लोकनृत्य कहानी लेखन कविता, चित्रकला और वक्तुता समेत विभिन्न विधाओं में प्रतियोगिताएं होंगी। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों को अपने वाद्य यंत्र पोशाक और मंच सामग्री स्वयं लानी होगी जबकि मंच प्रकाश और ध्वनि की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वाराटी की गयी है। प्रतिभागियों को अपनी प्रतियोगिता से एक घंटा पहले प्रेक्षागृह प्रभारी को रिपोर्ट करना अनिवार्य होगा और प्रस्तुतियां उपलब्ध मंचीय व्यवस्था के अनुसार ही देनी होंगी। कार्यक्रम में शामिल सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिया जाएगा, जबकि विजेताओं को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के लिए प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जिलास्तरीय युवा उत्सव की सारी तैयारियां अब अंतिम चरण में है। जिला पदाधिकारी श्री धर्मन्द कुमार के निर्देश के आलोक में की जा रही तैयारियों का वे स्वयं मॉनिटरिंग कर रही हैं। उन्होंने बताया कि जिलास्तरीय युवा उत्सव कला एवं संस्कृति का भव्य संगम बनेगा।

12 इलाकों में 6 दिसंबर को चलेगा बुलडोजर

नवप्रदेश/पटना बढ़ते जाप से लोगों को राहत दिलाने के लिए प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है. शहर की 12 प्रमुख सड़कों से अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरु किया जा रहा है. शनिवार तक कारवाई पूरी कर ली जाएगी और रविवार से अतिक्रमणकारियों पर सीधे केस दर्ज होगा. पटना में जाम की समस्या दिनों-दिन गंभीर होती जा रही है. खासकर ऑफिस टाऊन और भीडभाड़ वाले इलाकों में लोग कई-कई घंटों तक सड़क पर फंसे रहते हैं. इस बढ़ती समस्या से निपटने के लिए प्रशासन ने अब बड़ा अभियान शुरु करने का फैसला किया है. प्रमंडलीय आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर ने शहर की 12 सबसे व्यस्त सड़कों से अतिक्रमण हटाने का टास्क सभी विभागों को दे दिया है. नगर निगम, जिला प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस को शनिवार तक हर हाल में कार्रवाई पूरी करने का निर्देश दिया गया है. 8 दिसंबर को कमिश्नर को रिपोर्ट

देगे अधिकारी प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि रविवार से अतिक्रमणकारियों पर सीधे केस दर्ज होगा. जो भी कार्रवाई होगी, उसकी विस्तृत रिपोर्ट अधिकारियों को सौंपनी होगी. इसके अलावा, प्रमंडलीय आयुक्त ने 8 दिसंबर को होने वाली बैठक में डीएम, एसएसपी, नगर आयुक्त और संबंधित अधिकारियों को शहर की ताजा स्थिति की पूरी रिपोर्ट गंभीर होती का कहा है. समीक्षा के बाद आगे की रणनीति तय होगी.

इन 12 सड़कों पर होगी सबसे सख्ता कार्रवाई

- सुगुना मोड़ से दानापुर स्टेशन
- शेखपुरा रोड से रुकनपुरा
- बोरिंग रोड
- बोरिंग केनाल रोड से राजापुर पुल
- अटल पथ
- बेउर मोड़ से पहाड़ी
- पटना जंक्शन के आसपास
- कंकड़बाग मेन रोड

लैंड फॉर जॉब घोटाला: 8 दिसंबर को होगी अगली सुनवाई

नवप्रदेश/निरंकार भास्कर
लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी और बेटे तेजस्वी को लैंड फॉर जॉब मामले में आरोपी बनाया गया है। कुल आरोपियों की संख्या 100 से ज्यादा है। सीबीआई ने चार्जशीट में बड़े पैमाने पर घोटाले का आरोप लगाया है। राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के खिलाफ लैंड फॉर जॉब मामले में अगली सुनवाई आठ दिसंबर को होगी। कयास लगाए जा रहे थे दिल्ली का

राजउ एक्वेयू कोर्ट इस मामले में गुरुवार (4 दिसंबर) को फैसला सुना सकता है। हालांकि, कोर्ट ने सीबीआई से आरोपियों का स्टेट्स मांगा है। कोर्ट ने सीबीआई से कहा कि कई आरोपियों की मौत हो चुकी है इसलिए कोर्ट आरोपियों का 8 दिसंबर तक स्टेट्स बचाए। सीबीआई इस मामले में पहले ही अपनी चार्जशीट दखिल कर चुकी है। इस चार्जशीट में बड़े पैमाने पर घोटाले का आरोप लगाया गया है।सीबीआई ने लालू यादव के अलावा राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव सहित



100 से ज्यादा लोगों को आरोपी बनाया है। आरोप है कि जब लालू यादव रेल मंत्री थे, तब ग़ु डी की नौकरियां देने के लिए जर्मन लालू यादव के परिवार के नाम पर की गई थी और भर्त्तिवां अनुचित तरीके से दाल दिया था

चार दिसंबर तक टाल दिया था फैसला

10 नवंबर को विशेष सीबीआई न्यायाधीश विशाल गोपने ने मामले में कथित सलिपत्ता को लेकर लालू यादव और अन्य के खिलाफ सीबीआई द्वारा दायर मामले की सुनवाई करते हुए फैसले को चार दिसंबर तक के लिए टाल दिया था। अदालत आठ दिसंबर को इस बारे में अपना फैसला सुना सकती है कि आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं या नहीं। सीबीआई ने कथित घोटाले के सिलसिले में लालू यादव, उनकी पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री

रहेगे। इतना सारा काम हुआ है तो आपलोग भी इसको याद रखिए। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में विपक्षी सदस्यों से भी अग्रह किया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नमन करें। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास में केंद्र का पूरा सहयोग मिल रहा है।अपने संबोधन के दौरान सीएम नीतीश कुमार ने पीएम मोदी को लेकर कहा कि वो बिहार के लिए बहुत काम कर रहे हैं। इसके बाद



उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने भी बड़ी सदशयता दिखाई और सम्मान की गंगा ही राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चरणों में उड़ेल डाली। **निर्वाचित भाषा के साथ रहे तेजस्वी विधानसभा** के बतते सत्र में भाई देवी और ने सरकार पर हमला बोलेते बोलें वोरी की सरकार कहा, मगर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की भाषा ही बदल गई। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार के साथ सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक सभी विधायकों को नई जिम्मेदारी सभालने पर शुभकामनाएं दी। उम्मीद भी जताई कि विधानसभा में अब विपक्ष की आवाज पहले से ज्यादा सम्मान और गंभीरता के साथ सुनी जाएगी। उन्होंने कहा कि आप ज्ञान और मोक्ष की धरती के प्रतिनिधि हैं, भगवान विष्णु और महात्मा बुद्ध की धरती से आते हैं। ऐसे में हमें पूरा विश्वास है कि आप निष्पक्ष होकर सदन को चलाएंगे। हमें भरोसा है कि आप विपक्ष की आवाज को भी बराबर सम्मान देंगे। 17वें से 18 वें

500 की 5 गड़ियों के साथ पकड़ा गया राजस्व कर्मचारी पटना से किशनगंज गई निगानी की टीम ने रंगेहाथ दबोचा

नवप्रदेश/निरंकार भास्कर
किशनगंज राजस्व कर्मचारी राजदीप पासवान को 2.50 लाख की रिश्तव लेते हुए रींहाथ गिरफ्तार हुआ। जमीन के म्यूटेशन (परिमार्जन) के लिए वे घूस मांगी गई थी। पटना से आई डीएसपी के नेतृत्व वाली टीम ने एक होटल के पास इस ट्रैप को अंजाम दिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

बिहार एक घूसखोर को रींहाथ धर-बन्धोचा गया। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने मंगलवार के परिमार्जन (म्यूटेशन) के काम के राक्षस्व कर्मचारी राजदीप पासवान को 2 लाख 50 हजार रुपये की रिश्तव लेते हुए रीं हाथों गिरफ्तार किया। ये कार्रवाई किशनगंज शहर स्थित अभिषेक होटल के पास की गई। पीड़ित ने बताया कि राजदीप पासवान ने उनकी जमीन के परिमार्जन (म्यूटेशन) के काम के लिए कुल 2 लाख 70 हजार रुपये रिश्तव की मांग की थी। सहमति के बाद 2 लाख 50 हजार रुपये देने पर काम करने की बात करी गई। दखिल खारिज के लिए मांगी थी ढाई लाख की घूस

बगहा पुलिस जिला की कमान संभालते ही प्रभारी एसपी निर्मला कुमारी का औचक निरीक्षण

नवप्रदेश/बगहा। बगहा पुलिस जिला का प्रभार संभालते ही महिला स्वाभिमान बटालियन की समादेश सह प्रभारी एसपी निर्मला कुमारी ने रविवार को बगहा नगर थाना, पुलिस केंद्र और कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यपाली से लेकर अधिकारी-कर्मियों की उपस्थिति, थानों में लंबित मामलों की स्थिति, रिकॉर्ड संधारण, संचार व्यवस्था तथा नियंत्रण कक्ष की कार्यशैली तक सभी बिंदुओं की गहन समीक्षा की।निरीक्षण के दौरान प्रभारी एसपी ने सभी पुलिस पदाधिकारियों को सतर्कता बचाए रखने, अनुशासन का कड़ाई से पालन करने तथा प्रत्येक कार्रवाई समानबद्ध तरीके से पूर्ण करने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सुखशा की व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नगर थाना में लंबित मामलों को लेकर उन्होंने अलग से समीक्षा बैठक की और संबंधित पदाधिकारियों को तेजी से कार्रवाई कर निपटारा सुनिश्चित करने का आदेश दिया।कंट्रोल रूम के

उन्होंने विधानसभा सदस्यों से कहा कि सभी हाथ उठाकर उनको नमन करें। जब सदन में राजद विधायकों ने हाथ नहीं उठाया तब सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि आप लोग क्यों नहीं करते हैं, आप लोग भी कहिए। सब के लिए काम कर रहे हैं, सब तरह से। इसीलिए हम आपसे कह रहे हैं। पीएम कई बार बिहार आए हैं और विकास कार्यों की शुरुआत की है।

सत्र में आया अंतर 18वें सत्र में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपने को एक समझदार और अनुभवी नेता के रूप में प्रोजेक्ट कर गए। विधानसभा 2025 की जग हारने के बाद एक बेहतर समझदारी के साथ सदन के सत्र का संचालन चलने देना भी एक सकारात्मक सोच है। इस क्रम में न तो कोई राजनीतिक आरोप लगाए और न ही कुछ कुछ शब्द ही बोले। फिर बड़ी ही शौलिन शब्दों में अपनी भूमिका का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हम सबका लक्ष्य बिहार को अब्यवना बन है। विपक्ष सरकार का दुश्मन नहीं, बल्कि लोकतंत्र का संतुलन है। 17वें विधानसभा सत्र के तेजस्वी बिहार विधानसभा के 18वें सत्र में वे बदला स्वरूप 17वें विधानसभा में तेजस्वी यादव का व्यवहार कुछ और थे। इस सत्र में सम्राट चौधरी से टकराते तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार को खटारा गाड़ी से संबोधित किया। सम्राट चौधरी को जवाब देते तेजस्वी यादव ने साफ कहा था कि ये सरकार पेपर लीक की सरकार है। ये सरकार घोटालेबाजों की सरकार है। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा जब तेजस्वी यादव पर हमला बोल रहे थे तो तेजस्वी यादव ने जवाब देते कहा कि जनात भ्रष्ट सरकार से तंत्र आ चुकी है। बिना रिश्तव दिए कोई काम नहीं होता...

चौराई स्वास्थ्य शिविर में 138 मरीजों का इलाज
उदवंतनगर – सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत चौराई महादलित टोला में स्वास्थ्य विभाग तथा सामाजिक संस्था नई आशा के बैनर तले स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मरीजों का निः शुल्क स्वास्थ्य जांच किया गया। स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा अनिल कुमार और पद्मश्री डा भीम सिंह भवेश ने किया। एमओआईडी डा अनिल कुमार ने बताया कि आज की शिविर में डा रंजीत कुमार एवं अन्य द्वारा 138 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई। मरीजों को साफ सफाई तथा पौष्टिक आहार लेने का सुझाव दिया गया। सभी मरीजों को निः शुल्क दवाईयां बांटी गई।कई मरीजों को विभिन्न तरह के टेस्ट के लिए सीएचसी उदवंतनगर रेफर किया गया। पद्मश्री डा भवेश ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर नई आशा गरीब व कमजोर वर्ग खासकर महादलित वर्ग के बीच स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराती है। मौके पर बीएचएम,सीएचओ सिन्गहा,सीमा कुमारी,पिरामत्त से सोमनाथ औझा, राज्य स्वास्थ्य समिति से कोमल, एनएम ज्ञानती कुमारी,मधु कुमारी,नीतू कुमारी,रीना कुमारी,लेव टेवनीशियन अमन अशरफ,आशा फोसेलेटेटर सौरता कुमारी मुख्य थे।

मृदुभाषी एवं नेक दिल महिला थी जनक दुलारी देवी: वीरेंद्र सिंह

डेहरी और सोन रोहतास/मृदुभाषी एवं नेक दिल महिला थी जनक जनक दुलारी देवी उक्त बातें पूर्व विधायक वीरेंद्र सिंह ने भाजपा के वरिष्ठ नेता सह सांसद प्रतिनिधि अरविंद उपाध्याय के माता जी के श्राद्धकर्म में श्रद्धांजलि सभा में उनके माता के तैल चित्र माल्याण कर श्रद्धा सुमन अर्पित करने के उपरांत कहा। श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में संतोष उपाध्याय, मुखिया शशि भूषण जी, औरंगाबाद भाजपा जिला मंत्री जितेंद्र शर्मा, मुखिया शशि भूषण जी, उदय कुशवाहा, मनोज पासवान कन्हैया पासवान, रवि गुप्ता, पूर्व मुखिया वीरेंद्र गुप्ता,सुरेंद्र सिंह,हरेंद्र सिंह हरियाली ,मनीष सिंह सहित कई लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

भूमि अधिग्रहण मुआवजा भुगतान4 हेतु कैप का आयोजन
बैतिया। राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए अभिगृहित भूमि के मुआवजा भुगतान हेतु रैयतों के कागजात प्राप्त करने, लंबित आवेदनों के निवारण तथा छूट रैयतों को नोटिस तालीफ कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा अवंतवार शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविर 05 एवं 06 दिसंबर 2025 को ठकराहा अंचल कार्यालय (मौजा ठकराहा, श्रीनगर, भगवानपुर), 08 एवं 09 दिसंबर 2025 को बैरिया अंचल कार्यालय (मौजा पट्टरिवा), 10 एवं 11 दिसंबर 2025 को योगापुरी अंचल कार्यालय (मौजा कोहड़ा, पिरा नौरंगिया) तथा 12 एवं 13 दिसंबर 2025 को बनपटिया अंचल कार्यालय (मौजा गुरवलिया विधावास, तूराहपट्टी, भरपटिया) में आयोजित होगा। इन शिविरो में अपर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, कानूनगो व अन्य अधिकारी जिले के भू-अर्जन कार्यालय, पश्चिम चम्पारण, बैतिया की ओर से उपस्थित रहेंगे। जिला पदाधिकारी, धर्मन्द कुमार ने निर्देश दिया है कि संबंधित अंचल अधिकारी निर्धारित तिथि को अपने समस्त राजस्व कर्मियों एवं अंचल निरीक्षक के साथ उपस्थित रहकर रैयतों की सहभागिता सुनिश्चित करें तथा शिविर स्थल पर पुलिस बल की व्यवस्था भी बनाई जाए।

अस्पताल प्रशासन की लापरवाही से मरीज परेशान

बैतिया। पश्चिमी चम्पारण के बैतिया नगर निगम स्थित गवर्नमेंट अस्पताल में अस्पताल प्रशासन के लापरवाही के कारण मरीज को हो रही परेशानियां। सूचों की माने तो नगर के प्रदीप कुमार, शैलेश महतो, दीपक सिंह, रणधीर मिश्रा, श्याम कांत कुशवाहा, प्रेमा देवी, नंदीनी टाकुर, बिहार भारती, संजू राम, मोहन राम, शालिनी मिश्रा आदि दर्जनों लोग का कहना है कि अस्पताल प्रशासन के जो भी गाई या सिपाही हैं वे लोग मरीज से पैसे लेते हैं और जो भी गाड़ियां जैसे ई रिश्ता, टैपी आदि को इस गेट से उस गेट पर कराने के लिए पैसे की उगाही करते हैं तथा अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं, जो जनेहित के खिलाफ है। एक तरफ सरकार जनता के लिए किए गए व्यवस्था को गिनाती है तो दूसरी तरफ उनके रक्षक ही भक्षक बने हुए हैं। अस्पताल विधि व्यवस्था को लेकर हमेशा कुछ ना कुछ देखने को मिलता ही रहता है कभी मरीज के साथ दुर्व्यहार, कभी मरीज के साथ आए पर्रिजनों के साथ दुर्व्यहार ,कभी गाई द्वारा आम जनता के साथ गाली गलौज, धमकी भरे बात और मारपीट करना होते रहता है। अब सवाल यह उठता है कि इतना बड़ा अस्पताल आभिर किसके लिए खोला गया है जहां कोई विधि व्यवस्था नहीं है हमेशा आरोप प्रत्यारोप के बीच मरीजों को परेशानी होती है। उक्त मामले को लेकर अस्पताल प्रशासन एवं अधिकक्ष से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन संपर्क नहीं होने के कारण उनकी प्रतिक्रिया दर्ज नहीं हो पाई।

दो बच्चों को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने ट्राई साइकिल दिया

प्रतिनिधि, सुर्यपुर/प्रखंड मुख्यालय स्थित उर्दू मध्य विद्यालय में घुघवार को विश्व किलोमता दिवस के अवसर पर विद्यालय के दो बच्चों को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने ट्राई साइकिल दिया. विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक रणजीत कुमार सिंह उर्फ मंडू सिंह ने बताया कि बिहार शिक्षा परियोजना के अंतर्गत समावेशी शिक्षा के तहत पूर्व से चिन्हित विद्यालय के कक्षा छ्क की छात्रा शिल्पी कुमारी एवं वर्ग 7 के छात्र रोशन कुमार को समावेशी शिक्षा के तहत विश्व दिव्यांगता दिवस पर ट्राई साइकिल दिया गया .जिससे उन्हें विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने के लिए आने जाने के साथ ही अन्य कार्यों में काफी सहूलियत होगी. वही ट्राई साइकिल प्राप्त करने के बाद दोनों छात्र-छात्राओं ने काफी उत्सुकता एवं खुशिया देखी गई. मौके पर समावेशी शिक्षा के कोऑर्डिनेटर शिल्पी पांडे,विद्यालय के शिक्षक मे मुजाहिद सनन, मे डायनतुल्लाह शोभा कुमारी अग्रप्रिया कुमारी रीना देवी सहित विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित थी.

भोजपुरी सेवक रामदास राही सदा के लिए राही हो गए : कुमार अजय सिंह गीतकार

अश्वनी कुमार फिर बड़हरा भोजपुर/बड़हरा प्रखंड अंतर्गत सेमरीया गांव निवासी और भिखारी टाकुर आश्रम के सचिव भोजपुरी सेवक रामदास राही का निधन होने से भोजपुरी जगत के सच्चा सेवक सदा के लिए राही हो गए इनके निधन पर कुछ व्यक्त करते हुए भोजपुरी गीतकार एवं कहानीकार कुमार अजय सिंह ने दुःख कि राही जी के चले जाने से भोजपुरी साहित्य एवं भोजपुरिया जन आन्दोलन का रूपांतर टुट कर कमजोर पड़ गया। उनकी भारपाई करना अब कठिन है। राही जी भोजपुरी के वैसे सैक सेवक थे जिन्होंने पेटेल लज्जा करके गांव गांव में भ्रमण करके भोजपुरी भाषा के प्रति लोगो के भाव भावना को टटोल कर उसको मिडिया में लाकर जमीन पर उतारने का काम करते थे। अपने लेखनी से भोजपुरी के कुछ पुस्तक भी लिखे और भिखारी टाकुर रचनाशली में अपना पूरा विषय वस्तु को जोंगाड़ कर के प्रकाशित कराने में अहम भूमिका रहे। उनके निधन पर शोक व्यक्त करने वालो में साहित्यकार डॉ जीहैर शर्कियावासी शुभ नारायण सिंह शुभ पेंसुल बरौली कोशल मुहबतपुरी गायक राजकिशोर पांडेय राजेशदत्त तिवारी साहित्यकार अरविंद कोशल गायक गजेन्द्र औझा सेमरीया निवासी अजीत कुमार सिंह हरिदास टाकुर सुरेंद्र सिंह योग्यादव सिंह सहित दर्जनों लोग थे।

कृषि जनकल्याण चौपाल का किया गया आयोजन

बिक्रमगंज। कृषि जन कल्याण चौपाल का आयोजन कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण रीतहास के तत्वाधान में किशनगंज प्रखंड के घुंसिया खुर्द पंचायत के सहजनी टोला पर किया गया। चौपाल में बीज टीकाकरण पौध संरक्षण पराली प्रबंधन के बारे में विधिवत जानकारी किसानों की दी गई। अनुमंडल पदाधिकारी श्री प्रभात कुमार ने परली के संबंध में विशेष रूप से चर्चा की तथा पराली जलने वाले पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई भी की जाएगी। इसके लिए दावत मुखड का उदाहरण भी दिया। चौपाल के कार्यक्रम में कृषि पदाधिकारी बिक्रमगंज प्रियाशु पारशर, कृषि प्रबंधन पदाधिकारी रागिनी चौहान, कृषि सलाहकार कन्हैया सिंह, ललन प्रसाद इत्यादि उपस्थित थे। ग्राम पंचायत के मुखिया विनय प्रकाश चौधरी, 20 सूत्री सदस्य नवीन चंद्र शाह, आईटीसी मनोज कुमार सिंह सहित किसान न्युनरी लाल, लाल बाबू राम, लालजी प्रसाद, निर्मला देवी, ममता देवी, ललन शर्मा, नन्द लाल साह इत्यादि उपस्थित थे। चौपाल में जीविका दीर्घियों का भी सहभागिता रही।

अतिक्रमण को हटाने में प्रशासन ने बुलडोजर चलाया

शाहपुर। नगर पंचायत शाहपुर स्थित आरा बक्स रोड में अतिक्रमण को हटाने में प्रशासन ने बुलडोजर चलाया। बुलडोजर से अतिक्रमण हटाने का अभियान गुरुवार की सुबह से लेकर देर शाम तक चलाया गया। प्रशासन की मुस्तेदी में चलाया गया अभियान के दौरान दुकानदार तथा अतिक्रमण करियों की भीड जमा रहा। इस अभियान में प्रशासन को भी कई तरह की मुसीबत झेलनी पड रही है। वहीं दुकानदार अतिक्रमण हटने से सड़क पर आये गये है। उनके बीच भूखसरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

किसान सलाहकार पर बीज वितरण में अनियमितता का आरोप

अंगिआं प्रखंड। चासी ग्राम पंचायत के किसानों ने किसान सलाहकार पर बीज वितरण में गंभीर अनियमितता का आरोप लगाया है। किसानों की माने तो पंचायत के चासी गांव में किसान सलाहकार नरेंद्र सिंह मनमाने ढंग से बीज का वितरण कर रहे हैं, जिससे कई पंजीकृत किसानों को बीज नहीं मिल पा रहा है। किसानों धनेश कुमार, अजीत कुमार, चंदन कुमार और मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि उन्होंने ऑनलाइन आवेदन करने एवं सभी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद भी उन्हें बीज नहीं दिया गया। बीज मांगने पर किसान सलाहकार द्वारा कथित रूप से कहा जाता है कि अच्छा बीज चाहिए तो अच्छा पैसा देना डेंगा, नहीं तो खराब बीज मिलेगा। किसानो ने आरोप लगाया कि पैसा नहीं देने पर यह कहकर टाल दिया जाता है कि ह्र्वापंचायत का बीज खस हो गया। किसानो ने आरोप लगाया कि बीज वितरण में धांधली और पक्षपात किया जा रहा है, जिससे वास्तविक किसान परेशान हैं। मामले की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों में भी आक्रोश देखा गया है। किसानों ने प्रखंड कृषि कार्यालय से मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो वे सामूहिक रूप से उच्च अधिकारियों से शिकायत करेंगे।



चीनी प्रधानमंत्री ने सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए नई शहरीकरण रणनीति लागू करने का किया आग्रह

बीजिंग,

चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग ने जन-केद्रित नई शहरीकरण रणनीति को लागू करने, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के एकीकृत विकास में निहित घरेलू मांग को खोलने और आर्थिक एवं सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के प्रयासों का आग्रह किया। ली ने यह टिप्पणी बुधवार को राज्य परिषद के एक सत्र की अध्यक्षता करते हुए की। ली ने कहा कि घरेलू मांग का विस्तार करने, औद्योगिक उन्नयन को बढ़ावा देने और घरेलू खपत को मजबूत करने के लिए नई शहर-ीकरण रणनीति महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में पूरे देश में इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और 15वीं पंचवर्षीय योजना अवधि (2026-2030) में नए शहरीकरण के विकास के लिए बहुत गुंजाइश है। ली ने कहा कि चीन का शहरीकरण तीव्र विकास के दौर से स्थिर विकास की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या संरचना, शहरी व्यवस्था और शहरी एवं ग्रामीण विकास में व्यापक परिवर्तन हो रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि नए शहरीकरण कार्य की प्रासंगिकता एवं प्रभावशीलता को और बढ़ाना आवश्यक है। ली ने नई शहरीकरण योजना को स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल क्रियान्वित करने, लोगों, उद्योग और शहर के लेआउट को और ज्यादा अनुकूल बनाने तथा ग्रामीण प्रवासी आबादी के लिए रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, आवास और बच्चों की शिक्षा जैसी समस्याओं का समाधान करने के लिए अधिक सशक्त एवं लक्षित उपाय करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शहरी नवीकरण पहल को लागू करना तथा गुणवत्तापूर्ण घरों के निर्माण और रियल एस्टेट में उच्च-गुणवत्तापूर्ण विकास को तेजी से आगे बढ़ाना भी आवश्यक है। ली ने कहा कि एकीकृत शहरी-ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बीच अवसंरचना और औद्योगिक संबंध मजबूत करने के प्रयास भी किए जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने यूक्रेन के लिए 6.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सैन्य सहायता की घोषणा की

कैनबरा,

ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को यूक्रेन के लिए 9.5 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (6.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर) के नए सैन्य सहायता पैकेज की घोषणा की, जिसमें रक्षा बल सामग्री एवं उपकरण शामिल हैं। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने विदेश मंत्री पेनी वॉंग और रक्षा उद्योग मंत्री पेट कॉनरॉय के साथ एक बयान में कहा कि नए पैकेज से यूक्रेन को ऑस्ट्रेलिया की कुल सहायता 1.7 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर से अधिक हो जाएगी। नई सैन्य सहायता में नाटो की प्राथमिकता प्राप्त यूक्रेन आवश्यकता सूची में 5.0 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का योगदान शामिल होगा, जिसके माध्यम से यूक्रेन को महत्वपूर्ण उपकरण, साथ ही 4.3 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल (एडीएफ) सामग्री एवं उपकरण की आपूर्ति की जाएगी। एडीएफ उपकरणों में सामरिक वायु रक्षा रडार, युद्ध सामग्री और लड़-ाकू इंजीनियरिंग उपकरण शामिल होंगे। ऑस्ट्रेलिया द्वारा ड्रोन क्षमता को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त 20 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का योगदान दिया जाएगा, जो यूक्रेन को उन्नत ड्रोन प्रौद्योगिकियां प्रदान करता है।

संयुक्त राष्ट्र ने दिया दिव्यांग लोगों के प्रति सोच बदलने पर जोर

संयुक्त राष्ट्र,

संयुक्त राष्ट्र के एक वैश्विक प्रतिनिधि ने दिव्यांग लोगों को सशक्त बनाने के लिए सोच बदलने की जरूरत पर जोर दिया। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में बुधवार को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में जाइल्स ड्यूली ने कहा कि तीन साल तक दिव्यांग व्यक्तियों के यूपन ग्लोबल एडवोकेट के तौर पर उनके अधिकारों की वकालत करने के बाद भी उन्हें लगता है कि वे उनकी आवाज दुनिया तक नहीं पहुंचा पाए। यह उनके कार्यकाल का अंतिम दिन था। न्यूज एजेंसी सिन्हूआ की रिपोर्ट के अनुसार, इंटरनेशनल डे ऑफ पर्सन विद डिसेबिलिटीज पर उन्होंने कहा कि दिव्यांग लोगों के प्रति सोच की वजह से सिस्टम फेल हो रहा है। दिव्यांगों को आज भी बोझ की तरह देखा जाता है, जो एक बड़ी समस्या है। डूली, जिन्होंने अफगानिस्तान में तीन अंग खो दिए थे, बोले कि दिव्यांगता को प्रेरणा की कहानी बनाकर पेश करना गलत है। अफगानिस्तान में अपने तीन हाथ-पैर खोने वाले ड्यूली ने कहा, जब भी मुझे संयुक्त राष्ट्र या किसी संस्था में बोलने बुलाया जाता है, लोग कहते हैं कि एक प्रेरक भाषण दीजिए। लेकिन मेरा काम लोगों को प्रेरित करना नहीं है। मेरा काम सच्चाई बताना है और सच्चाई यह है कि दिव्यांग लोगों के हालात जमीन पर आज भी नहीं बदले। मुश्किलों में हमेशा वही लोग पीछे छूट जाते हैं जो पहले से समाज में हाशिये पर हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी या पर्वतारोहियों की प्रेरक कहानियाँ अच्छी लगती हैं, पर वे ज्यादा लोगों की हकीकत नहीं हैं। वास्तविकता यह है कि ऐसे लोग तभी आगे बढ़ पाते हैं जब उनके सामने की रुकावटें हटाई जाती हैं। डूली ने कहा कि हमें दिव्यांगों को न तो दया का पात्र समझना चाि-हए और न ही उन्हें प्रेरणा के तौर पर भी देखना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें सिर्फ यह समझना है कि समाज ने ही उनके रास्ते में बाधाएं खड़ी की हैं। हमारा काम है इन बाधाओं को हटाना और उन्हें खुद को सशक्त करने का मौका देना। इंटरनेशनल डे के लिए एक मैसज में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनिओ गुटेरेस ने संदेश दिया कि दिव्यांग व्यक्तियों को समाज में पूरी तरह शामिल करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, दिव्यांग लोग समाज में बदलाव ला रहे हैं, इनोवेशन को लीड कर रहे हैं, नीतियों को प्रभावित कर रहे हैं और न्याय की मांग कर रहे हैं। परंतु ज्यादातर समय उन्हें फैसले लेने की जगह पर शामिल ही नहीं किया जाता। दिव्यांग व्यक्तियों को शामिल किए बिना स्थायी विकास संभव नहीं। गुटेरेस ने बताया कि आज भी भेदभाव, गरीबी और असुलभ सेवाएँ जैसी कई रुकावटें दुनिया के एक अरब से ज्यादा दिव्यांग लोगों की भागीदारी रोकती हैं।

बांग्लादेश में 4.1 तीव्रता के भूकंप के झटके

ढाका,

बांग्लादेश में बृहस्पतिवार तड़के 4.1 तीव्रता का भूकंप आया जिसके झटके राजधानी ढाका और आसपास के जिलों में महसूस किये गए। समाचार पोर्टल टीवीएसन्यूज डॉट नेट ने यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के हवाले से बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह छह बजकर 14 मिनट पर आया और उस्-का केंद्र नरसिंगदी में 30 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। हालाँकि भूकंप से जान माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। खबर के अनुसार भूकंप का केन्द्र कम गहराई पर होने के कारण ढ-ाका और आसपास के जिलों के निवासियों को हल्के झटके ही महसूस हुए। बांग्लादेश भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र में स्थित है। पिछले महौने भी ढाका और नरसिंगदी सहित देश के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किये गए थे जिसकी तीव्रता 5.7 थी और इसमें 10 लोगों की मौत हो गई थी।

विदेश

जलवायु परिवर्तन ने दुनियाभर के शहरों को भीषण गर्मी में धकेला

आने वाले दशकों में शहरी तापमान 2 से 7 डिग्री तक बढ़ने की आशंका

लंदन

जलवायु परिवर्तन की रफ्तार ने दुनिया भर के शहरों को अभूतपूर्व गर्मी में धकेल दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले दशकों में शहरी तापमान 2 डिग्री से 7 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की आशंका है।

अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव के कारण कॉन्क्रीट और भीड़भाड़ वाले इलाकों में गर्मी और ज्यादा असहनीय हो सकती है। इसका सबसे ज्यादा असर गरीब, बच्चे, बुजुर्ग और खुले में काम करने वाले लोगों पर पड़ेगा। रिपोर्ट में बताया गया है कि बढ़ती गर्मी के चलते श्रमिक उत्पादकता में भारी गिरावट दर्ज की जाएगी। 1995 से 2030 के बीच गर्मी के कारण 3.75 मिलियन फुल-टाइम नौकरी के बराबर कामकाजी घंटे खो चुके हैं, जो 2030



तक बढ़कर 8.1 मिलियन के स्तर तक जा सकते हैं। इसके चलते वैश्विक आर्थिक नुकसान करीब 498 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली, टोक्यो, बीजिंग,

करांची, ढाका और जकार्ता जैसे बड़े शहरों में अगले वर्षों में भीषण गर्मी, स्वास्थ्य संकट, पानी की कमी और कूलिंग उपकरणों की बढ़ी मांग देखने को मिलेगी।

हिजाब महिलाओं की गरिमा को बचाता है, वहीं पश्चिम उन्हें भोग की वस्तु बनाता है: खामेनेई

तहरान

ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई ने एक बार फिर अनिवार्य हिजाब और सख्त ड्रेस कोड का खुलकर बचाव किया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लगातार पोस्ट करते हुए उन्होंने पश्चिमी देशों पर तीखा हमला बोला और दावा किया कि इस्लाम महिलाओं को सच्ची आजादी और सम्मान देता है, जबकि पश्चिमी पूंजीवादी व्यवस्था उन्हें महज यौन वस्तु बना देती है। यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान की संसद के 150 से ज्यादा सांसदों ने न्यायपालिका पर हिजाब कानून को ढीला करने का आरोप लगाया था। ठीक एक दिन बाद खामेनेई ने जवाब दिया। उन्होंने लिखा, समाज का पहला कर्तव्य है महिलाओं की



सुरक्षा, गरिमा और शांति सुनिश्चित करना। इस्लाम ठीक यही करता है। पश्चिम में पूंजीवाद महिलाओं को विज्ञापनों, फिल्मों और फैशन की भेंट चढ़ाता है। वहाँ औरत को सिर्फ शरीर समझा जाता है। खामेनेई ने पश्चिमी समाज में लैंगिक वेतन असमानता का भी जिक्र किया। उनका कहना था कि वहाँ महिलाओं से समान काम करवाया जाता है, लेकिन वेतन कम दिया

जाता है और उनका शारीरिक शोषण आम है। इसके उलट इस्लाम में महिला को घर का फूल बताया गया है। उन्होंने हदीस का हवाला देते हुए लिखा, हम्हिला नौकरानी नहीं है। वह फूल है, जिसकी देखभाल करनी है। उसकी खुशबू और रंग पूरे घर को महकाते हैं। उसे सम्मान और सुरक्षा दो, वह तुम्हें समृद्ध करेगी। खामेनेई ने यह भी कहा कि हिजाब और पर्दे का

अमेरिका में एफ-16सी फाइटिंग फाल्कन जेट ट्रेनिंग के दौरान क्रेश

पायलट सूझबूझ के साथ बाहर निकला और पैराशूट पहन लगा दी छलांग

वाशिंगटन,

कैलिफोर्निया के आसमान में अमेरिकी एयरफोर्स के मशहूर थंडरबर्ड्स एरियल डेमो टीम का एक एफ-16सी फाइटिंग फाल्कन ट्रेनिंग के दौरान क्रेश हो गया।

हादसा गुरुवार सुबह करीब 10.45 बजे हुआ, लेकिन राहत की बात यह है कि पायलट समय रहते बाहर निकल आया और सुरक्षित रूप से जमीन पर उतरा गया। एयरफोर्स की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि पायलट की हालत स्थिर है और वह मेडिकल टीम की देखरेख में है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रेनिंग मिशन नियंत्रित एयरस्पेस में चल रहा था। हादसे के तुरंत बाद आसमान में पैराशूट लटकते हुए पायलट को नीचे आते देख लोगों ने वीडियो और तस्वीरें साझा कीं जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं। इन तस्वीरों में क्रैश के बाद उठता धुआं और सूखी झील के किनारे बिखरा मलबा साफ नजर आ रहा है। एयरफोर्स ने कहा है कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है और 57वीं विंग पब्लिक अफेयर्स ऑफिस आगे की जानकारी उपलब्ध कराएगा। अभी यह साफ नहीं है कि ट्रेनिंग मिशन के दौरान ऐसी स्थिति कैसे बनी जिसमें पायलट को



इजेक्ट करना पड़ा। जांच के बाद ही खराबी या वजह का पता चल सकेगा। रिपोर्ट के मुताबिक मौके पर स्थानीय एजेंसियों ने तत्काल रेस्क्यू और फायर कंट्रोल का काम संभाला। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि उन्हें सुबह 10.30 बजे क्रैश की सूचना मिली और तुरंत फायर सपरेशन ऑपरेशन शुरू किया गया। हादसा जिस इलाके में हुआ, वह एक सूखी झील है, जहां ट्रेनिंग मिशन के दौरान कई बार फाइटर जेट्स की लो फ्लाईंग होती है। अधिकारियों के मुताबिक आग फैलने से पहले ही उसे नियंत्रित कर लिया गया ताकि आसपास के क्षेत्र को किसी तरह का नुकसान न हो।

अमेरिका में छात्र को भारी हथियारों, दर्जनों राउंड गोलियों के साथ किया गिरफ्तार

यूनिवर्सिटी कैंपस और पुलिस डिपार्टमेंट पर हमला करने की थी योजना

वाशिंगटन,

अमेरिका में पुलिस ने यूनिवर्सिटी ऑफ डेलावेयर के पूर्व छात्र को भारी हथियारों, दर्जनों राउंड गोलियों, बॉडी आर्मर और एक खतरनाक मैग्नेफेस्टो के साथ गिरफ्तार किया है। 25 साल का छात्र को 24 नवंबर की आधी रात से ठीक पहले पकड़ा जब वह पार्क में सदिग्ध हालात में पिकअप में बैठा था।

अधिकारियों के मुताबिक उसके व्यवहार पर शक होने के बाद जब ट्रक की तलाशी ली गई तो अंडर का नजारा देख सब हैरान रह गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस को एक .357 ग्लॉक पिस्टल, 27 राउंड की कई भरी हुई मैगजीन्स और बॉडी आर्मर प्लेट्स मिली। अभियोजन पक्ष के मुताबिक यह पिस्टल



ऐसे किट में फिट की गई थी कि वह सेमी-ऑटोमैटिक राइफल की तरह काम कर सके। इससे साफ होता है कि हथियारों

का यह खजोरा किसी साधारण इस्तेमाल के लिए नहीं था। उसे तब पकड़ा गया है जब कुछ दिन पहले ही व्हाइट हाउस के

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक हीटवेव के कारण हीटस्ट्रोक के मामले वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रहे हैं। 2000–2021 के बीच 65 साल से ज्यादा आयु के लोगों में गर्मी से होने वाली मौतों में 85फीसदी तक वृद्धि दर्ज की गई है।

केवल यूरोप में 2022 की गर्मियों में 61,000 से ज्यादा अतिरिक्त मौतें दर्ज की गईं। क्लाइमेट विशेषज्ञ बताते हैं कि 2008 से 2019 के बीच भारत के दस प्रमुख शहरों में हर साल औसतन 1,116 लोगों की जान हीटवेव से गई। उनका कहना है कि बढ़ती गर्मी से निपटने तुरंत राहत उपायों और दीर्घकालिक शहरी योजना दोनों जरूरी हैं। शहरों में ग्रीन कवर बढ़ाना, जलाशयों को संरक्षित करना और कंक्रीट के उपयोग को घटाना जरूरी

कदम हैं।

कृषि पर भी गर्मी का प्रभाव दिख रहा है। वैज्ञानिक कम पानी और गर्मी झेलने वाली फसलों की प्रजातियां विकसित करने में जुटे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि हिमालयी ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे कृत्रिम झीलों और अचानक बाढ़ का खतरा बढ़ रहा है। आने वाले समय में नदियों के जलप्रवाह और मैदानी क्षेत्रों में बाढ़ की आवृत्ति बढ़ सकती है। विशेषज्ञ ने चेतावनी दी है कि हीटवेव को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। अत्यधिक तापमान शरीर के अंगों को क्षति पहुंचा सकता है और समय पर मदद न मिले तो जीवन खतरे में पड़ सकता है। बढ़ती गर्मी की चुनौती से निपटने के लिए समाज और सरकार दोनों को अभी से तैयारी करनी होगी।

पाकिस्तान में महामारी का रुप ले चुका एड्स.....15 सालों में 200 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी करांची,
पाकिस्तान में ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (एचआईवी) का संक्रमण अब महामारी का रूप ले चुका है। बीते 15 सालों में पाकिस्तान में एचआईवी के मामलों में 200 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। यानी पाकिस्तान में मामले तीन गुना बढ़े हैं। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2010 में जहां कुल मामले 16000 थे, वहीं 2024 तक बढ़कर 48000 हो गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, पाकिस्तान पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र में एचआईवी की सबसे तेजी से फैलने वाली महामारी का सामना कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह जानकारी विश्व एड्स दिवस के मौके पर डब्ल्यूएचओ और यूएनएआ-ईडीएस द्वारा आयोजित जागरूकता वॉक में साझा की गई। सबसे चिंताजनक बात यह है कि पहले एचआईवी मुख्य रूप से उच्च जोखिम वाले समूहों (जैसे नशीले पदार्थों का इंजेक्शन लेने वाले) तक सीमित था, लेकिन अब यह बच्चों, जीवनसाथियों और सामान्य आबादी तक तेजी से फैल रहा है।
इलाज और जांच सुविधाओं तक सीमित पहुंच रिपोर्ट के अनुसार, अनुमान है कि पाकिस्तान में वास्तव में करीब 3.5 लाख लोग एचआईवी से पीड़ित हैं, लेकिन इनमें से लगभग 80 प्रतिशत लोग अपनी स्थिति से पूरी तरह अनजान हैं। बच्चों पर इसका असर विशेष रूप से भयावह है। 0-14 साल के बच्चों में नए एचआ-ईवी मामले 2010 में 530 थे, जो 2023 तक बढ़कर 1800 हो गए। पिछले दशक में एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (एटीआर) देने वाले मरीजों की संख्या में 8 गुना इजाफा हुआ है। 2013 में 6500 से बढ़कर 2024 में 55500 हो गई। इसतरह एटीआर केंद्रों की संख्या 2010 में 13 से बढ़कर 2025 में 95 हो गई है।

संयुक्त राष्ट्र ने मोजाम्बिक में विस्थापित लोगों के लिए 60 लाख अमेरिकी डॉलर किया आवंटित

संयुक्त राष्ट्र,

संयुक्त राष्ट्र ने उत्तरी मोजाम्बिक प्रांत में हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोगों के लिए 60 लाख अमेरिकी डॉलर आवंटित किया।

यह जानकारी मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने गुरुवार को दी। ओसीएचए ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के अवर महासचिव एवं आपातकालीन राहत समन्वयक टॉम फ्लेचर ने नाम्पुला प्रांत में 1,20,000 विस्थापित लोगों के लिए केंद्रीय आपातकालीन प्रतिक्रिया कोष (सीईआरएफ) से बुधवार को सहायता जारी की है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने कहा कि मंगलवार तक लगभग एक लाख लोग मध्य नवंबर में प्रांत में हिंसा फैलने के बाद से अपने घरों



से पलायन कर चुके हैं। ओसीएचए ने कहा, स्थापित लोगों में से दो तिहाई से अधिक बच्चे हैं जो अब भीड़भाड़ वाले स्कूलों, अस्थायी संरचनाओं, खुले स्थानों या पहले से ही कमजोर मेजबान परिवारों में आश्रय ले रहे हैं। आश्रय के अलावा उनके पास सुरक्षित जल, संरक्षण, स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता सेवाओं तक भी सीमित पहुंच है जबकि कुछ क्षेत्रों में हैजा फैल रहा है। कार्यालय ने कहा कि महत्वपूर्ण सहायता का भंडार

लगभग समाप्त हो चुका है और सीईआरएफ की धनराशि से एराटी और मेम्बा जिलों में लोगों के लिए जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य सहायता, बुनियादी घरेलू सामान, साथ ही आश्रय, सुरक्षा और आजीविका सहायता को प्राथमिकता दी जाएगी। ओसीएचए ने कहा कि मोजाम्बिक के लिए 2025 मानवीय प्रतिक्रिया योजना को वर्ष के अंत तक 28 प्रतिशत से भी कम धनराशि उपलब्ध हो सकी है।